‘ಹತ್ತನೆಯ ತರಗತಿ ತೃತೀಯ ಭಾಷೆ ಹಿಂದಿ ಫಲಿತಾಂಶ ಉತ್ತಮೀಕರಣಕ್ಕಾಗಿ ಪ್ರಶ್ನೋತ್ತರ ಮಾಲಿಕೆ’

“मार्गदर्शि हिंदी दर्पण”

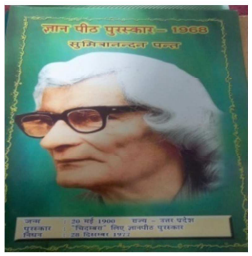

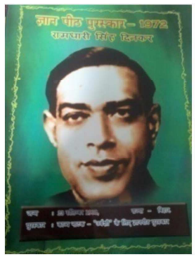

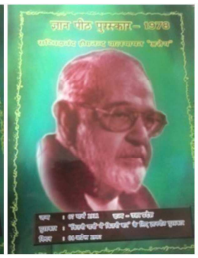

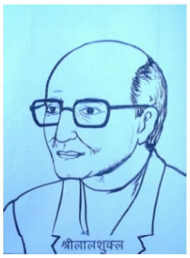

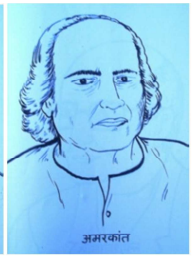

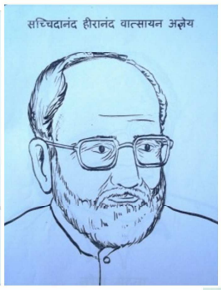

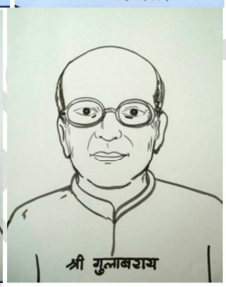

श्रीलालशुक्ल
अमरकांत
कुँवर नारायण
निर्मल वर्मा
नरेश मेहता
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय
महादेवी वर्मा
रामधारी सिंह दिनकर
सुमित्रानंदन पंत
विनोबा भावे
धर्मवीर भारती
विष्णु प्रभाकर
विष्णु प्रभाकर
श्री गुलाबराय
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
जयशंकर प्रसाद
भारतेंदु हरिश्चंद्र
श्रीरामनरेश त्रिपाठी
रामेश्वरदयाल दुबे
रामवृक्ष बेनीपुरी
प्रेमचंद
हरिवंशराय बच्चन
नागार्जुन
कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर
नागप्पाजी
भगवतीचरण वर्मा
महावीरप्रसाद द्विवेदी
केदारनाथ सिंह
भीष्म साहनी
मोहन राकेश
रघुवीर सहाय
केदारनाथ अगरवाल
फणीश्वरनाथ रेणु
हजारीप्रसाद द्विवेदी

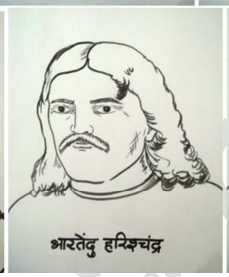

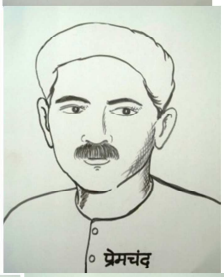

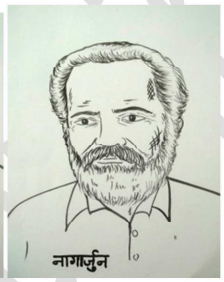

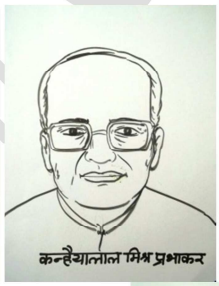

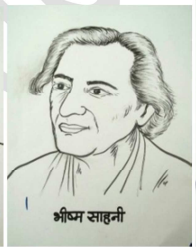

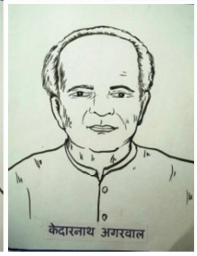

ಆಶಯ

ಆತ್ಮೀಯ ಶಿಕ್ಷಕ ಮಿತ್ರರೇ,

ಏಪ್ರಿಲ್ ಮಾಹೆಯಲ್ಲಿ ನಡೆಯುವ ನೂತನ ಪರೀಕ್ಷಾ ಪದ್ಧತಿಗೆ ಅನುಗುಣವಾಗಿ ಕಲಿಕಾ ಗುಣಮಟ್ಟ ಮತ್ತು ಸಾರ್ವತ್ರಿಕ ಪರೀಕ್ಷಾ ಫಲಿತಾಂಶ ಉತ್ತಮಪಡಿಸುವ ದೃಷ್ಟಿಯಿಂದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಕಲಿಕಾ ವೇಗವನ್ನು ಗಮನದಲ್ಲಿಟ್ಟುಕೊಂಡು ಹಿಂದಿ ಭಾಷೆಯ ಕಲಿಕೆಗೆ ಸಹಾಯಕವಾಗುವಂತಹ ಚೌಕಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಪರೀಕ್ಷಾ ದೃಷ್ಟಿಯಿಂದ ಅಗತ್ಯವೆನಿಸಬಲ್ಲ, ಪಠ್ಯಕ್ರಮ ಆಧಾರಿತ, ಗದ್ಯ, ಪದ್ಯ, ವ್ಯಾಕರಣಾಂಶಗಳನ್ನೊಳಗೊಂಡಂತೆ ಪ್ರಶ್ನೋತ್ತರ ಮಾಲಿಕೆಗಳನ್ನು ರಚಿಸಿದ್ದೇವೆ. ಈ ಮಾಲಿಕೆಯು ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಮುಂಬರುವ ಪರೀಕ್ಷೆಯಲ್ಲಿ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಅಂಕಗಳನ್ನು ಪಡೆಯಲು ಅನುಕೂಲವಾಗುವ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಪ್ರೌಢಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿಯವರ ನಿರ್ದೇಶನದಂತೆ ನೀಲನಕ್ಷೆ ಆಧಾರಿತವಾಗಿ ರಚಿಸಲಾಗಿದೆ. ಇದು ಹಿಂದಿ ಭಾಷಾ ಶಿಕ್ಷಕರಿಗೆ ಮತ್ತು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಸಹಾಯವಾಗುವ ಉದ್ದೇಶದಿಂದ ಸಂಪನ್ಮೂಲ ಶಿಕ್ಷಕರಿಂದ ಸಿದ್ಧಗೊಂಡಿದೆ. ಇದು ನಮ್ಮ ಚಿಕ್ಕ ಪ್ರಯತ್ನವಾಗಿದ್ದು. ಶಿಕ್ಷಕರು ಮತ್ತು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಇದರ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಮನವಿ..

ಶ್ರೀ ಶ್ರೀನಿವಾಸ ನಾಯ್ಕ್. ಸ.ಶಿ.
ಸ.ಪ.ಪೂ.ಕಾಲೇಜು ಕಾವಳಪಡೂರು ವಗ್ಗ, ತಾ॥ ಬಂಟ್ವಾಳ
ಸಂಪನ್ಮೂಲ ಶಿಕ್ಷಕರು ದಕ್ಷಿಣ ಕನ್ನಡ.

ಡಾ॥ ಸಂಜಯ ಮಾಲೆ. ಸ.ಶಿ. ಸ.ಕ.ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ
ಜಾಲಹಳ್ಳಿ, ತಾ॥ ದೇವದುರ್ಗ
ಸಂಪನ್ಮೂಲ ಶಿಕ್ಷಕರು ರಾಯಚೂರು.

ಶ್ರೀ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನ. ಸ.ಶಿ.
ಎಮ್.ಡಿ.ಆರ್.ಎಸ್.ಆಲೂರು–ಸಿದ್ದಾಪೂರ,
ತಾ॥ ಸೋಮವಾರಪೇಟೆ ಜಿ॥ ಕೊಡಗು.

ಶ್ರೀ ನಾಗಲಿಂಗಯ್ಯ. ಸ.ಶಿ.
ಸ.ಪ.ಪೂ.ಕಾಲೇಜು ಗುರುಗುಂಟಾ.
ತಾ॥ ಲಿಂಗಸೂಗೂರು, ಜ॥ ರಯಚೂರು

ಶ್ರೀಮತಿ ರಹಿಮುನ್ನೀಸಾ. ಸ.ಶಿ.
ಕಿ.ರಾ.ಚ.ವಸತಿ ಶಾಲೆ ಮೊಳಕಾಲ್ಮುರು
ತಾ॥ ಮೋಲಕಾಲುಮೂರು. ಜಿ॥ ಚಿತ್ರದುರ್ಗ.

ಶ್ರೀ ಗುಲಾಮನಬಿ. ಸ.ಶಿ ಸ.ಪ್ರೌ.ಶಾಲೆ ಗಾಣಧಾಳ,
ತಾ॥ ದೇವದುರ್ಗ, ಜಿ॥ ರಾಯಚೂರು
ಸಂಪನ್ಮೂಲ ಶಿಕ್ಷಕರು ರಾಯಚೂರು.

ಮುನ್ನುಡಿ

ಆತ್ಮೀಯ ಶಿಕ್ಷಕ ವೃಂದವೇ,

ಹತ್ತನೆಯ ತರಗತಿಯ ಕಲಿಕೆಯನ್ನು ಗುಣಾತ್ಮಕವಾಗಿ ಉತ್ತಮಪಡಿಸುವ ಸಲುವಾಗಿ ಹಾಗೂ ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವನ್ನು ಉನ್ನತೀಕರಿಸುವ ದೃಷ್ಟಿಯಿಂದ 2017–18ನೇ ಸಾಲಿನ ಹಿಂದಿ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ವಿಧ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಕಲಿಕಾ ವೇಗವನ್ನು ಅನುಸರಿಸಿ, ಕಲಿಕೆಗೆ ಸಹಾಯಕವಾಗುವಂತೆ ಪ್ರಶ್ನೋತ್ತರ ಮಾಲಿಕೆಯನ್ನು ರಚಿಸಿ, ಹಿಂದಿ ಸಂಪನ್ಮೂಲ ಶಿಕ್ಷಕರಿಂದ ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಕಲಿಕಾ ಪುಸ್ತಕವು, ಶಿಕ್ಷಕರು ಪಠ್ಯಪುಸ್ತಕಗಳಿಗೆ ಪೂರಕವಾಗಿ ಬಳಸಿಕೊಂಡು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಯಶಸ್ಸಿಗೆ ಕಾರ್ಯಪ್ರವೃತ್ತರಾಗಬೇಕೆಂಬ ಆಶಯವನ್ನಿಟ್ಟುಕೊಂಡು ರಚಿತವಾದದ್ದಾಗಿದೆ. ರಾಜ್ಯದ ಎಲ್ಲಾ ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು ಮತ್ತು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಇದರ ಸಂಪೂರ್ಣ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆದುಕೊಂಡದ್ದೇ ಆದರೆ ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆಯಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮ ಫಲಿತಾಂಶವನ್ನು ಆಪೇಕ್ಷಿಸಬಹುದಾಗಿದೆ.

ಈ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ಶ್ರಮಿಸಿದ ಎಲ್ಲಾ ಸಂಪನ್ಮೂಲ ಶಿಕ್ಷಕರು, ಪ್ರೌಢಶಾಲೆಗಳ ಎಲ್ಲಾ ಶಿಕ್ಷಕ ವೃಂದದವರಿಗೂ, ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿ ಮತ್ತು ಪರೋಕ್ಷವಾಗಿ ಸಹಕಾರ ನೀಡಿದ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಹೃದಯಪೂರ್ವಕ ಅಭಿನಂದನೆಗಳು.

ಮಾನ್ಯ ಶ್ರೀ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನಯ್ಯ ಸ್ವಾಮಿ ಸರ್.
ಪ್ರಾಚಾರ್ಯರು.
ಡಯಟ್ ರಾಯಚೂರು

ಕೃತಜ್ಞತೆಗಳು

ನಮ್ಮ ಈ ಕಲಿಕಾ ಪುಸ್ತಕ ರಚನೆ ಮಾಡಲು ಸ್ಫೂರ್ತಿ, ಸಹಕಾರವನ್ನು ನೀಡಿದ ಹಿಂದಿ ಸಂಪನ್ಮೂಲ ಶಿಕ್ಷಕರ ಶಾಲೆಯ ಎಲ್ಲಾ ಮುಖ್ಯಗುರುಗಳು ಹಾಗೂ ಸಿಬ್ಬಂದಿವರ್ಗ, ಹಾಗೂ ನಮ್ಮಗೆ ಈ ಪುಸ್ತಕ ಬರೆಯಲು ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ನೀಡಿದ ಶ್ರೀ ವಿಜಯಕುಮಾರ. ಎಸ್. ಬಿ. ಸಹ ಶಿಕ್ಷಕರು ಸ. ಕ. ಪ್ರೌ. ಶಾಲೆ ಜಾಲಹಳ್ಳಿ. ಇವರೆಲ್ಲರಿಗೂ ಕೃತಜ್ಞತೆಗಳು.

Nabi Sir GHS Ganadhal

-: अनुक्रमणिका :-

क्र. सं	पाठ का नाम	विधा	लेखक/कवि का नाम	जन्म	प्रमुख कृतियाँ
१	मातृभूमि	कविता	भवतीचरण वर्मा	३० अगस्त १९०३ में उन्नव जिल्ला शफिपुर में ।	चित्रलेका, भूले-बिसरे चित्र, युवराज चूण्डा, मोर्चाबंदी, एक नारज कविता, वसीयत आदि ।
२	काश्मीरी सेब	कहानी	मुंशी प्रेमचंद	३१ जुलाई १८८० को वाराणसी के लमही गाँव में ।	गोदान, सेवासदन, गबन, निर्मला, कर्मभूमि, बडे घर की बेटी, नमक का दरोगा आदि ।
३	गिल्लू	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा / आधुनिक मीरा	२४ मार्च १९०७ को फरुखाबाद में ।	यामा(ज्ञानपीठ-१९८२) सांध्यगीत, निरजा, निहार, आदि ।
४	अभिनव मनुष्य	कविता	रामधारीसिंह दिनकर	१९०८ में बिहार के मुंगेर जिले में ।	उर्वशी (ज्ञानपीट-१९७२), हुँकार, कुरूक्षेत्र, बापू, रश्मिरथि आदि ।
५	मेरा बचपन	आत्मकथा	अब्दुल कलाम / अउल फकीर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम	१५-१०-१९३१ में तमिलनाडु के रामेश्वरम में ।	
६	बसंत की सच्चाई	एकांकी	विष्णु प्रभाकर	१९१२ में उ.प्र. के मुज़फ्फरनगर के मीरपुर में ।	आवारा मसीहा, तट के बंधन, निशिकांत, दर्पण का व्यक्ति, धरती अब भी घुम रही है आदि।
७	तुलसीदास के दोहे	दोहा	गोस्वामी तुलसीदास / रामबोला	१५३२ में उ.प्र. के राजापुर में ।	रामचरित मानस, विनय-पत्रिका, गीतावली, दोहावली, आदि ।
८	इंटरनेट क्रांति	निबंध	संकलित		
९	ईमानदारों के सम्मेलन में	व्यंग्य रचना	हरिशंकर परसाई	२२ अगस्त १९२४ को मध्यप्रदेश के जमानी में ।	हँसते हैं रोते हैं, भूत के पाँव पीछे, सदाचार का तावीज़, वैष्णव का फिसलन आदि ।
१०	दुनिया का पहला मकान	लेख	डा ॥ विजया गुप्ता	२१ दिसंबर १९४६ में ।	हमारे बहादुर बच्चे, दोस्ती किताबों से, बाल कहानी संग्रह ।
११	समय की पहचान	कविता	सियारामशरण गुप्त	४ सितंबर १८९५ को मध्यप्रदेश के झाँसी के चिरगाँव में ।	मौर्यविजय, अनाथ, विषाद, आर्दा, आत्मोत्सर्ग, मृण्मयी, बापू, नकुल, आदि ।
१२	रोबोट	कहानी	डा॥ प्रदीप मुखोपाध्याय'आलोक'	-	-
१३	महिला की साहस गाथा	व्यक्ति परिचय	संकलित	-	-
१४	सूर-श्याम	पद	सूरदास	१५४० में उ.प्र के रुनकता गाँव में ।	सूर सागर, सूर सारावली और साहित्यलहरी ।
१५	कर्नाटक संपदा	निबंद	संकलित	-	-
१६	बाल-शक्ति	लघु नाटिका	जगतराम आर्य	१६ दिसंबर १९१० में हिमाचलप्रदेश के ऊना में ।	-
१७	कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती	कविता	सोहनलाल द्विवेदी	२३ फरवरी १९०६ में ।	भैरवी, वासवदत्ता, कुणाल, पूजागीत, विषयपान, युगधार और जय गांधी ।
१८	पूरक वाचन	-	-	-	-
१९	कन्नड में अनुवाद	-	-	-	-
२०	अनुरूपता	-	-	-	-
२१	जोडकर	-	-	-	-
२२	भावार्थ	-	-	-	-
२३	व्यकरण	-	-	-	-
२४	निबंध	-	-	-	-

२५	पत्र लेखन	-	-	-	-
२६	Fa1 to Fa4	-	-	-	-

1. मातृभूमि

कवि परिचय :

कवि का नाम :भगवतीचरण वर्मा

जन्म : 30 अगस्त 1903 में उन्नाव जिले के शफिपुर

रचनाएँ : चित्रलेखा, पतन, मेरे नाटक, भूले–बिसरे चित्र आदि।

मृत्यु : 5 अक्तूबर 1981

पुरस्कार : साहित्य अकादमी पुरस्कार

पत्रिकावों का संपादन :‘विचार’ और ‘नवजीवन’ पत्रिकाओं के संपादक थे।

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

१. कवि किसे प्रणाम कर रहा है?

उ. कवि भारत माता को प्रणाम कर रहा है ।

२. भारत माँ के हाथों में क्या है?

उ. भारत माँ के हाथों में न्याय पताक और ज्ञान-दीप है ।

३. आज माँ के साथ कौन है?

उ. आज माँ के साथ कोटि-कोटि लोग हैं ।

४. सभी ओर क्या गूँज उठा है?

उ. ‘जय-हिंद’ का नाद सभी ओर गूँजना चाहिए ।

५. भारत के खेत कैसे हैं?

उ. भारत के खेत हरे-भरे हैं ।

६. भारत भूमि के अंदर क्या-क्या भरा हुआ है?

उ. भारत भूमि के अंदर अपार खनिज भरा हुआ है ।

७. सुख-संपत्ति, धन-धाम को माँ कैसे बाँट रही है?

उ. सुख-संपत्ति, धन-धाम को माँ मुक्त हाथ से बाँट रही है ।

८. जग के रूप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते हैं?

उ. भारत माँ से जग का रूप बलने के लिए कवि कह हरे हैं ।

९. 'जय-हिंद' का नाद कहाँ-कहाँ पर गूँजना चाहिए?

उ. सकल नगर और ग्राम में 'जय-हिंद' का नाद गुंजना चाहिए ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

१०. भरत माँ के प्रकृति-सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

उ:- मातृभूमि हरे-भरे सुंदर खेत, फल-फूल, वन-उपवन, अपार खनिज संपदा से सुशोभित हैं। मातृभूमि अपने एक हाथ में न्याय-पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप को धारण कर बहुत ही सुंदर सुशोभित हो रही हैं। यह धरती सुख-संपत्ति, धन-धाम से भरा हुआ है।

(11) मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है?

उ:- मातृभूमि अपने एक हाथ में न्याय-पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप सबको सही रास्ते में चलने को प्रेरित कर रही है। उसके गोद में पले बच्चों को परस्पर सहयोग से रहने के लिए प्रेरणा दे रही है।

- **इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

1. **कवि मातृभूमि को कितने बार प्रणाम करते हैं?**
   उत्तर – कवि मातृभूमि को शत–शत (कोटि–कोटि)बार प्रणाम करते हैं।
2. **मुक्त–हस्त से माँ क्या बाँट रही है?**
   उत्तर – मुक्त–हस्त से माँ सुख–संपत्ति बाँट रही है।
3. **भारत के वन–उपवन किससे भरे हैं?**
   उत्तर –भारत के वन–उपवन फल–फूलें से भरे हैं।
4. **भारत माँ के उर में कौन शायित हैं?**
   उत्तर –भारत माँ के उर में गाँधी, बुद्ध और राम शायित हैं ।

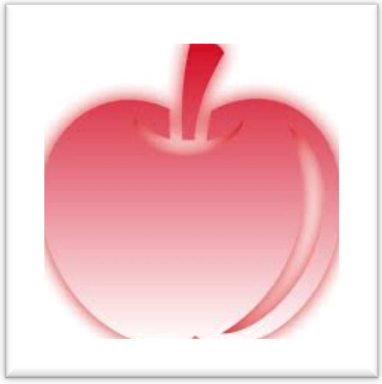

२. कश्मीरी सेब ।

प्र–1. एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

Nabi Singh Gamdhal

1. **लेखक चीजें खरीदने कहाँ गये थे?**

उ. **लेखक चीजें खरीदने** चौक में **गये थे** ।

२. लेखक को क्या नजर आया?

उ. लेखक को एक दूकान पर बहुत अच्छे रंगदार, गुलाबी सेब सजे हुए नज़र आये ।

2. **लेखक का जी क्यों ललचा उठा?**

उ. एक दूकान पर बहुत अच्छे रंगदार, गुलाबी सेब सजे हुए नज़र आये । तो लेखक का जी ललचा उठा ।

3. **टोमाटो किसका आवश्यक अंग बन गया है?**

उ. टोमाटो भोजन का अवश्यक अंग बन गया है ।

4. **स्वाद में सेब किससे बढकर नहीं है?**

उ. सेब तो रस और स्वाद में अगर आम से बढकर नहीं है

5. **रोज एक सेब खाने से किसकी जरूरत नहीं होगी?**

उ. सेब रोज़ खाइए तो आपको डाक्टरों की ज़रूरत न रहेगी ।

प्र–2. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. **आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है?**

उ. आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन के सब्दों में विचार करने की प्रवृत्ति हो गई है ।

2. **दूकानदार ने लेखक से क्या कहा?**

उ. दूकानदार ने कहा बाबूजी, बडे मजेदार सेब आए हैं, खास कश्मीर के हैं, आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुष हो जायेगी ।

3. **दूकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा?**

उ. दूकानदार ने तराजू उठायी और अपने नौकर से बोला–सुनो, आध सेर कश्मीरी सेब निकाल ला । चुनकर लाना ।

4. **सेब की हालत के बारे में लिखिए ।**

उ. एक सेब निकाला, तो सडा हुआ था । एक रूपय के आकार का छिलका गल गया था ।
दूसरा निकाला । मगर यह आधा सडा हुआ था ।
तीसरा सेब निकाला । यह सडा तो नहीं था ; मगर एक तरफ दबकर बिलकुल पिचक गया था ।
चौथा देखा । वह यों तो बेदाग था ; मगर उसमें एक काला सुराख था जैसे अक्सर बेरों में होता है । काटा तो भीतर वैसे ही धब्बे, जैसे बेर में होते हैं ।

<u>अतीरिक्त प्रश्न ।</u>

१. काश्मीरी सेब पाठ कहानी है ।

२. काश्मीरी सेब पाठ के लेखक मुंशी प्रेमचंद हैं ।

३. प्रेमचंद जी का जन्म ३१ जुलाई १८८० को वाराणसी के पास लमही नामक गाँव में हुआ ।

Nahi Sir GHS Ganadhal

४. प्रेमचंद जी का वस्तवीक नाम धनपतराय था ।
५. प्रमुख रचनाएँ - गोदान, सेवासदन, गबन, निर्मला, कर्मभूमि आदि उपन्यास ।
६. बडे घर की बेटी, नमक का दरोगा, पंच परमेश्वर, पूस की रात आदि कहानियाँ ।
७. प्रेमचंद जी की कहानियों का संग्रह "मानसरोवर" नाम से संकलित है ।
८. लेखक चौक पर सामान खरिदने गये थे ।
९. कश्मीरी सेबों का रंग गुलाबी थे ।
१०. टोमाटो अब भोजन का अवश्यक अंग बन गया है ।
११. गाजर गरीबों के पेट भरने का अंग बन गया था ।
१२. लेखक जी ने रूमाल निकालकर दूकानवाले को दे दिया ।

3. गिल्लू

(I) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर

प्रत्येक एक-एक वाक्य में लिखिए:

(1) लेखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा है?

उ:- क्योंकि वे एक साथ समादरित,
अनादरित, अति सम्मानित और
अति अवमानित होते है।

(2) गिलहरी का बच्चा कहाँ पड़ा था?

उ:- गिलहारी का बच्चा गमले और दीवार की संधि में पड़ा था।

(3) लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया?

उ:- लेखिका ने गिल्लू के घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

Nabi Sir GHS Ganadhal

(4) लेखिका को किस कारण से अस्पताल में रहना पड़ा?

उ:- लेखिका को मोटर दुर्घटना के कारण से अस्पताल में रहना पड़ा।

(5) गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था?

उ:- गिलहारी का प्रिय खाद्य काजू था।

(6) वर्मा जी गिलहरी को किस नाम से बुलाती थीं?

उ:- वर्मा जी गिलहारी को 'गिल्लू' नाम से बुलाती थीं।

(7) गिलहरी का लघु गात किसके भीतर बंद रहता था?

उ:- गिलहरी का लघु गात लिफाफे के भीतर बंद रहता था।

(8) गिलहरी गर्मी के दिनों में कहाँ लेट जाता था?

उ:- गिलहरी गर्मी के दिनों में सुराही पर लेट जाता था।

(9) गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया कितनी होती है?

उ:- गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया दो वर्ष होती है।

(10) गिलहरी की समाधि कहाँ बनायी गयी है?

उ:- गिलहरी की समाधि सोनजुही की लता के नीचे बनायी गयी है।

(II) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक दो या तीन वाक्यों में लिखिए:

(11) लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?

उ:- लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू ने उनके पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता था।

(12) महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए वह कहाँ-कहाँ छिप जाता था?

उ:- महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए वह कभी फूलदान के फूलों में, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था।

(13) लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखायी पड़ी?

उ:- गिलहरी का बच्चा घोंसले से नीचे गिर पड़ा था और उसे कौए ने आहार बनाने के लिए अपनी चोंच से बहुत घाव कर दिया था। इस स्थिति में लेखिका को गिलहारी दिखायी पड़ी।

(14) लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये?

उ:- लेखिका ने गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लायी, फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया। कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया। इस तरह उसके प्राण बचाये।

Nabi Sir GHS Gandhal

(15) गिल्लू ने लेखिका की गैरहाजरी में दिन कैसे बिताये?

उ:- गिल्लू ने लेखिका की गैरहाजरी में उदास रहता था। अपना प्रिय खाद्य काजू कम खाता था। लेखिका घर आने तक गिल्लू अकेलापन का अनुभव पा रहा था।

(III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक चार या पाँच वाक्यों में लिखिए

(16) लेखिका ने गिलहरी को क्या-क्या सिखाया?

उ:- लेखिका ने गिलहरी को बहुत अच्छे-अच्छे बातों को सिखाया। जिनमें-

(i) स्वतंत्रता से जीने का,

(ii) खेलना-खूदना,

(iii) थाली के पास बैठना,

(iv) सबके साथ मिल-झुलकर रहना।

(17) गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए।

उ:- गिल्लू के अंतिम दिन जब आया, तब से दिन भर न कुछ खाया, न बाहर गया। पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। परंतु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही उसका अंत हो गया।

(18) गिल्लू के कार्य-कलाप के बारे में लिखिए।

उ:- गिल्लू के कार्य-कलाप जो इस प्रकार थे-

(i) लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू ने उनके पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता था।

(ii) भूख लगने पर चिक-चिक आवाज करता था।

(iii) खिड़की की खुली जाली की राह बाहर चला जाता और ठीक चार बजे वह खिड़की से भीतर आकर अपने झूले में झूलने लगता।

(19) गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए।

उ:- गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी ममतामयी थी। जब वह छोटा सा बच्चा काक के कित हुए धाव से तडप रहा था, तब उसे हौले से उठाकर अपने कमरे में लायी, फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया। कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया। फूल रखने की एक हल्की डलिया में रुई बिछाकर उसे तार से खिड़की पर लटका दिया। उसे हमेशा उसका प्रिय खाद्य काजू और

Nabi Sir GHS Ganadhal

बिस्कुट खिलाती। जब उसका अंतिम समय उसमें पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया।   इस तरह हम कह सकते है कि गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता अपार थी।

*** इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

1. महादेवी वर्मा किस स्तर की कवयित्री हैं?
   उत्तर – महादेवी वर्मा विश्व स्तर की कवयित्री हैं।
1. वर्मा का जन्म कब और कहाँ हुआ?
   उत्तर – वर्मा का जन्म 24 मार्च 1907 को फरूखाबाद में हुआ।
2. वर्मा जी की कृतियाँ कौन–सी है?
   उत्तर – वर्मा जी की कृतियाँ हैं–यामा, नीरजा, नीहार, दीपशिखा, संध्यागीत आदि।
3. वर्मा के माता–पिता कौन थे?
   उत्तर – वर्मा की माता हेमारानी देवी पिता गोविंद प्रसाद वर्मा थे।
4. महादेवी वर्मा की किस कृति के लिए और कब ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है?
   उत्तर – महादेवी वर्मा की यामा कृति के लिए 1982 में ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है।
5. वर्मा जी को कौन–से पुरस्कार मिले हैं?
   उत्तर – वर्मा जी को सक्सेरिया, मंगला प्रसाद, द्विवेदी पदक और ज्ञानपीठ पुरस्कार मिले हैं।
6. गिल्लू की आँखें कैसी थी?
   उत्तर – गिल्लू की आँखें काँच के मोतियों जैसी थी।
7. गिल्लू को किस की लता सबसे अधिक प्रिय थी?
   उत्तर – गिल्लू को सोनजुही की लता सबसे अधिक प्रिय थी।

4. अभिनव मनुष्य

कवि परिचय :

कवि का नाम :रामधारीसिंह 'दिनकर'

जन्म स्थान : 1904 में बिहार प्रांत के मुंगेर जिले में हुआ ।

रचनाएँ : हुँकार, रेणुका, रसवंती, कुरुक्षेत्र, बापू, आदि।

मृत्यु : 1974

पुरस्कार : साहित्य अकादमी पुरस्कार

ज्ञानपीठ पुरस्कार : **'उर्वशी'** के लिए 1972 में मिला ।

अभिनव मनुष्य पद्यभाग को "कुरूक्षेत्र" के षष्टे सर्ग से लिया गया है ।

(I) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक एक-एक वाक्य में लिखिए:

(1) आज की दुनिया कैसी है?

उ:- आज की दुनिया नवीन और विचित्र है।

(2) मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है?

उ:- मानव के हुक्म पर पवन और ताप चढ़ता और उतरता है।

(3) परमाणु किसे देखकर काँपते हैं?

उ:- परमाणु करों (गगन यान) को देखकर काँपते हैं।

(4) 'अभिनव मनुष्य' कविता के कवि का नाम लिखिए।

उ:- 'अभिनव मनुष्य' कविता के कवि का नाम रामधारीसिंह 'दिनकर' है।

(5) आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है?

उ:- आधुनिक पुरुष ने प्रकृति पर विजय पायी है।

(6) नर किन-किनको एक समान लाँघ सकता है?

उ:- नर नदियाँ, सागर और गिरि को एक समान लाँघ सकता है।

(7) आज मनुज का यान कहाँ जा रहा है?

उ:- आज मनुज का यान गगन में जा रहा है।

(II) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक दो या तीन वाक्यों में लिखिए:

(8) 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' - इस पंक्ति का आशय समझाए।

उ:- आज मनुष्य ने प्रकृति को विकृति कर दिया है। प्रकृति के सहज स्वरूप को असहज स्वरूप बना दिया है।

(9) दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है?

उ:- दिनकर जी के अनुसार आज मनुष्य ने प्रकृति पर विजय प्राप्त कर ली है। यह उसकी साधना है, पर मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की

Nabi Singh Gadhal

सिद्धि है। जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए, वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा।

(10) 'अभिनव मनुष्य' इस कविता का दूसरा कौन-सा शीर्षक हो सकता है? क्यों?

उ:- 'अभिनव मनुष्य' इस कविता का दूसरा "आधुनिक मानव" शीर्षक हो सकता है। क्योंकि मनुष्य ने प्रकृति के सभी क्षेत्र में अपना हक जमाया है |

- **एक वाक्य में उत्तर लिखिए :**

1) मानव के करों में क्या बँधे हैं?
   उत्तर – मानव के करों में वारि, विद्युत और भाप बँधे हुए हैं।
2) मानव किसका आगार है?
   उत्तर – मानव ज्ञान, विज्ञान और आलोक का आगार है।
3) मानव में किसकी जानकारी है?
   उत्तर – मानव में व्योम से लेकर पाताल तक की सब कुछ जानकारी है।
4) मानव की जीत किस पर होनी चाहिए?
   उत्तर – मानव की बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत होनी चाहिए।
5) मानव की सिद्धि किसमें है?
   उत्तर – मानव–मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधने में मानव की सिद्धि है।

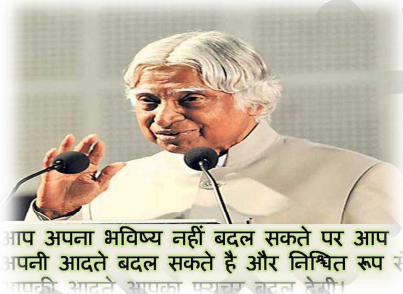

५. मेरा बचपन ।

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

१. अब्दुल कलाम जी का जन्म कहाँ हुआ?

अब्दुल कलाम जन्म मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) के रामेश्वरम कस्बे में एक मध्यवर्गीय परिवार में हुआ था ।

२. अब्दुल कलाम जी बचपन में किस घर में रहते थे?

अब्दुल कलाम जी बचपन में पुश्तैनी घर में रहते थे ।

३. अब्दुल कलाम जी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी?

अब्दुल कलाम जी के बाल्यकाल में पुस्तकें एक दुर्लभ वस्तु की तरह हुआ करती थीं ।

४. जैनुलाबदीन ने कौन-सा काम शुरू किया?

जैनुलाबदीन ने लकडी की नौकाएँ बनाने का काम शुरू किया ।

५. अब्दुल कलाम जी के चचेरे भाई कौन थे?

अब्दुल कलाम जी के मेरे चचेरे भाई शम्सुद्दीन थे ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

१. अब्दुल कलाम जी का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बिताने के कारण लिखिए ।

मेरे पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी अनावश्यक एवं ऐशों–आरामवाली चीजों से दूर रहते थे । पर घर में सभी अवश्यक चीजें समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं । वास्तव में, मैं कहूँगा कि मेरा बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता–भौतिक एवं भावात्मक दोनों ही दृष्टियों से ।

२. आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को खाने में क्या-क्या देती थीं?

आशियम्मा जी मेरे सामने केले का पत्ता बिछांतीं और फिर उस पर चावल एवं सुगंधित, स्वादिष्ट सांबार डालती; साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताजी चटनी भी होती ।

३. जैनुलाबदीन नमाज के बारे में क्या कहते हैं?

जैनुलाबदीन नमाज के बारे में कहते – 'जब तुम नमाज पढ़ते हो तो अपने शरिर से इतर ब्रह्मंड का एक हिस्सा ब्न जाते हो ; जिससे दौलत, आयु, जाति या धर्म–पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता ।'

४. जैनुलाबदीन ने कौन-सा काम शुरू किया?

जैनुलाबदीन ने लकडी की नौकाएँ बनाने का काम शुरू किया । नौकाएँ तीर्थयात्रियों को रामेश्वरम से धनुषकोडि (सेतुकराई भी जाता है) तक लाने–ले जाने के काम आती थीं । एक स्थानीय ठेकेदार अहमद जलालुद्दीन के साथ पिताजी समुद्र तट के पास नौकाएँ बनाने लगे ।

III. चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

१. शम्सुद्दीन अखबारों के वितरण कार्य कैसे करते थे?

शम्सुद्दीन अखबारों के वितरण कार्य रामेश्वरम में अखबारों के एकमात्र वितरक थे । अखबार रामेश्वरम स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुँचते थे, जो पामबन से आती थी । इस अखबार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे । रामेश्वरम में अखबारों की जुमला एक हजार प्रतियाँ बिकती थीं ।

अतीरिक्त प्रश्न ।

१. अब्दुल कलाम जी का पूरा नाम - अउल फकीर जैनुलाबद्दीन अब्दुल कलाम था ।
२. अब्दुल कलाम जी भारत देश के रष्ट्रपति के तौर पर - दिनांक-२५/०७/२००२ से २४/०७/२००७ तक रहे ।
३. अब्दुल कलाम जी बडे वैज्ञानिक थे ।
४. अब्दुल कलाम जी के पिता जैनुलाबदीन माता आशियम्मा थे ।
५. पुश्तैनी घर में रहते थे । रामेश्वरम की मसजिदवाली गली में बना यह घर चूने–पत्थर व ईंट से बना पका और बडा था ।
६. प्रतिष्ठित शिव मंदिर, जिसके कारण रामेश्वरम प्रसिध्द तीर्थस्थल है ।
७. हमारे इलाके में एक बहुत ही पुरानी मसजिद थी, जहाँ शाम को नमाज के लिए मेरे पिताजी मुझे अपने साथ ले जाते थे ।
८. रामेश्वरम मंदिर के सबसे बडे पुजारी लक्ष्मण शास्त्री मेरे पिताजी के अभिन्न मित्र थे ।
९. बाग घर से चार मील दूर था ।
१०. जब पिताजी ने लकडी की नौकाएँ बनाने का काम शुरू किया ।
११. एक स्थानीय ठेकेदार अहमद जलालुद्दीन के साथ पिताजी समुद्र तट के पास नौकाएँ बनाने लगे ।
१२. अहमद जलालुद्दीन की मेरी बडी बहन जोहरा के साथ शादी हो गई ।
१३. अहमद जलालुद्दीन मेरे अंतरंग मित्र बन गए ।
१४. अहमद जलालुद्दीन मुझे 'आजाद' कहकर पुकारा करते थे ।
१५. पूर्व क्रांतिकारी या कहिए, उग्र राष्ट्रवादी एस.टी.आर. मानिकम का निजी पुस्तकालय था ।
१६. बचपन में मेरे तीन पके दोस्त थे – रामानंद शास्त्री, अरविंद और शिवप्रकाश ।

NabiBirGHS Gandhal

6. बसंत की सच्चाई

(I) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक एक-एक वाक्य में लिखिए:

(1) बसंत क्या-क्या बेचता था?

उ:- बसंत ने छलनी, बटन और दियासलाई बेचता था।

(2) बसंत के भाई का नाम क्या था?

उ:- बसंत के भाई का नाम प्रताप था।

(3) पंडित राजकिशोर कौन थे?

उ:- पंडित राजकिशोर मज़दूरों के नेता थे।

(4) चलनी का दाम क्या था?

उ:- चलनी का दाम दो आना था।

(5) बसंत और प्रताप कहाँ रहते थे?

उ:- बसंत और प्रताप भीखू अहीर के घर में रहते थे।

(6) बसंत की सच्चाई एकांकी में कितने दृश्य हैं?

उ:- बसंत की सच्चाई एकांकी में तीन दृश्य हैं।

(7) एकांकी का प्रथम दृश्य कहाँ घटता है?

उ:- एकांकी का प्रथम दृश्य बाज़ार में घटता है।

(8) बसंत के घर पर डॉक्टर को कौन ले आता है?

उ:- बसंत के घर पर डॉक्टर को पंडित राजकिशोर के आज्ञानुसार नौकर अमरसिंह ले आता है।

(9) पंडित राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण क्या है?

उ:- पंडित राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण 'ईमानदार' है।

Nabi Sir GHS Ganadh

(10) पंडित राजकिशोर कहाँ रहते थे?

उ:- पंडित राजकिशोर किशनगंज में रहते थे।

(II) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक दो या तीन वाक्यों में लिखिए:

(11) छलनी से क्या-क्या कर सकते हैं?

उ:- छलनी से दूध, चाय और शरबत छान सकते हैं।

12) बसंत राजकिशोर से क्या विनती करता है?

उ:- "साहब, सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका। आपसे आशा थी। एक तो ले लीजिए।" इस तरह बसंत राजकिशोर से विनती करता है।

(13) बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है?

उ:- क्योंकि बसंत ईमानदार लड़का था। वह दया की भीख नहीं लेना चाहता था। वह परिश्रम करके जीना चाहता था।

(14) बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा?

उ:- क्योंकि बसंत नोट भुनाने गया तब लौटते समय मोटर के नीचे आ गया।

(15) प्रताप पंडित राजकिशोर के घर क्यों आया?

उ:- प्रताप ने पंडित राजकिशोर जी के साढ़े चौदाह आने लौटाने के लिए उनके घर आया था।

(16) बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए किस तरह प्रेरित किया?

उ:- "साहब छलनी लीजिए। छलनी से दूध, चाय और शरबत छान सकते हैं। सिर्फ दो आना कीमत कृपया करके एक छलनी ले साहब, सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका। आपसे आशा थी। एक तो ले लीजिए।" इस तरह बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए प्रेरित किया।

(17) बसंत के पैर देखकर डाक्टर ने क्या कहा?

उ:- "ऐसा लगता है कि पैर की हड्डी टूट गई है। स्क्रीन करके देखना होगा। दूसरा पैर ठीक है, पर इसे अभी अस्पताल ले जाना चाहिए।" बसंत के पैर देखकर डाॅक्टर ने इस प्रकार कहा।

(III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक चार या पाँच वाक्यों में लिखिए:

(18) बसंत ईमानदार लड़का है। कैसे?

उ:- बसंत ईमानदार लड़का है। वह मेहनत से पैसा कमाना चाहता था। वह मेहनती था। इसलिए उसने पंडित राजकिशोर से दया की भीख लेने से इनकार

Nabin GHS Gandhal

किया। जब वह नोट भुनाने गया तब लौटते समय मोटर के नीचे आ गया और बुरी तरह से घायल होने पर भी वह अपने भाई प्रताप को पैसे लौटाने पंडित राजकिशोर के यहाँ भेजता है। इससे बसंत को ईमानदारी साबित होती हैं।

(19) बसंत और प्रताप अहीर के घर में क्यों रहते थे?

उ:- क्योंकि बसंत और प्रताप के माता-पिता को दंगों के दिनों में उन्हें किसी ने मार डाला था। वे अनाथ थे। उनके घर में और कोई नहीं था।

(20) पंडित राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए।

उ:- पंडित राजकिशोर में मानवीय व्यवहार को देख पाते हैं। वे मज़दूर नेता थे। उन्होंने गरीबों को सहायता करते थे। मानवीय दृष्टि से उन्होंने गरीब बसंत से उसका सामान खरीद। बसंत को दुर्घटना होने पर डॉक्टर को बुलाकर उसका उपचार किया और उन दोनों भाईयों के साथ रहकर सांत्वना देते थे।

*** इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

1. भीखू अहीर का घर कहाँ था?

   उत्तर– भीखू अहीर का घर अहीर टीले में था ।

2. बसंत ने पं. राजकिशोर को क्या बेचा था?

   उत्तर – बसंत ने पं. राजकिशोर को छलनी बेचा था ।

3. बसंत की टाँगें किसके नीचे कुचली गई?

   उत्तर – बसंत की टाँगें मोटर के नीचे कुचली गई ।

4. डॉक्टर का नाम क्या था?

   उत्तर – डॉक्टर का नाम वर्मा था ।

7. तुलसी के दोहे ।

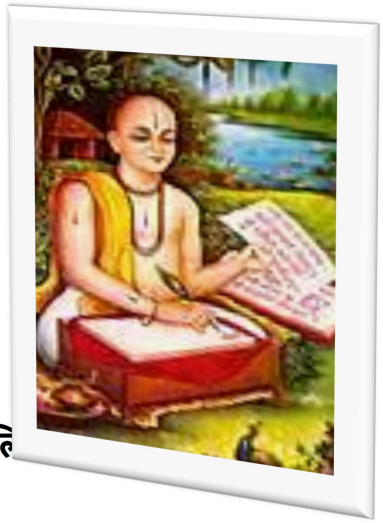

कवि परिचय :

कवि का नाम : गोस्वामी तुलसीदास

जन्म : 1532 में उत्तर प्रदेश के राजापुर

रचनाएँ : रामचरित मानस, कवितावली, दोहावली, गीतावली

मृत्यु : 1623

(I) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक एक-एक वाक्य में लि

NabiSir GHS Gandhal

(1) तुलसीदास मुख को क्या मानते हैं?

उ:- तुलसीदास मुख को प्राणों की रक्षा करनेवाला प्रमुख अंग मानते हैं।

(2) मुखिया को किसके समान रहना चाहिए?

उ:- मुखिया को मुँह के समान रहना चाहिए।

(3) हंस का गुण कैसा होता है?

उ:- हंस का गुण अच्छाई रूपी दूध को ग्रहण करने जैसा होता है।

(4) मुख किसका पालन-पोषण करता है?

उ:- मुख सारा शरीर का पालन-पोषण करता है।

(5) दया किसका मूल है?

उ:- दया धर्म का मूल है।

(6) तुलसीदास किस शाखा के कवि हैं?

उ:- तुलसीदास रामभक्ति शाखा के कवि हैं।

(7) तुलसीदास के माता-पिता का नाम क्या था?

उ:- तुलसीदास के माता का नाम हुलसी तथा पिता का नाम आत्माराम था।

(8) तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था?

उ:- तुलसीदास के बचपन का नाम रामबोला था।

(9) पाप का मूल क्या है?

उ:- पाप का मूल अभिमान है।

(10) तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी कौन हैं?

उ:- तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी विद्या, विनय तथा विवेक हैं।

(II) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक दो या तीन वाक्यों में लिखिए:

(11) मुखिया को मुख के समान होना चाहिए। कैसे?

उ:- मानव के शरीर में विभिन्न अंग हैं। शरीर के सब अंगों का पालन मुँह अपने द्वारा खाना-पानी लेने से करता है। इसी प्रकार मुखिया भी समाज के सभी लोगों को समान दृष्टि से देखना चाहिए।

(12) मनुष्य को हंस की तरह क्या करना चाहिए?

उ:- हंस का गुण अच्छाई रूपी दूध को ग्रहण करने जैसा होता है। इसी प्रकार मनुष्य अपना जीवन निर्वाह करना चाहिए। मानव जीवन गुण-दोष से युक्त है।

Nabi Sir GHS Ganadhal

इनमें दोषों को छोड़कर गुणों को मात्र अपनाकर मनुष्य अपना जीवन निभाना चाहिए।

(13) मनुष्य के जीवन में प्रकाश कब फैलता है?

उ:- राम नाम का जप करते रहने से मनुष्य के जीवन में प्रकाश फैलता है।

- **एक वाक्य में उत्तर लिखिए :**

1) सृष्टिकर्ता ने इस संसार को किससे बनाया है?

उत्तर– सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड़–चेतन, गुण–दोषों से बनाया है।

2) तुलसीदास के अनुसार मानव कब तक दयालु बनकर रहना चाहिए?

उत्तर– तुलसीदास के अनुसार जब तक मानव के शरीर में प्राण रहता है तब तक दयालु बनकर रहना चाहिए।

3) राम पर भरोसा करनेवाला मानव क्या बनता है?

उत्तर– राम पर भरोसा करनेवाला मानव साहसी, सत्यव्रती और सुकृतवान बनता है।

4) राम नाम जपने से क्या होता है?

उत्तर– राम नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है।

8. इंटरनेट-क्रांति

(I) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक एक-एक वाक्य में लिखिए:

(1) इंटरनेट का अर्थ क्या है? इंटरनेट का मतलब क्या है?

उ:- इंटरनेट एक जाल है। यह अनगिनत कंप्यूटरों के साथ कई अंतर्जालों के द्वारा एक दूसरे के साथ संबंध स्थापित करता है।

(2) इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकता है?

उ:- इंटरनेट बैंकिंग द्वारा रकम भेजा जा सकता है।

(3) प्रगतिशील राष्ट्र किसके द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं?

उ:- प्रगतिशील राष्ट्र इंटरनेट के द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं।

(4) समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है?

उ:- समाज के चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष, ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है।

(5) इंटरनेट-क्रांति का असर किस पर पड़ा है?

उ:- इंटरनेट-क्रांति का असर बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों तक पड़ा है।

(6) रोहन के पिताजी ने उसको क्या सुझाव दिया?

Nabi Sir GHS Gandhal

उ:- रोहन के पिताजी ने उसको अपने कंप्यूटर शिक्षक से पूछताछ करने का सुझाव दिया।

(7) आई. टी. ई. एस. का विस्तृत रूप क्या है?

उ:- इन्फार्मेशन टैक्नोलजी एनेबल्ड सर्विसेस |

(II) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक दो या तीन वाक्यों में लिखिए:

(8) व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है?

उ:- घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं और दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

(9) ई-गवर्नेंस क्या है?

उ:- ई-गवर्नेंस द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत् लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

(III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक तीन या चार वाक्यों में लिखिए:

(10) संचार और सूचना क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है?

उ:- संचार और सूचना क्षेत्र में इंटरनेट का बहुत बड़ा महत्व है। लेकिन इंटरनेट द्वारा पल भर में, बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। एक पुस्तकालय की किताबें के विषय को कम समय में कहीं भी भेज सकते हो।

(11) 'वर्चअल मीटिंग रूम' के बारे में लिखिए।

उ:- 'वर्चअल मीटिंग रूम' (काल्पनिक सभागार) में एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं। एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार-विनिमय कर सकते हैं।

(12) 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है। कैसे?

उ:- 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं जैसे- फेसबुक,

आरकुट, ट्विटर, लिंकडइन आदि। इन साइटों के कारण देश-विदेश के लोगों की रहन-सहन, वेश-भूषा, खान-पान के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।

Nabi Sir GHS Ganadhal

(13) इंटरनेट से कौन सी हानियाँ हो सकती हैं?

उ:- इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्रॉडा, हैकिंग (सूचना/खबरों की चोरी) आदि बढ़ रही हैं। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं। इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं।

- **इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

1. **आज का युग कौन–सा युग कहा जाता है? उत्तर –** आज का युग इंटरनेट युग है।
2. **इंटरनेट के उपयोग से क्या बढ़ गया है?**
   उत्तर –इंटरनेट के उपयोग से इनसानी सोच का दायरा बढ़ गया है।
3. **इंटरनेट कितना आवश्यक हो गया है?**
   उत्तर –इनसान के लिए खान–पान जितना जरूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक हो गया है।
4. **सोशल नेटवर्किंग के साइट्स कौन–से हैं?**
   उत्तर – सोशल नेटवर्किंग साइट्स हैं– वाट्सप्प, फेसबुक, आरकुट, ट्विटर, लिंकडइन आदि।
5. **किसके बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं?**
   उत्तर – इंटरनेट के बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं।
6. **किसने मानव–जीवन को सुविधाजनक बनाया है?**
   उत्तर – वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव–जीवन को सुविधाजनक बनाया है।

9. ईमानदारों के सम्मेलन में

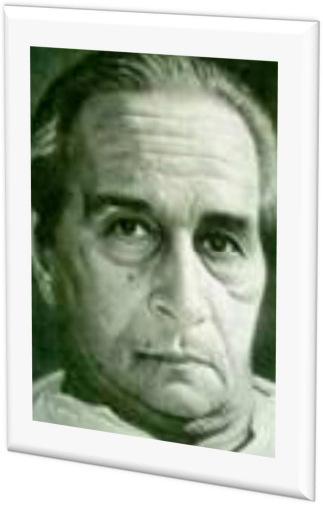

(I) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक एक-एक वाक्य में लिखिए:

(1) 'ईमानदारों के सम्मेलन में' इस कहानी के लेखक कौन हैं?

उ:- 'ईमानदारों के सम्मेलन में' इस कहानी के लेखक हरिशंकर परसाई हैं।

(2) लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे?

उ:- क्योंकि वे 150 रूपये की बचत कर सके।

(3) लेखक की चप्पलें किसने पहनी थीं?

उ:- लेखक की चप्पलें डेलिगेट ने पहनी थीं।

(4) स्वागत समिति के मंत्री किसको डाँटने लगे?

Nabi Singh Gahlot

उ:- स्वागत समिति के मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे।

(5) लेखक पहनने के कपड़े कहाँ दबाकर सोये?

उ:- लेखक पहनने के कपड़े सिरहाने पर दबाकर सोये।

(6) सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन-किन को प्रेरणा मिल सकती थी?

उ:- सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से ईमानदारों और उदीयमान ईमानदारों को प्रेरणा मिल सकती थी।

(7) लेखक को कहाँ ठहराया गया?

उ:- लेखक को शानदार होटल के एक बड़े कमरे में ठहराया गया।

(8) सम्मेलन का उद्घाटन कैसे हुआ?

उ:- सम्मेलन का उद्घाटन शानदार तरीके से हुआ।

(9) ब्रीफकेस में क्या था?

उ:- ब्रीफकेस में कुछ कागजात थे।

(10) लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था?

उ:- लेखक ने धूप का चश्मा कमरे की एक टेबल पर रखा था।

(11) तीसरे दिन लेखक के कमरे से क्या गायब हो गया था?

उ:- तीसरे दिन लेखक के कमरे से कंबल गायब हो गया था।

(II) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक दो या तीन वाक्यों में लिखिए:

(12) लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था?

उ:- "हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं। आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें। हम आपको आने-जाने के पहले दर्जे का किराया देंगे आवास, भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।" इस तरह लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में लिखा गया था।

(13) फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे?

उ:- "आस-पास कोई माली होता तो फूल-मालाएँ बेच लेता।" इस तरह फूल मालाएँ मिलने पर लेखक सोचने लगे।

(14) लेखक ने मंत्री को क्या समझाया?

उ:- "ऐसा हरगिज मत करिये। ईमानदारों के सम्मेलन में पुलिस ईमानदारों की तलाशी ले, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी। फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी

होगी ही।" इस तरह लेखक ने मंत्री को समझाया।

(15) चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने क्या सुझाव दिया?

उ:- "देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारना चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर। तब चप्पलें चोरी नहीं होती। एक ही जगह जोड़ी होगी, तो कोई भी पहन लेगा। मैंने ऐसा ही किया था।" इस तरह चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने क्या सुझाव दिया।

(16) लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया?

उ:- लेखक के चप्पल, चश्मा, चादर, कंबल और ताला चोरी हो गई थी। अगर कुछ देर तक रुके तो अपने को भी कोई चोरी न कर ले। इसलिए लेख्क ने कमर छोडकर जाने का निर्णय किया ।

(17) मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है?

उ:- मुख्य अतिथि दूसरे दर्जे में जाकर पहले दर्जे का किराया लेने में तथा दस बड़ी फूल-मालाएँ मिले तो उसे किसी माली को बेचकर फैसे लेने की सोच में बेईमानी दिखाई देती हैं।

(III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक चार या पाँच वाक्यों में लिखिए:

(18) लेखक के धूप का चश्मा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए।

उ:- एक दिन लेखक ईमानदारों के सम्मेलन का उद्घाटन करने गए थे। वे होटल के कमरे में ठहरे थे। दूसरे दिन बैठक में जाने के पहले वे अपना चश्मा पहनना चाहते थे। लेकिन उन्हें नहीं मिला। बैठक में एक सज्जन आकर लेखक चश्मे के बारे में पूछते हैं, लेखक ने देखा कि उस सज्जन ने उनका चश्मा पहन रखा था। लेखक को याद था कि एक दिन पहले वह धूप का चश्मा नहीं लगाये थे।

(19) मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में क्या वार्तालाप हुआ?

उ:- मंत्री: "तुम लोग क्या करते हो? तुम्हारी ड्यूटी यहाँ है। तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही हैं। यह ईमानदार सम्मेलन है। बाहर यह चोरी की बात फैली, तो कितनी बदनामी होगी?"

कार्यकर्ताओं: "हम क्या करें? अगर सम्माननीय डेलीगेट यहाँ-वहाँ जायें, तो क्या हम उन्हें रोक सकते हैं।"

मंत्री (गुस्से से) : मैं पुलिस को बुलाकर यहाँ सबकी तलाशी करवाता हूँ।"

(20) सम्मेलन में लेखक के क्या-क्या अनुभव रहे? संक्षेप में लिखिए।

उ:-   सम्मेलन में लेखक को जो भी अनुभव हुआ वह अविस्मरणीय हैं। लेखक को ईमानदारों के सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए मुख्य अतिथि बनाया गया था। सम्मेलन में भाषण देने के बाद वे जब अपना चप्पल पहनने गए तो वहाँ नहीं था। उसकी जगह पुरानी चप्पल वहाँ था। वहाँ आए एक सज्जन उनकी चप्पलें पहन रखे थे। दूसरे दिन अपना धूप का चश्मा ढूँढते वह भी गायब। चश्मा दूसरे सज्जन के पास था। कंबल भी गायब और ताला भी गायब हो गया था। इस तरह लेखक को सम्मेलन में कडवा अनुभव हुआ।

10. दुनिया में पहला मकान ।

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

१. सिंगफो आदिवासी कहाँ रहते थे?
   सिंगफो आदिवासी पूर्वोत्तर भारत में रहते थे ।

२. सबसे पहले आदमी को मकान बनाना किसने सिखाया?
   सबसे पहले आदमी को मकान बनाना बहुत से पशुओं ने सिखाया ।

३. मकान के बारे में पूछ-ताछ करने दोनों दोस्त कहाँ चल पडे?
   दोनों दोस्त मकान के बारे में पूछ-ताछ करने जंगल की ओर चल पडे ।

४. दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले किससे हुई?
   दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले हाथी से हुई ।

५. दोस्तों ने क्या-क्या तय किया?
   दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएँगे ।

६. हाथी से उत्तर पाकर दोस्त किससे मिले?
   हाथी से उत्तर पाकर दोस्त साँप से मिले ।

७. सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने क्या किया?
   सब दोस्तों की बातें सुनकर दोस्तों ने दूनिया का पहला मकान बनाया ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

१. लालिम और किंच लालीदास जंगल की ओर क्यों चल पडे?

लालिम और किंच लालीदास दो दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएँगे । लेकिन वे नहीं जानते थे कि मकान कैसे बनाना है, इसलिए वे पशुओं से पूछ-ताछ करने जंगल की ओर चल पडे ।

२. दोस्तों ने हाथी के साथ किसकी चर्चा की?

दोनों दोस्तों ने हाथी के साथ मकान बनाने से संबंधित चर्चा की । उससे पूछा कि “हाथी भाई, हम लोग मकान बनाना चाहते हैं । आप बता सकते हैं कि मकान कैसे बनाया जाता है ।“

३. हाथी ने दोस्तों को क्या उत्तर दिया?

हाथी ने दोस्तों से “इसमें कठिनाई है? पेडों से लकडी के इतने मोते और मजबूत गोले काट लो, जितने मेरे पैर हैं ।“

४. दोस्तों ने किन-किन जानवरों से मुलाकात की?

दोस्तों ने हाथी, साँप, भैंस और मछली से मुलाकात की ।

III. तीन-चार वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

१. साँप ने दोस्तों को क्या सुझाव दिया?

दोनो दोस्त हाथी से मिलने के बाद जब साँप से मिले तो साँप ने उनके प्रश्न पूछने पर यह सुझाव दिया कि - “ऐसा करो कि लकडी ऐसी पतली और लंबी काटो, जैसा मैं हूँ ।

२. भैंस के पंजर से दोस्तों को क्या जानकारी मिली?

जब दो दोस्त भैंस के पास पहुँचे तो भैंस ने उन्हें यह जानकारी मिली कि जिस प्रकार भैंस के चार पैरों पर पंजर है उसी प्रकार चार मोटे गोले जमीन में गाडकर उन पर पतली और लंबी लकडियों से छप्पर बनाना ।

३. मछली ने दोस्तों के प्रश्न का जवाब दिया?

अंत में जब दोस्तों ने मछली से मुलाकात की और उस से सुझाव पूछा तो मछली ने कहा आप मेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो, फिर पेडों से बहुत-सी पत्तियाँ तोड लो । इन पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो, जैसी मेरी पीठ पर पट्टियाँ हैं ।

अतिरिक्त प्रश्न ।

१. दुनिया का पहला मकान पठ के लेखिका हैं - डा॥ विजया गुप्ता ।

२. डॉ॥ विजया गुप्ता जी का जन्म 21 दिसंबर सन् 1946 में हुआ ।

Nabi sir GHS Gandhal

३. डॉ॥ विजया गुप्ता जी के रचनाएँ : हमारे बहादुर बच्चे (सूचना और प्रसारन मंत्रालय), दोस्ती किताबों से, बाल कहानी संग्रह, दुनिया में पहला मकान, तेलीफोन की मरम्मत, फीस की जिम्मेदारी, बुद्धिमान न्यायाधीश आदि ।

४. मकान बनाने से पहले आदमी गुफाओं में तथा पेडों के निचे रहता था ।

५. आदिवासी दोस्तों के नाम थे - किंद्रू ललीम और किंचा लालीदास ।

६. हाथी के बाद दोनों दोस्तों की मुलाकात साँप से हुई ।

11. समय की पहचान ।

कवि का नाम - सियारामशरण गुप्त

जन्म :- 4 सितंबर 1895 को मध्यप्रदेश के झाँसी के चिरगाँव में ।

माता-पिता : कौशल्या बाई और सेठ रामचरण कनकने ।

भाई : हिन्दी के राष्ट्रकवि मैथिलीशरणगुप्त के अनुज थे ।

शिक्षा : प्रारंभिक शिक्षा के बाद घर पर ही गुजराती, अंग्रेज़ी तथा उर्दू भाषा सीखी । 1929 में महात्मा गांधीजी के संपर्क में आकर वर्धा में रहे ।

रचनाएँ : मौर्यविजय, अनाथ, विषाद, आर्द्रा, आत्मोत्सर्ग, मृण्मयी, बापू, नकुल आदि ।

पुरस्कार : नागरी प्रचारिणी सभा, वारणासी द्वारा "सुधारक पदक"

निधन : 29 मार्च 1963 में

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

१. कवि के अनुसार मनुष्य को सुख कब नहीं मिलता?

कवि के अनुसार समय नष्ट करने से मनुष्य को सुख नहीं मिलता ।

२. बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है?

बहाने बनाने का प्रमुख कारण आलस है ।

३. समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है?

समय ईश्वर का दिया हुआ अनुपम धन है ।

४. कवि किस पर विश्वास करने को कहते हैं?

कवि अपनी आत्मा पर विश्वास करने को कहतें हैं ।

५. समय के खोने से क्या होता है?

समय के खोने से पछतावा होता है ।

II. **दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।**

१. मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है?

कवि सियारामशरण गुप्त जी समय के महत्व को बताते हुए कह रहे हैं कि, यदि सुख पाना चाहते हो तो उसे सर्वप्रथम समय को नष्ट नहीं करना चाहिए । तथा आकस्य छोडकर समय पर काम करना चाहिए ।

२. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए?

कवि का कहना है कि, हमें आलस छोडना है और आज का काम आज ही करना है, उसको कल पर नहीं छोडना चाहिए । क्योंकि एक बार जो समय को खो देता है वह उसे चक्रवर्ती होकर भी दूबारा नहीं पा सकता है ।

३. कविता के अंतिम चार पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहते हैं?

कविता के अंतिम चार पंक्तियों में कवि सियारामशरण गुप्त जी कह रहे हैं कि, यदि जीवन में सफल होना चाहते हो तो जो काम कर रहे हो उसी में अपने मन को लगाओं और संदेह छोडकर अपनी आत्मा पर विश्वास रखो । क्योंकि जो अच्छे अवसर खो देता है वह हमेशा पछताता है ।

अतिरिक्त प्रश्न ।

१. कवि सियारामशरण गुप्ता जी का जन्म ४ सितंबर १८९५ में मध्यप्रदेश के झाँसी के चिरगांव में हुआ था ।

२. कवि सियारामशरण गुप्ता जी राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी के अनुज थे ।

३. चक्रवर्ती होकर भी हम खोए हुए समय को नहीं पा सकते हैं ।

४. हमें समय के एक-एक पल को भी तुच्छ नहीं समझना चाहिए ।

५. कवि हम जो काम करें उसी में अपने चित्र लगाने को कह रहे हैं ।

Nabi Sir GHS Gandhal

12. रोबोट

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

१. वर्षों से सक्सेना के परिवार में कौन काम कर रहा था?
वर्षों से सक्सेना के परिवार में साधोराम काम कर रहा था ।

२. धीरज सक्सेना किस कार्यालय में जा पहुँचे?
धीरज सक्सेना 'रोबोटोनिक्स कारपोरेशन' के कार्यालय में जा पहुँचे ।

३. एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से क्या साफ कर रहा था?
एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से दफ्तर के फर्श साफ कर रहा था ।

४. रोबोनिल की मुलाकात किससे हुई?
रोबोनिल की मुलाकात रोबोदीप से हुई ।

५. शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम लिखिए ।
शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम शेरू था ।

६. रोबोनिल और रोबोदीप किससे मिलने गए?
रोबोनिल और रोबोदीप कंपनी के मालिक रोबोजीत से मिलने गए ।

७. वैज्ञानिक लेखक का नाम लिखिए ।
वैज्ञानिक लेखक का नाम आइजाक आसिमोव था ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

१. साधो राम को क्या हुआ था?
साधो राम सक्सेना परिवार का नौकर था । अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई । उसे अस्पताल में भर्ती होना पडा ।

२. धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की जरूरत क्यों थी?
सक्सेना जी को बुद्धिमान रोबोट चाहिए था, क्योंकि वह घर के काम के साथ उनके नाती-पोतों का होमवर्क करा सके तथा वर्ड प्रोसेसर पर उनका काम भी संभाल सके ।

Nabi Sir GHS Ganadhal

३. रोबोदीप ने रोबोनिल से क्या कहा?

रोबोदीप ने रोबोनिल को बताया कि उनके मालिक सक्सेना साहब रोबोनिल के काम से खुश है इसी लिए वे पुराने नौकर साधी राम को कुछ मुआवजा देखकर उसकी छुट्टी करना चाहते हैं ।

४. रोबोनिल ने रोबोजीत को क्या समझाने की कोशिश की?

रोबोनिल ने रोबोजीत को यह समझाने की कोशीश की सक्सेना साहब साधाराम को नौकरी से छुट्टी देना चाहते हैं, जो रोबोटिक नियमों के खिलाफ है । आप उन्हे ऐसा करने से रोकिए ।

५. कहानी को टाइप करते समय रोबोनिल को क्या हुआ?

कहानी को टाइप करते समय रोबोनिल की धात्विक और तारों भरे परिपंथवाली खोपडी में यकायक मानो नीली रोशनी हो गई ।

III. पाँच-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए |

१. धीरज सक्सेना ने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय क्यों लिया?

धीरज सक्सेना का परिवार बडा था । बेटे बिटियाँ नाती-पोतों से भरा पूरा परिवार था । उनके घर में साधो राम नाम का नौकर काम करता था । अचानक एक दिन चलती बस से गिरने के कारण साधा राम को खतरनाक चोट आई और वह अस्पताल में भर्ती हुआ । इसी कारण घर का काम करने के लिए घर के मुखिया होने के कारण उन्होंने एक रोबोट रखने का फैसला लिया ।

२. रोबोनिल और रोबोदिप की मुलाकात का वर्णन कीजिए ।

रोबोलिन हर रोज शाम धीरज सक्सेना के कुत्ते शेरू को घुमाने के लिए जाता था । ऐसे में एक दिन उसकी मुलाकात रोबोदीप से हुई जो उसी मोहल्ले में रहनेवाला शर्मा परिवार में काम करता था । वह शर्मा जी का कुत्ता झबरू को घुमाने लाया था । जब दोनों की मुलाकात हुई तो दोनों में दोस्ती हो गई ।

३. विज्ञान कथा का सार लिखिए ।

विज्ञान कथा का सार यह था कि, एक घर में नौकर को निकालकर जो किसी जानलेवा बीमारी से पीडित था । उसकी जगह पर एक रोबोट को रख लिया जाता है । रोबोट के अच्छी तरह काम करने के कारण नौकर की हमेशा के लिए छुट्टी करना चाहते हैं । किसी तरह रोबोट को इस बात का पता चलता है तो वह रोबोटिक संघ को इस

बात से अवगत कराता है । संघ हडताल की घोषणा करता है । अंततः समझौता होकर नौकर को वापस काम पर रख लिया जाता है ।

४. रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल क्यों मच गई?

रोबोनिल ने जब विज्ञान कथा लिखि तो उसकी खोपडी में एक विचार आया और अगले दिन वह रोबोदीप के साथ संघ के कार्यालय जा पहुँचा । सारी बात सुनकर संघ के अध्यक्ष ने संघ की कार्यकारिणी की आपतकालिन बैठक बुलाई और रोबोटिक कंपनियों में काम करनेवाले रोबोटों की हडताल बुलाई । इस से रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हल-चल मच गई ।

<u>अतिरिक्त प्रश ।</u>

१. धीरज सक्सेना के घर में बेटे-बेटियाँ, नाता-नाती और पोता-पोती थें ।
२. साधो राम के अस्पताल पहुँचने से सक्सेना जी के घर में तकलीफें बढ गई ।
३. रोबोट कहानी २०३० वें वर्ष की कल्पनिक कथा है ।
४. धीरज सक्सेना जी को घरेलू कामकाज के लिए एक बुद्धिमान रोबोट चाहिए था ।
५. रोबोटिक कंपनी के मालिक का नाम रोबोजीत था ।
६. साधो राम को नौकरी से निकालने की खबर रोबोनिल को रोबोजीत ने बताया ।
७. रोबोजीत शर्मा जी के घर पर काम करनेवाला रोबोट था ।
८. शर्मा जी का कुत्ते का नाम झबरू था ।
९. रोबोटिक का नियम- कोई रोबोट किसी इंसान के नुकसान का कारण न बने ।

<u>13. महिला की साहस गाथा</u>

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

१. बिछेंद्री पाल को कौन-सा गौरव प्राप्त हुआ है?

बिछेंद्री पाल को एवरेस्ट पर चढनेवाली पहली भारतीय महिला का गौरव प्राप्त है ।

२. बिछेंद्री के माता पिता कौन थे?

Nagi Sir GHS Ganadhal

बिछेंद्री के पिता किशनपाल सिंह और माँ हंसादेई नेगी थे ।

३. बिछेंद्री ने क्या निश्चय किया?

बिछेंद्री ने पर्वतारोहण का निश्चय किया ।

४. बिछेंद्री ने किस ग्लेशियर पर चढाई की?

बिछेंद्री ने गंगोत्री ग्लेशियर पर चढाई की ।

५. सन १९८३ में दिल्ली में कौन-सा सम्मेलन हुआ था?

सन १९८३ में दिल्ली में हिमालय पर्वतारोहियों का सम्मेलन हुआ था ।

६. एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ कौन थे?

एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ "अंग दोरजी" थे ।

७. कर्नल का नाम क्या था?

कर्नल का नाम खुल्लर था ।

८. ल्हाटू कौन-सी रस्सी लाया था?

ल्हाटू लायलान की रस्सी लाया था ।

९. बिछेंद्री ने थैले से कौन-सा चित्र निकाला?

बिछेंद्री ने थैले से दुर्गा माँ का चित्र निकाला ।

१०. कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से क्या कहा?

कर्नल ने बधाई देते हुए कहा " देश को तुम पर गर्व है ।"

११. मेजर का नाम क्या था?

मेजर का नाम कुमार था ।

१२. बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन-सा पदक देकर सम्मान किया?

बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने अपना प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक दिया ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

१. बिछेंद्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए ।

बिछेंद्री पाल का जन्म एक सधारण भारतीय परिवार में हुआ था । उनके पिता का नाम किशनपाल सिंह और माता का नाम हंसदेई नेगी था । वे उनके माता पिता की पाँच संतानों में तीसरे थीं ।

२. बिछेंद्री का बचपन कैसे बिता?

Nabi Sir GHS Ganadhal

बिछेंद्री को स्कूल जाने के लिए रोज पाँच किलोमीटर पैदल चलकर जाना था । उन्होंने सिलाई काम सीख लिया था । सिलाई से आनेवाले पैसों से उन्होंने पढाई का खर्च भरा ।

३. बिछेंद्री ने पर्वतारोहण के लिए किन-किन चीजों का उपयोग किया?

बिछेंद्री ने पर्वतरोहण में फावडा, नायलान की रस्सी और ऑक्सीजन का उपयोग किया ।

४. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने क्या किया?

एवरेस्ट पर चढकर बिछेंद्री ने सबसे पहले फावडे से बर्फ खोदकर दो लोगों के खडे होने की जगह बनाई । फिर माथे पर बर्फ को लगा कर सागरमाथे के ताज का चुंबन किया । फिर अंग दोरजी को झुकाकर प्रणाम किया । अंत में एक लाल कपडे में हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र लपेटकर बर्फ में दबा दिया ।

III. पाँच-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

१. बिछेंद्री ने पहाड पर चढने की तैयारी किस प्रकार की?

जब कर्नल खुल्लर साउथ काल की चढाई के लिए दो समूह बनाए तो बिछेंद्री सुबह चार बजे उठ गई, बर्फ पिघलाई और चाय बनाई । कुछ बिस्कुट और चाकलेट का हल्का नाश्ता करने के पश्चात लगभग साढे पाँच बजे अपने तंबू से निकल पडी । आगे दोरजी ने जब साथ आने के लिए पूंछा तो उनके साथ वह पर्वतारोहण के लिए निकल पडी ।

२. दक्षिणी शिखर पर चढते समय बिछेंद्री के अनुभव के बारे में लिखिए ।

दक्षिणी शिखर पर चढते समय बिछेंद्री के अनुभव बडा रोचक था । दक्षिणी शिखर पर हवा की गती बढ गई थी । उस ऊँचाई पर तेज हवा के झोंके भुरभुरे बर्फ के कणों को चारों तरफ उडा रहे थे । कुछ दिखाई नहीं दे रहा था । बिछेंद्री ने देखा थोडी दूर तक कोई ऊँची चढाई नहीं है । उन्हें लगा सफलता बहुत नजदीक है । यह सोचकर उनकी साँस जैसे रूक गई । २३ मई, १९८४ के दिन दोपहर के १ बजकर ७ मिनट पर बिछेंद्री एवरेस्ट की चोटी पर खडी थीं ।

३. प्रस्तुत पाठ से क्या संदेश मिलता है?

प्रस्तुत पाठ एक महिला कि साहस गाथा है । इस पाठ से उन सारे लडकियों तथा स्त्रियों को धैर्य मिलता है जो अपने आप को कमजोर समझते हैं । साथ ही प्रयत्न करने से कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है । पुरूष प्रधान समाज में

Nabi Sir GHS Ganabhal

यह साहस गाथा स्त्रियों का मान सम्मान को बढाती है, बच्चों में सपने देखने तथा उन्हें पूरा करने का साहस बढाती है । साथ ही बच्चों में देश प्रेम भी उजागर करती है ।

अतिरिक्त प्रश्न ।

१०. बिछेंद्री के माता-पिता के कुल पाँच संतान थे ।

११. बिछेंद्री ने संस्कृत में एम.ए. तथा बी.एड तक की शिक्षा प्राप्त कर ली ।

१२. बिछेंद्री ने १९८२ में 'गंगोत्रि ग्लेशियर' तथा 'रूड गेरो' की चढाई की ।

१३. बिछेंद्री ने एवरेस्ट पर २३ मई, १९८४ को झंडा फहराया ।

१४. बिछेंद्री पाल को आक्सीजन की पूर्ति ल्हाटू ने की ।

१५. बिछेंद्री ने एवरेस्ट पर सागर माथे के ताज का चुंबन किया ।

१६. बिछेंद्री ने शिखर तक चढने चोटी पर रुकने तथा साउथ कोल तक पहुँचने की यात्रा घंटे ४० मिनट में पूरी की ।

१७. बिछेंद्री को पर्वतारोहण में श्रेष्ठता के लिए पर्वतारोहण संघ का प्रतिष्ठित स्वर्ण-पदक, पद्मश्री तथा प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार आदि सनमानों से सम्मानित किया गया है ।

14. सूर-श्याम

कवि परिचय :

कवि का नाम : सूरदास

जन्म : 1540 उत्तर प्रदेश के रुनकता में हुआ ।

रचनाएँ : सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी

मृत्यु : 1642

(I) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक एक-एक वाक्य में लिखिए:

(1) बालकृष्ण किससे शिकायत करता है?

उ:- बालकृष्ण अपनी माता यशोदा से शिकायत करता है।

Nabi Sir GHS Ganadhal

(2) बलराम के अनुसार किसे मोल लिया गया है?

उ:- बलराम के अनुसार श्री कृष्ण को मोल लिया गया है।

(3) बालकृष्ण का रंग कैसा था?

उ:- बालकृष्ण का रंग काला था।

(4) बालकृष्ण अपनी माता से क्या-क्या शिकायतें करता है?

उ:- "वास्तव में नंद और यशोदा तुम्हारे माता-पिता ही नहीं है। वे तो गोरे तुम तो काले हो। वे तुम्हें जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है।" इन बातों को बलराम मुझे कहकर चिड़ाता है। इन्हें सुनकर ग्वाला मित्र चुटकी बजा-बजाकर हँसी मज़ाक करते हैं।

(5) यशोदा बालकृष्ण को किस प्रकार सांत्वना देती है?

उ:- यशोदा बालकृष्ण को गोधन पर कसम रखकर बालकृष्ण को अपना ही बेटा कहते हुए सांत्वना देती है।

(6) सूर-श्याम पद के रचयिता कौन हैं?

उ:- सूर-श्याम पद के रचयिता सूरदास हैं।

(7) बालकृष्ण की शिकायत किसके प्रति है?

उ:- बालकृष्ण की शिकायत बलराम के प्रति है।

(8) यशोदा और नंद का रंग कैसा था?

उ:- यशोदा और नंद का रंग गोरा था।

(9) चुटकी दे-देकर हँसनेवाले कौन थे?

उ:- चुटकी दे-देकर हँसनेवाले ग्वाला मित्र थे।

(10) यशोदा किसकी कसम खाती है?

उ:- यशोदा गोधन की कसम खाती है।

(II) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक दो या तीन वाक्यों में लिखिए:

(11) बालकृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता?

उ:- क्योंकि बलराम बालकृष्ण को इन बातों से बहुत चिढ़ाता है कि तुम यशोदा और नंद के बेटा नहीं। उन्होंने तुझे मोल लिया है। इतना ही नहीं तुम्हारा रंग काला है। उनका रंग गोरे हैं।

(12) बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है?

उ:- "वास्तव में नंद और यशोदा तुम्हारे माता-पिता ही नहीं है। वे तो गोरे तुम तो काले हो। वे तुम्हें जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है।"

Nabi Sir GHS Ganadhal

(13) बालकृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है?

उ:- क्योंकि वह बलराम से प्यार करती थी। बालकृष्ण को मारती थी।

(14) यशोदा बालकृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है?

उ:- "हे कृष्ण! सुनो। बलराम जन्म से ही चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो।" इस तरह कहकर यशोदा बालकृष्ण के क्रोध को शांत करती है।

(III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखिए:

(15) 'सूर-श्याम' पद का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

उ:- **प्रस्तावना:**-प्रस्तुत दोहे को सूरदास द्वारा रचित 'सूल-श्याम' नामक पद से लिया गया है।

संदर्भ:- कवि ने बलराम के प्रति बालकृष्ण की शिकायत का मोहक वर्णन करते हुए लिखते है कि,

भावार्थ:- "वास्तव में नंद और यशोदा तुम्हारे माता-पिता ही नहीं है। वे तो गोरे तुम तो काले हो। वे तुम्हें जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है।" इन बातों को बलराम बालकृष्ण को कहकर चिढ़ाता है। इन्हें सुनकर ग्वाला मित्र चुटकी बजा-बजाकर हँसी मज़ाक करते हैं। इन बातें से खुश होकर माता यशोदा, बालकृष्ण को "हे कृष्ण! सुनो। बलराम जन्म से ही चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो।" कहकर बलराम के प्रति रहे क्रोध का समाधान करती है।

विशेषता:- इस पद में कवि सूरदास ने बालकृष्ण के भोलेपन और माता यशोदा के वात्सल्य का मार्मिक चित्रण किया है।

- **एक वाक्य में उत्तर लिखिए :**

1) सूरदास की काव्यों की विशोषता क्या है?

उत्तर – सूरदास की काव्यों में वात्सल्य, शृंगार तथा भक्ति का त्रिवेणी संगम हुआ है।

2) सूरदास किस शाखा कवि हैं?

उत्तर – सूरदास कृष्ण भक्ति शाखा के कवि हैं ।

15. कर्नाटक-संपदा

(I) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक एक-एक वाक्य में लिखिए:

(1) पश्चिमी घाट किसे कहते हैं?

उ:- पश्चिम में अरबी समुद्र इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को 'पश्चिमी घाट' कहते हैं।

(2) श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई कितनी है?

उ:- श्रवणबेलगो्ल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई 57 फुट है।

(3) ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कन्नड के कवियों के नाम लिखिए।

उ:- यह आठ साहित्यकारों ने ज्ञानपीठ पुरस्कार से भूषित है-

(i) कुप्पळ्ळि वेंकटप्पा पुट्टप्पा (ii) दत्तात्रेय रामचंद्र बेंद्रे (iii) शिवराम कारंत

(iv) मास्ति वेंकटेश अय्यंगार (v) विनायक कृष्ण गोकाक (vi) यू. आर्. अनंतमूर्ति

(vii) गिरीश कार्नाड (viii) चंद्रशेखर कंबार

(4) किस नगर को सिलिकॉन सिटी कहा जाता है?

उ:- बेंगलूरु नगर को सिलिकॉन सिटी कहा जाता है।

(5) भद्रावती के प्रमुख कारखानों के नाम लिखिए।

उ:- (i) कागज़ (ii) लोहे (iii) इस्पात

(6) सेंट फिलोमिना चर्च किस नगर में है?

उ:- सेंट फिलोमिना चर्च मैसूरु नगर में है।

(7) विजयपुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान कौन-सा है?

उ:- विजयपुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान गोलगुंबज़ की व्हिस्परिंग गैलरी है।

(8) अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा में है?

उ:- अरबी समुद्र कर्नाटक की पश्चिमी दिशा में है।

(9) कर्नाटक की दक्षिण दिशा में कौन-सी पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं?

उ:- कर्नाटक की दक्षिण दिशा में नीलगिरी पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं।

Nabi Sir GHS Gandhal

(II) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक दो या तीन वाक्यों में लिखिए:

(12) कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ और जलप्रपात कौन-कौन-से हैं?

उ:- कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ कावेरी, कृष्ण, तुंग-भद्रा आदि हैं। और प्रमुख जलपात जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र आदि हैं।

(12) बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग हैं?

उ:- (i) हज़ारों एकड़ जमीन को पानी से खींचा जाता है,

(ii) ऊर्जा-उत्पादन किया जाता है।

(13) कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए।

उ:- कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम गंगा, कदंब, राष्ट्रकूट, चालुक्य, होय्सल, ओडेयर आदि हैं।

(14) बेंगळूरु में कौन-कौन-सी बृहत् संस्थाएँ हैं?

उ:- बेंगळूरु में अनेक बृहत् संस्थाएँ हैं। जिनमें से प्रमुख हैं-

(i) एच्. ए. एल. (हिंदुस्तान एरोनाटिकल लिमिटेड)

(ii) एच्. एम्. टी. (हिंदुस्तान मशीन टूल्स)

(iii) आई. टी. आई. (इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज)

(iv) बी. ई. एल्. (भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड)

(v) बी. एच्. ई. एल्. (भारत हेवी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड)

(III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक चार या पाँच वाक्यों में लिखिए:

(15) कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उ:- कर्नाटक की प्राकृतिक सुंदरता नयन मनोहर है। पश्चिम में अरबी समुद्र इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतवालियाँ शोभायमान हैं।

(16) कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए।

उ:- कर्नाटक की शिल्पकला अनोखी है। बादामी, ऐहोळे, पट्टदकल्लु आदि की शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत हैं। बेलूरु, हळेबीडु, सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं वे सजीव लगती हैं। श्रवणबेलगोळ की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई 57 फुट है।

(17) कर्नाटक के साहित्यकारों की कन्नड भाषा तथा संस्कृति को क्या देन है?

Nabi Sir GHS Ganadhal

उ:- कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है। वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल 'वचनों' द्वारा प्रेम, दया और धर्म सीख दी है। पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं। पंप, रन्न, पोन्न, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है।

*** एक वाक्य में उत्तर लिखिए :**

1) भारत का प्रगतिशील राज्य कौन सा है?
   उत्तर – भारत का प्रगतिशील राज्य कर्नाटक है।
2) कर्नाटक की राजधानी कौन–सी है?
   उत्तर – कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु है।
3) कर्नाटक में बोली जानेवाली कौन–सी है?
   उत्तर – कर्नाटक में बोली जानेवाली भाषा कन्नड है।
4) भारत का सर्वोच्च पुरस्कार कौन–सा है?
   उत्तर – भारत का सर्वोच्च पुरस्कार भारत रत्न है।
5) कर्नाटक में विपुल मात्रा में मिलनेवाले पेड़ कौन से हैं?
   उत्तर – कर्नाटक में विपुल मात्रा में मिलनेवाले पेड़ चंदन(श्रीगंध) हैं।
6) कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में होने के कारण किस नाम से पुकारते हैं?
   उत्तर – कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में होने के कारण इसे ‘चंदन का आगार’ कहते हैं ।

16. बाल-शक्ति

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

१. कौन-कौन कंचे खेल रहे थे?

राम् और श्याम् कंचे खेल रहे थे ।

२. खेल में कौन सदा बेईमानी करता है?

खेल में राम् सदा बेईमानी करता है ।

Naji Sir GHS Ganadhal

३. रामू को स्कूल जाने के लिए कौन कहता है?

रामू को स्कूल जाने के लिए मोहन कहता है ।

४. रामू ने किस विषय का गृह-कार्य नहीं किया था?

रामू ने गणित विषय का गृह-कार्य नहीं किया था ।

५. हमें किस उम्र में अच्छी आदतें डालनी है?

हमें बारह साल की उम्र में अच्छी आदतें डालनी है ।

६. रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी किसने ली?

रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी संजय ने ली ।

७. टोली का मुखिया कौन बना?

टोली का मुखिया मोहन बना ।

८. बच्चों की तारीफ किसने की?

बच्चों की तारीफ कलक्टर साहब ने की ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

१. रामू में कौन-कौन-सी बुरी आदतें थीं?

रामू में झगडा करना, बेईमानी करना, गृह-कार्य न करना और स्कूल न जाना ऐसी बुरी आदतें उसमें थीं ।

२. गाँव की सफाई के लिए बालक क्या काम करते हैं?

गाँव की सफाई के लिए बालक गाँव की गंदगी को दूर करना। हम रोज़ एक घंटा गाँव की सफाई में लगाएँगे। गाँव में कई गड्ढे हैं, उनको मिट्टी से ढाँपना होगा। गाँव का कूड़ा डालने के लिए एक निश्चित जगह नाएँगे तथा गाँव के सभी भाइयों से कहेंगे कि कूड़ा उसी जगह में डालें ऐसे काम करते हैं ।

३. गाँव को आदर्श गाँव कैसे बनाया जा सकता है?

गाँव को आदर्श गाँव बनाने के लिए गाँव को हरा-भरा रखना। हम गाँव के चारों तरफ पेड़-पौधे लगाएँगे तथा अपने घरों में भी फलदार पेड़ लगाएँगे। और प्रमुख कार्य गाँव के हर एक घर में शौचालय बनवाना ।

४. कलेक्टर साहब ने बच्चों की बडाई में क्या कहा?

कलेक्टर साहब ने बच्चों की बडाई में गाँव को साफ-सुथरा देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई है। गाँव को एक नया जीवन प्रदान किया गया है। इन बच्चों की जितनी बड़ाई की जाए

Nabi Sir GHS Ganadhal

उतनी ही थोड़ी है । इन सबने मिलकर गाँव को स्वच्छ वातावरण दिया है । बाल-शक्ति के कारण आपका गाँव एक आदर्श गाँव बन गया है ।

५. पाँच हजार रुपये मिलने पर मोहन क्या सोचता है?

पाँच हजार रुपये मिलने पर मोहन - ये रुपये हम प्रधानाध्यापक जी को दे देंगे । स्कूल के पुस्तकालय में गरीब बच्चों के लिए हम पुस्तकों का प्रबंध करेंगे ।

अतिरिक्त प्रश्न ।

१८. बाल-शक्ति यह एक लघु नाटक है ।

१९. बल-शक्ति नाटक के लेखक का नाम - जगतराम आर्य है ।

२०. जगतराम आर्य जी का जन्म- हिमाचल प्रदेश के ऊना नामक गाँव में १६ दिसंबर सन १९१० को हुआ ।

२१. जगतराम आर्य जी बाल्य काल में अपने स्कूल के वरिष्ठ अध्यापक पं. तुलसीराम जी की देखरेख में शिक्षा पूरी की ।

२२. जगतराम आर्य जी का निधन-४ अगस्त, सन १९९३ को हुआ ।

२३. बाल-शक्ति नटक के पात्र-परिचय :-

रामू, श्यामू, मोहन, संजय, किशोर, मनोज -स्कूल के छात्र ।

गुरुजी - स्कूल के अध्यापक ।

कलेक्टर साहब ।

एक बुजुर्ग ।

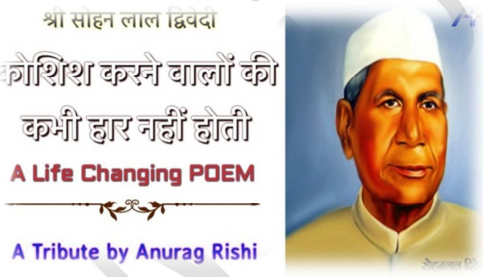

17. कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती ।

कवि का नाम - सोहनलाल द्विवेदी

जन्म : 23 फरवरी सन् 1906 को हुआ ।

शिक्षा : एम.ए., एल.एल.बी

कार्य क्षेत्र : आजीविका के लिए जमींदारी तथा बैंकिंग का काम, 1983 से 1942 तक राष्ट्रीय पत्र 'दैनिक अधिकार' के संपागक थे ।कुछ वर्षोम तक अवैतनिक बाल पत्रिका 'बाल-सखा' का संपादन भी किया । आप महत्मा गांधी से अत्यधिक प्रभवित थे ।

उपाधि : 'राष्ट्रकवि' की उपाधि

रचनाएँ : भैरवी, वासवदत्ता, कुणाल, पूजागीत, विषपान, युगधार और जय गांधी । बाँसूरी, झरना, बिगुल, बच्चों के बापू, दूध बताशा, बाल भारती, शिशु भारती, नेहरू चाचा, सुजाता, प्रभाती ।

निधन : 1988 में ।

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

१. किससे डरकर नौका पार नहीं होती?
   लेहरों से डरकर नौका पार नहीं होती ।

२. किनकी हार नहीं होती है?
   कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती ।

३. दाना लेकर कौन चलती है?
   दाना लेकर नन्हीं चींटी चलती है ।

४. चींटी कहाँ चढती है?
   चींटी दीवारों पर चढती है ।

५. किसकी मेहनत बेकार नहीं होती?
   चींटी की मेहनत बेकार नहीं होती ।

६. सागर में डुबकियाँ कौन लगाता है?
   सागर में डुबकियाँ गोताखोर लगाता है ।

७. मोती कहाँ मिलती है?
   मोती सागर की गहराई में मिलती हैं ।

८. किसकी मुट्ठी खाली नहीं होती?
   गोताखोर की मुट्ठी खाली नहीं होती ।

९. किसको मैदान छोडकर भागना नहीं चाहिए?
   असफलता व्यक्ति को मैदान छोडकर भागना नहीं चाहिए ।

१०. कुछ किये बिना ही क्या नहीं होती है?
   कुछ किय बिना ही 'जय-जयकार' नहीं होती है ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

१. चींटी के बारे में कवि क्या कहते हैं?

कवि सोहनलाल द्विवेदी अपनी कविता में चींटी का उदाहरण देते हुए यह बताने का प्रयत्न करते हैं कि, नन्हीं चींटी दाना अपने मुँह में लेकर अपनी मंजिल की ओर दीवार पर चढती है । लेकिन भार ज्यादा होने के कारण वह बार-बार नीचे गिरती है । पर वह अपना आत्मविश्वास नहीं खोती । पुनः पुनः प्रयत्न करती है । अंत में वह अपनी मंजिल को पा लेती है । इस से यह साबित होता है कि, कोशिश करनेवालों की हमेशा जीत होती है ।

२. गोताखोर के बारे में कवि के विचार क्या हैं?

कवि गोताखोर के बारे में कहते हैं कि, गोताखोर गहरें पानी में मोती ढूंढने के लिए डुबकी लगाता है । पर कई बार वह असफल होकर खाली हाथ लौट आता है । लेकिन अगली बार वह दुगने उत्साह के साथ फिर से डुबकी लगाता है और अंत में वह मुट्ठी में मोती लेकर ही लौटता है । यह साबित करता है कि, कोशिश हमेशा सफलता तक पहुँचाती है ।

३. असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि क्या संदेश देते हैं?

कवि अपनी अंतिम पंक्तियों में स्पूर्ति देते हुए कहते हैं कि असफलता हार मानने का नाम नहीं है, वह एक चिनौती है उसे स्वीकार करते हुए यह देखना है कि हमारे पिछले प्रायत्न में क्या कमि रह गई थी, और जब तक सफलता न मिले तब तक नींद और विश्राम को त्याग देना है और संघर्ष का मैदान कभी नहीं छोडना है । क्योंकि परिश्रम किए बिना इस जग में आज तक किसी की भी जय जयकार नहीं हुई है ।

अतिरीक्त प्रश ।

१. कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती कविता के कवि सोहनलाल द्विवेदी हैं ।
२. कवि का जन्म - 23 फरवरी सन् 1906 को हुआ ।
३. सोहनलाल जी को राष्ट्रकवि उपाधि प्राप्त है ।
४. सोहनलाल द्विवेदी जी के प्रमुख रचनाएँ : भैरवी, वासवदत्ता, कुणाल, पूजागीत, विषपान, युगधार और जय गांधी । बाँसूरी, झरना, बिगुल, बच्चों के बापू, दूध बताशा, बाल भारती, शिशु भारती, नेहरू चाचा, सुजाता, प्रभाती ।

Nabi Sir GHS Gandhal

18. शनि: सबसे सुंदर ग्रह

(I) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(1) सौर-मंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?

उ:- सौर-मंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति है।

(2) सौर-मंडल में शनि ग्रह का स्थान क्या है?

उ:- सौर-मंडल में शनि ग्रह का स्थान दूसरा है।

(3) पृथ्वी और सूर्य में कितना फासला है?

उ:- पृथ्वी और सूर्य में करीब 15 करोड़ किलोमीटर की फासला है।

(4) शनि किसका पुत्र है?

उ:- शनि सूर्य का पुत्र है।

(5) 'शनैःचर' का अर्थ क्या है?

उ:- "धीमी गति से चलनेवाला।"

(6) सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को कितना समय लगता है?

उ:- सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को करीब तीस वर्षों का समय लगता है।

(7) शनि एक राशि में कितने सालों तक रहता है?

उ:- शनि एक राशि में करीब ढाई सालों तक रहता है।

(8) बहुत कम सूर्यताप किस ग्रह पर होता है?

उ:- बहुत कम सूर्यताप शनि ग्रह पर होता है।

(9) शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है?

उ:- शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना हुआ है।

(10) सौर-मंडल का सबसे बड़ा उपग्रह कौन-सा है?

उ:- सौर-मंडल का सबसे बड़ा उपग्रह टाइटन है।

Nabi Sir GHS Gandhai

19. सत्य की महिमा

(I) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(1) 'सत्य' क्या होता है? उसका रूप कैसे होता है?

उ:- सत्य! बहुत भोला-भाला, बहुत ही सीधा-सादा! अपनी आँखों से जो देखा, बिना नमक-मिर्च लगाए बोल दिया- यही सत्य होता है। दृष्टि का प्रतिबिंब, ज्ञान की प्रतिलिपि और आत्मा की वाणी ही उसका रूप होता है।

(2) झूठ का सहारा लेते हैं तो क्या-क्या सहना पड़ता है?

उ:- झूठ का सहारा लेते हैं तो मुँह काला करना पड़ता है और अपमानित होना पड़ता है।

(3) शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है?

उ:- 'सत्यं ब्रूयात्, प्रिय ब्रूयात्, न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्' अर्थात्, 'सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।'

(4) "संसार के महान् व्यक्तियों ने सत्य का सहारा लिया है" - सोदाहरण समझइए।

उ:- संसार में जितने महान् व्यक्ति हुए, सबने सत्य का सहारा लिया है।

उदा:- (i) राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात है। उन्हें सत्य के मार्ग पर चलने अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सूरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नहीं है।

(ii) राजा दशरथ ने सत्यवचन निभाने के लिए अपने प्राण त्याग दिए।

(iii) महात्मा गाँधी जी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर दिया।

(5) महात्मा गाँधी के सत्य की शक्ति के बारे में क्या कथन है?

उ:- "सत्य एक विशाल वृक्ष है। उसका जितना आदर किया जाता है, उतने ही फल उसमें लगते हैं। उनका अंत नहीं होता।"

(6) झूठ बोलनेवालों की हालत कैसी होती है?

उ:- झूठ बोलनेवालों की व्यक्तित्व कुंठित होता है। झूठ बोलनेवालों से लोगों का विश्वास उठ जाता है। उनकी उन्नति के द्वार बंद हो जाते हैं।

(7) हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास क्यों करना चाहिए?

Nabi Singh Ganadhal

उः- सत्य वह चिनगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है। इसलिए हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए ।

20. नागरिक के कर्तव्य

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

१. मीना मैडम ने कितने दिनों के कार्यशिबिर का आयोजन किया था?
मीना मैडम ने १५ दिनों का कार्यशिबिर का आयोजन किया था ।

२. संभाषण का विषय क्या था?
संभषण का विषय-'कौशल विकसन' का था ।

३. अकुल ने मीना मैडम से क्या कहा?
अकुल ने मीना मैडम से कहा- एक नागरिक की हैसियत से हमें अपने देश के राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय त्योहार आदि का आदर करना चहिए ।

४. सलमा ने क्या कहा?
सलमा ने - प्राकृति हमारी माता है । इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय करना नहीं चाहिए । अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना भी हमारा दायित्व है ।

५. अन्वर ने मीना मैडम से क्या कहा?
अन्वर ने मैडम जी से कहता है - समस्त देशवासियों के प्रति भाई-चारे का भाव रखना और जाति, धर्म, भाषा, प्रदेश, वर्ग पर आधारित सभी भेद-भावों से दूर रहना चाहिए ।

६. मीना मैडम ने छात्रों से अंत में क्या कहा?
मीना मैडम ने छात्रों से अंत में कहा- आज के बच्चें कल के नागरिक हैं । विध्यार्थियों ! आज से, नहीं नहीं; अब से ही आप इन कर्तव्यों का पालन करना शुरू करो । इससे आपका हित तो होगा ही, देश का कल्याण भी होगा ।

कन्नड में अनुवाद कीजिए ।

१. गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज थी ।
ಗಜರಿಯೂ ಸಹ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು.

२. दूकानदार ने कहा-बडे मजेदार सेब आये हैं ।

ಅಂಗಡಿಯವನ್ನು ಹೇಳಿದ ಒಳ್ಳೆ ರುಚಿಕರ ಸೇಬು ಬಂದಿವೆ ಅಂತ.

೩. एक सेब भी खाने लायक नहीं ।

ಒಂದು ಸೇಬೂ ಹಣ್ಣು ಕೂಡ ತಿನ್ನಲಿಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯವಿರಲಿಲ್ಲ.

೪. दूकानदार ने मुझसे क्षमा माँगी ।

ಅಂಗಡಿಯವನ್ನು ನನ್ನಲ್ಲಿ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದ.

೫. कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका ।

ಬಹಳಷ್ಟು ಗಂಟೆಗಳ ಆರೈಕೆಯ ನಂತರ ಅದರ ಬಾಯಿಯೊಳಗೆ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರು ಬಿಡಲಾಯಿತ್ತು.

೬. बडी कटिनाई से मैंने उसे थाली के पास बैठना सिखाया ।

ಬಹಳ ಕಷ್ಟ-ಪಟ್ಟು ನಾನು ಅದನ್ನು ತಟ್ಟೆಯ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ.

೭. गिल्लू मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता था ।

ಅಳಿಲು ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಇಟ್ಟಂತಹ ಹೂಜಿಯ (ತಲೆದಿಂಬು) ಮೇಲೆ ಮಲಗುತ್ತಿತ್ತು.

೮. उसकी आयु लगभग १२ वर्ष की है ।

ಅವನ ವಯಸ್ಸು ಹೆಚ್ಚು-ಕಡಿಮೆ ೧೨ ವರ್ಷವಾಗಿದೆ.

೯. सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका ।

ಬೆಳಿಗ್ಗೆಯಿಂದ ಈ ವರೆಗೂ ಏನು ಮಾರಾಟವಾಗಿಲ್ಲ.

೧೦. मैं भीख नहीं लूँगा ।

ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆಯನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ.

೧೧. बडी मुश्किल से बसंत को घर ले गए ।

ಬಹಳ ಕಷ್ಟದಿಂದ ಬಸಂತನಿಗೆ ಮನೆಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದೆವು.

೧೨. बसंत ओंठ भींचकर आह खींचता है ।

ಬಸಂತನ್ನು ತುಟಿಯನ್ನು ಕಚ್ಚಿ ನೋವಿನ ಉಸಿರೆಳೆದನ್ನು.

೧೩. यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है ।

ಇವನು ಬಡವ ಆದರೆ ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ವೀರಳ(ಒಳ್ಳೆಯ) ಗುಣವಿದೆ.

೧೪. इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है ।

ಅಂತರ್ಜಾಲವು ಆಧುನಿಕ ಜೀವನಶೈಲಿಯ ಮಹತ್ವವಾದ ಅಂಗವಾಗಿದೆ.

Nabi Sir GHS Ganadal

१५. इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं ।

ಅಂತರ್ಜಾಲದಿಂದ ಮನೆಯಲ್ಲೇ ಕುಳಿತು ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳಬಹುದ್ದು.

१६. इंटरनेट की सहायता से बेरोजगारी को मिटा सकते हैं ।

ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಸಹಾಯದಿಂದ ನಿರುದ್ಯೋಗವನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸಬಹುದು.

१७. हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे ।

ನಾವು ನೀಮ್ಮಗೆ ಬರುವ ಹೋಗುವ ಮೊದಲನೇಯ ದರ್ಜೆಯ ವೆಚ್ಚವನ್ನು ಕೂಡುತ್ತೇವೆ. ಅಥವಾ ನೀಡುತ್ತೇವೆ.

१८. स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ ।

ರೈಲು ನಿಲ್ದಾಣದಲ್ಲಿ ನನ್ನಗೆ ಅದ್ಧುರಿಯಾದ ಸ್ವಾಗತ ಮಾಡಲಾಯಿತ್ತು.

१९. देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारनी चाहिए ।

ನೋಡಿ, ಚಪ್ಪಲಿಯನ್ನು ಒಂದೇ ಕಡೆ ಬಿಡಬಾರದು.

२०. अब मैं बचा हुँ । अगर रुका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा ।

ಈಗ ಉಳಿದಿರುವುದು ನಾನೊಬ್ಬನೇ, ಒಂದು ವೇಳೆ(ಪಕ್ಷ) ಇಲ್ಲೇ ಇದ್ದರೆ ನಾನೆ ಕಳ್ಳುವಾಗಬಹುದು.

२१. भैंस ने दोस्तों को पंजर दिखाया ।

ಎಮ್ಮೆಯು ಸ್ನೇಹಿತರಿಗೆ ಪಂಜರ ತೋರಿಸಿತು.

२२. साँप ने कहा, ‘आगे की बात मैं नहीं जानता ।

ಹಾವು ಹೇಳಿತು, ಮುಂದಿನ ಮಾತು(ಕಥೆ) ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ.

२३. हाथी बोला, ‘इसमें क्या कठिनाई है?

ಆನೆ ಹೇಳಿತು, ಇದರಲ್ಲಿ ಏನು ಕಷ್ಟ ಇದೆ.

२४. तालाब में एक बहुत बडी मछली तैर रही थी ।

ಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಮೀನು ಈಜಾಡುತ್ತಿತ್ತು.

२५. बिछेंद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था ।

ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯ ಜನ್ಮ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ(ಮಧ್ಯಮ) ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಆಯಿತ್ತು.

२६. बिछेंद्री को रोज पैदल चलकर स्कूल जाना पडता था ।

ಬಿಛೇಂದ್ರಗೆ ದಿನಾಲು ಕಾಲ್ನಡಿಗೆಯಿಂದ ನಡೆದು ಶಾಲೆಗೆ ಹೊಗಬೇಕಾಗುತ್ತಿತ್ತು.

२७. दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ गई थी ।

ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರ (ಪರ್ವತ) ದತ್ತ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗಿದೆ.

२८. मुझे लगा कि सफलता बहुत नजदीक है ।

ನನ್ನಗೆ ಅನಿಸಿತ್ತು ಯಶಸ್ವಿ (ಗುರಿ, ಸಫಲತೆ) ಬಹಳಷ್ಟು ಸಮಿಪ ಇದೆ. ಅಥವಾ

ನನ್ನಗೆ ಜಯ ಅಥವಾ ಯಶಸ್ವಿ ಬಹಳ ಹತ್ತಿರವಿದೆ ಎನಿಸಿತ್ತು.

२९. मैं एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी ।

ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ತಲುಪಿದ ಮೊದಲ ಭಾರತೀಯ ಮಹಿಳೆಯಾಗಿದೆ.

३०. कर्नाटक में कन्नड भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूर है ।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ ಮತ್ತು ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು ಇದೆ.

३१. कर्नाटक में चंदन के पेड विपुल मात्रा में हैं ।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಗಂಧದ ಮರಗಳು ಬಹಳಷ್ಟು ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಸಿಗುತ್ತವೆ.

३२. जगमोहन राजमहल का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय है ।

ಜಗನಮೋಹನ್ ಅರಮನೆಯ ಪುರಾತತ್ವ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯ ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಣಿಯವಾಗಿದೆ.

३३. वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे ।

ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣನವರು ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು.

अनुरूपता ।

१. वसीयत	: नाटक	:: चित्रलेखा	: <u>उपन्यास ।</u>
२. शत-शत	: द्विरुक्ति	:: हरे - भरे	: <u>युग्म ।</u>
३. बायें हाथ में	: न्याय पताका	:: दाहिने हाथ में	: <u>ज्ञान दीप ।</u>
४. हस्त	: हाथ	:: पताका	: <u>ध्वज या झंडा ।</u>
५. केला	: पिला रंग	:: सेब	: <u>गुलाबी रंग ।</u>
६. सेब	: फल	:: गाजर	: <u>सब्जी ।</u>
७. नागपुर	: संतरा	:: कश्मीर	: <u>सेब ।</u>
८. कपडा	: नापना	:: टोमाटो	: <u>तोलना ।</u>

९. १९०७ : महादेवी वरअ जी का जन्म :: १९८७ : महादेवी वर्मा जी का निधन ।

१०. गुलाब : पौधा :: सोनजुही : लता ।

११. हंस : सफेद :: कौआ : काला ।

१२. बिल्ली : म्याऊँ-म्याऊँ :: गिल्लू : चिक-चिक ।

१३. कोयल : मधुर स्वर :: कौआ : कर्कश आवाज ।

१४. गिरि : पहाड :: वारि : जल ।

१५. पवन : हवा :: सिंधु : सागर ।

१६. जमीन : आसमान :: आकाश : पृथ्वि ।

१७. नर : आदमी :: उर : हृदय ।

१८. गांधीजी : राष्ट्रपिता :: अब्दुल कलाम : राष्ट्रपती या वैज्ञानिक ।

१९. जलालुद्दीन : जीजा :: शम्सुद्दीन : चचेरे भई ।

२०. ट्रेन : भू-यात्रा :: नौका : जल-यात्रा ।

२१. हिंदू : मंदिर :: इस्लाम : मस्जिद ।

२२. पं.राजकिशोर : किशनगंज :: बसंत : अहीर टिला ।

२३. पं राजकिशोर : मजदूरों का नेता :: बसंत : गरीब शर्णार्थि बालक ।

२४. पं राजकिशोर : मालिक :: अमरसिंह : नौकर ।

२५. ? : प्रश्नार्थक चिन्ह :: ! : भावसूचक विस्मयादिबोधक चिन्ह ।

२६. दया : धर्म का मूल :: पाप : अभिमान का मूल ।

२७. परिहरि : त्यागना :: करतार : सृष्टिकर्ता ।

२८. जीह : जीभ :: देहरी : दहलिज ।

२९. कंप्यूटर : संगणक यंत्र :: इंटरनेट : अंतर जाल ।

३०. आई.टी. : इनफारमेशन टैक्नोलाजी :: आई.टी.ई.एस. : इनफारमेशन टैक्नोलाजी एनेबल्ड सर्विसेस ।

३१. फेसबुक : वरदान :: हैकिंग : अभिशाप ।

३२. वीडियो कान्फरेन्स : विचार-विनमय :: ई-प्रशासन : प्रशासन पारदर्शी ।

Nabi Sir GHS Gandhal

३३. पहला दिन : चप्पलें गायब थी :: दूसरे दिन : धूप का चश्मा ।

३४. तीसरे दिन : कम्बल गायब था :: चउथे दिन : ताला गायब था ।

३५. रिक्शा : तीन पहियों का वाहन :: साइकिल : दो पहियों का वाहन ।

३६. रेलगाडी : पटरी :: हवाईजहाज : आसमान ।

३७. हाथी : जंगली जानवर :: भैंस : पालतु जानवर ।

३८. मछली : पानी :: साँप : जमीन ।

३९. मछली : तैरना :: साँप : रेंगना ।

४०. हाथी : सूँड :: भैंस : सींग ।

४१. आलस : परिश्रम :: नष्ट : लाभ ।

४२. जानो : मानो :: लगा दो : भगा दो ।

४३. धन : निर्धन :: दिया : लिया ।

४४. जीवन : मरण :: खोना : पाना ।

४५. शेरू को टहलाना : रोबोनिल :: झबरू को घुमाना :

४६. मुखिया : धीरज सक्सेना :: सेवक : सेवा करना ।

४७. टस से मस न होना : अटल रहना :: फूले न समाना : बहुत खुश होना ।

४८. पहाड : गिरी :: चोटी : शिखर ।

४९. कालानाग : पर्वत :: गंगित्री : ग्लेशियर ।

५०. कर्नल : खुल्लर :: मेजर :

५१. चाय : गरम :: बर्फ : ठंडा ।

५२. पहले हिमालय पर्वतारोही पुरुष : तेनजिंग नोर्गे :: पहली एवरेस्ट पर्वतारोही महिला : बछेंद्री पाल ।

५३. बलभद्र : बलराम :: कान्हा : कृष्ण ।

५४. जसोदा : माता :: नंद : पिता ।

५५. रीझना : मोहित होना :: खिजाना : चिढाना ।

५६. बलबीर : बलराम :: जसोदा : यशोदा ।

Nabi Sir GHS Gandhal

५७. दक्षिण से उत्तर के छोर की पर्वतमाला : पश्चिमी घाट :: दक्षिण की पर्वतावलियाँ : नीलगिरी पर्वत ।

५८. कर्नाटक : चंदन का आगार :: बेंगलूरू : सिलिकान सिटी ।

५९. सी.वी.रामन : नोबेल पुरस्कार :: सर.एम. विश्वेश्वरय्या : भारत रत्न ।

६०. भद्रावती : लोहे और इस्पात :: मैसूरु : चंदन से बननेवाले वस्तु ।

६१. कावेरी : नदी :: जोग : जलप्रपात ।

६२. बेलूरु : शिल्पकला :: गोलगुंबज : वास्तुकला ।

६३. सेंट फिलोमिना : चर्च :: जगनमोहन राजमहल : आर्ट गैलरी ।

६४. कृष्णदेवराय : शासक :: राष्ट्रकूट : राजवंश ।

६५. बसवण्णा : वचनकार :: कनकदास : भक्ति कवि।

६६. पंपा : प्राचीन कवी :: कंबार : आधुनिक कवि ।

६७. मेहनत : परिश्रम :: कोशिश : प्रयास ।

६८. चडना : उतरना :: हारना : जीतना ।

६९. स्वीकार : इन्कार :: चैन : बेचैन ।

७०. सिंधु : समुंद्र :: हाथ : हस्त ।

जोड़कर लिखना

मातृभूमि

1. तेरे उर में शायित	अ.	गांधी, बुद्ध और राम
2. फल-फूलों से युत	आ.	वन – उपवन
3. एक हाथ में	इ.	न्याय पताका
4. कोटि-कोटि हम	ई.	आज साथ में
5. मातृ – भू	उ.	शत-शत बार प्रणाम

Nabi Sir GHS Gandhal

कश्मीरी सेब

1.	सेब को रुमाल में बाँधकर	अ.	मुझे दे दिया।
2.	फल खाने का समय तो	आ.	प्रातःकाल है।
3.	एक सेब भी खाने	इ.	लायक नहीं।
4.	व्यापारियों की साख	ई.	बनी हुई थी।

मेरा बचपन

1.	मेरे पिता	अ.	जैनुलाबदीन
2.	मद्रास राज्य	आ.	तमिलनाडु
3.	शम्सुद्दीन	इ.	चचेरे भाई
4.	अहमद जलालुद्दीन	ई.	अंतरंग मित्र
5.	पक्का दोस्त	उ.	रामानंद शास्त्री

तुलसी के दोहे

1.	विश्व कीन्ह	अ.	करतार
2.	परिहरि वारि	आ.	विकार
3.	जब लग घट	इ.	में प्राण
4.	सुसत्यव्रत	ई.	रम भरोसो एक

इंटरनेट की क्रांति

1.	इंटरनेट ने पूरे विश्व को	अ.	एक छोटे गाँव का रूप दे दिया है।
2.	इंटरनेट द्वारा कोई भी	आ.	बिल भर सकते हैं।
3.	इंटरनेट समाज के लिए	इ.	बहुत बड़ा वरदान साबित हुआ।
4.	इंटरनेट की वजह से	ई.	पैरसी, हैकिंग आदि बढ़ रही है।
5.	इंटरनेट से सबको	उ.	सचेत रहना चाहिए।

दुनिया में पहला मकाना

1.	तालाब	अ.	मछली
2.	हाथी	आ.	पैर

Nabi Sir GHS Gandhal

3.	भैंस	इ.	हड्डियाँ
4.	पहला	ई.	मकान
5.	सिंगफो	उ.	आदिवासी

समय की पहचान

1.	उद्योगी	अ.	सुसमय
2.	आलस	आ.	बहाना
3.	जीवन	इ.	पल-पल
4.	समय	ई.	अनुपम धन
5.	द्रव्य	उ.	समता

रोबोट

1.	यह सुनकर काउंटर पर	अ.	बैठा रोबोट बोला
2.	मगर, रोबोदीप, यह तो	आ.	रोबोटिकी के नियम के विरुद्ध है।
3.	शाम को रोबोनिल	इ.	और रोबोदीप मिले।
4.	दोनों के बीच कुछ	ई.	गुप्त मंत्रण हुई।
5.	सक्सेना परिवार रोबोनिल को	उ.	पाकर फूला नहीं समा रहा था।

महिला की साहस गाथा

1.	गंगोत्री ग्लेशियरकी चढ़ाई	अ.	सन् 1982
2.	पर्वतारोहियों का सम्मेलन	आ.	सन् 1983
3.	एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचना	इ.	सन् 1984

सूर श्याम

1.	सूरदास का जन्म	अ.	सन् 1540 को हुआ
2.	सगुण भक्तिधारा की	आ.	कृष्ण भक्ति शाखा
3.	उत्तर प्रदेश का रुनकता	इ.	सूर का जन्मस्थान
4.	सूरदास जी की मृत्यु	ई.	सन् 1642 को हुई

Nabisir GHS Ganadhal

बाल – शक्ति

1.	बेईमानी करनेवाला	अ.	रामू
2.	टोली का नाम	आ.	बाल-शक्ति
3.	इनाम के रुपये	इ.	पाँच हज़ार
4.	टोली का मुखिया	ई.	मोहन
5.	ये गाँव के सपूत हैं	उ.	बुजुर्ग

कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती

1.	लहर	अ.	नौका
2.	चींटी	आ.	दाना
3.	गोताखोर	इ.	डुबकियाँ
4.	असफलता	ई.	चुनौती
5.	कमी	उ.	सुधार

कविता के भावार्थ

मातृभूमि ॥

I. एक हाथ में _____ शत-शत बार प्रणाम ॥

प्रस्तुत पंक्तियों को मातृभूमि पद्य भाग से लिया गया है । इस पद्य के कवि श्री भगवतीचरण वर्मा जी हैं ।

कवि उपयुक्त पंक्तियों में भारत माता के स्वरूप का वर्णन करते हुए कहते हैं कि, माँ के एक हाथ में न्याय पताका है और दुसरे हाथ में ज्ञान दीप है । अर्थात भारत माँ अपने बच्चों में न्याय करते हुए ज्ञान प्रदान कर रही है, तो कवि भारत माँ से विनंति कर रहे हैं कि, हे भारत माँ तुम अपने न्याय तथा ज्ञान से इस जग का रूप बदल दो । हम सारे भारत वासी तुम्हारे साथ हैं । जिस से भारत वर्ष का नाम हर एक नगर तथा ग्राम में यानि पूरे संसार(जग) में गुँज उठे । हे मातृभूमि तुम्हें शत-शत बार प्रणाम ।

अभिनव मनुष्य॥

II. श्रेय उसका _____ मानव भी वही ॥

Nabi Sir GHS Gandhal

इन पंक्तियों को अभिनव मनुष्य पद्य भाग से लिया गया है । इस पद्य के कवि श्री रामधारिसिंह दिनकर जी हैं ।

कवि इन पंक्तियों में यह कहना चाहते हैं कि मनुष्य का असली श्रेय क्या है । मनुष्य चाहे प्रकृति के सभी तत्वों पर अपनी विजय पा लिया हो, पर यह उसका गौरव नहीं है । उस्के गर्व करनेवाली बात तो यह है कि वह भौतिकता के साथ-साथ मानवीयता पर भी विजय प्राप्त करें । उसका श्रेय यह भी है कि वह पूरी मानव जाति से प्रेम करे तथा मानव से मानव के बीच जो द्वेष हैं उसे मिटाएँ । जब वह मानव के बीच की शत्रुता को मिटाने में सफल होगा । तभी ज्ञानी, विद्वान और मनुष्य कहलाने योग्य होगा ।

III. यह मनुज _____ उसका श्रेय ॥

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि दिनकर जी कह रहे हैं कि, यह जो आधुनिक मनुष्य है वह पूरी सृष्टि का श्रृंगार है । इस के भीतर ज्ञान तथा विज्ञान का प्रकाश भरा पडा है । जिस के कारण वह सृष्टि पर विजय प्राप्त कर चुका है । अपना ज्ञान के कारण आकाश से पाताल तक की सभी गतिविधियों को जानता है, पर यह सारी विजय भी न उसका असली परिचय देती है ना ही उसके गौरव को बढाती है ।

तुलसी के दोहे ॥

IV. मुखिया मुख _____ विवेक ॥

प्रस्तुत दोहे में कवि गोस्वामी तुलसी दास जी कह रहे हैं कि, मुखिया को मुख के समान होना चाहिए । जिस प्रकार मनुष्य के शरीर में केवल मुख खाने और पीने का कार्य करता है और सारे शरीर का पोषण करता है । उसी तरह मुखिया को भी अपनी जनता की सारी समस्याओं को अपनी सुझ-बुझ से निर्णय लेते हुए परिहार निकालना है, अर्थात अपने कार्य का फल सभी को मिलना चाहिए ।

V. जड चेतन _____ विकार ॥

कवि तुलसीदास जी कह रहें हैं कि, सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड और चेतना यानी गुण और दोषों के साथ बनाया है । संत अथवा सज्जन को हंस के समान होना चाहिए । जिस प्रकार हंस पानी मिले दूध में से केवल दूध को पीकर पानी वहीं छोडता है । उसी प्रकार सज्जन या संत को भी संसार में मिले गुण, दोषों में से केवल गुणों को स्वीकार करके दोषों को त्याग देना चाहिए ।

VI. दया धर्म का _____ घट में प्राण ॥

कवि तुलसीदास जी कह रहें हैं कि, दया ही धर्म का मूल है, और अभिमान ही पाप का मूल है । अर्थात मनुष्य के अंदर जो घमंड होता है वही मनुष्य से पाप करवाता है । तो तुलसीदास जी कहते हैं यदि मनुष्य सुख-शांति तथा प्रेम से जीवन व्यतीत करना चाहता है तो जब तक शरीर में प्राण है तब तक दया को न छोडे क्योंकि दया ही सारी अच्छाइयों की जड है

VII. तुलसी साथी ____ भरोसे एक ॥

प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास जी कह रहे हैं कि, मनुष्य को विपत्ति में अर्थात आपत्ति के समय उसकी विद्या, उसका विनम्र व्यवहार तथा उसका विवेक ही साथ देते हैं । और जो भगवान पर भरोसा करता है वह साहसी, सजान और सत्यवादी बनता है । जो उसके आत्मविश्वास को बढाता है ।

VIII. राम नाम ____ चाहसी उजियार ॥

प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास जी कह रहे हैं कि, हमें भगवान के जाप को हमेशा अपनी जीभ पे रखना चाहिए । क्योंकि जिस प्रकार घर की देहलीज पर दीया रखने से घर के भीतर और बाहर प्रकाश फैलता है, उसी प्रकार से हमारा मन निष्पाप होता है । और हम जग के सामने जाप करते हुए पाप या कुकर्म करने से भी डरते हैं । अर्थात कोई भी मनुष्य जो भगवान का जाप करते हुए लोगों में प्रचलित होता है, वह जग के डर से ही सही पाप करने से डरता है ।

सूर-श्याम ॥

IX. कहा कहौं ____ तुमरो तात ॥

पद्य की इन पंक्तियों को सूर श्याम पद्य भाग से लिया गया है । कवि हैं सूरदास । यहाँ पर कवि सूरदास बालकृष्ण की बाल लीला का वर्णन कर रहें हैं ।

प्रस्तुत पंक्तियों में बालक कृष्ण अपनी माता यशोदा से बलराम की शिकायत करते हुए कह रहें हैं- भैया बलराम बार-बार पूछते हैं कि तुम्हारी माता कौन है और तुम्हारे पिता कौन हैं । इसी कारण मुझे खेलने नहीं जाना ।

X. गोरे नंद ____ बलबीर ॥

उपर्युक्त पंक्तियों में सूरदास जी बालक कृष्ण की शिकायत का वर्णन कर रहे हैं । बाल कृष्ण अपनी माता यशोदा से कह रहा है कि, भाई बलराम मुझे से कहते हैं कि माता यशोदा भी गोरी है और नंदराज भी गोरे हैं । मगर तुम क्यों काले हो । जब बलराम ऐसे चिढाते हैं तो सारे ग्वाला बालक चुटकी दे दे कर हँसते हैं । जिस के कारण मैं खेलने नहीं जाता हूँ ।

XI. **तू मोही ____ सुनी रीझै ॥**

उपयुक्त पंक्ति में बालक कृष्ण यशोदा से उन्हीं की शिकायता करते हुए कह रहा है कि, बलराम मुझे कितना भी छिढाए, कितना भी सताए तुम तो मुझे ही मारती हो भाई बलराम को कभी नहीं डाँटती । जब वह यह शिकायत कर रहा होता है उस समय कृष्ण के गुस्से से भरे मुग्ध मुख को देखकर यशोदा मन ही मन हंस्ती हैं ।

XII. सुनहु _____ तु पूत ॥

इन पंक्तियों में कवि सूरदास यशोदा के प्रेम को दर्शाते हुए कह रहे हैं- जब कृष्ण बलराम की ढेर सारी शिकायत करता है तो यशोदा सुनकर मन ही मन मुस्कुराती है और अपने बालकृष्ण को मनाते हुए कहती है कि, सुनो कृष्ण बलराम तो जन्म से ही चुगलखोर है । मुझे गोधन(गाय) की सौगंध है, अर्थात मैं गोधन (गाय) की कसम खाकर कहती हूँ कि तुम ही मेरे पुत्र हो और मैं ही तुम्हारी माता हूँ ।

XIII. मौसों कहत _____ जयो ॥

इन पंक्तियों में बालकृष्ण अपनी माता यशोदा से कह रहा है कि, भाई बलराम मुझे बहुत सताता है । वो मुझ से कहता है कि तुम्हें तो मोल (खरीदना) लिया गया है, तुम्हें यशोदा माँ ने कब जन्म दिया है? ऐसा कहते हैं तो ग्वाला बालक मेरा मजाक उडाते हैं ।

कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती ॥

IX. नन्हीं चींटी _____ हार नहीं होती ।

कवि सोहनलाल द्विवेदी अपनी कविता में चींटी का उदाहरण देते हुए यह बताने का प्रयत्न करते हैं कि, नन्हीं चींटी दाना अपने मुँह में लेकर अपनी मंजिल की ओर दीवार पर चढती है । लेकिन भार ज्यादा होने के कारण वह बार-बार नीचे गिरती है । पर वह अपना आत्मविश्वास नहीं खोती । पुनः पुनः प्रयत्न करती है । अंत में वह अपनी मंजिल को पा लेती है । इस से यह साबित होता है कि, कोशिश करनेवालों की हमेशा जीत होती है ।

X. डुबकियाँ सिंधु _____ हार नहीं होती ।

कवि गोताखोर के बारे में कहते हैं कि, गोताखोर गहरें पानी में मोती ढूंढने के लिए डुबकी लगाता है । पर कई बार वह असफल होकर खाली हाथ लौट आता है । लेकिन अगली बार वह दुगने उत्साह के साथ फिर से डुबकी लगाता है और अंत में वह मुट्ठी में मोती लेकर ही लौटता है । यह साबित करता है कि, कोशिश हमेशा सफलता तक पहुँचाती है ।

कवि अपनी अंतिम पंक्तियों में स्पूर्ति देते हुए कहते हैं कि असफलता हार मानने का नाम नहीं है, वह एक चिनौती है उसे स्वीकार करते हुए यह देखना है कि हमारे पिछले प्रायत्न में क्या कमि रह गई थी, और जब तक सफलता न मिले तब तक नींद और विश्राम को त्याग देना है और संघर्ष का मैदान कभी नहीं छोडना है । क्योंकि परिश्रम किए बिना इस जग में आज तक किसी की भी जय जयकार नहीं हुई है ।

विस्तृत रूप ।

आई. टी	इनफारमेशन टैक्नोलाजी ।
आई. टी. ई. एस.	इनफारमेशन टैक्नोलाजी एनेबल्ड सर्विसेस ।
एच. एम. टी.	हिंदुस्तान मशीन टूल्स ।
एच. ए. एल.	हिंदुस्तान एरोनाटिकल लिमिटेड ।
आइ. टी. आइ.	इंडियन टेलीफोन ईंडस्ट्रीस ।
बी. ई. एल.	भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड ।
बी.एच.ई.एल.	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ।

टिप्पणियाँ :-

१. **काकभुशुण्डि :-** पुराण-कथा में कौए को पक्षियों के गुरु के रूप में स्वीकार किया गया ।

२. **संचार माध्यम :-** समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, दूरभाषा, दूरदर्शन, इंटरनेट आदि साधन जिसका उपयोग सूचनाओं के संदेशवहन के लिए किया जाता है ।

३. **वीडियो कान्फरेन्स :-** एक सभागार जिसमें कई लोगों के साथ ८-१० टी.वी. के परदे पर एक साथ चर्चा होती है ।

४. **इनफारमेशन टैक्नोलाजी एनेबल्ड सर्विसेस :-** सूचना प्रौद्योगिक द्वारा संभाव्य सेवाएँ- सूचना प्रौद्योगिक के द्वारा प्राप्त करायी जानेवाली सेवाएँ, जैसे - बी. पी. ओ. ।

५. **कबंध बाँहें :-** कबंध नामक एक राक्षस था जिसकी बाँहें लंबी होकर कहीं भी पहुँच सकती थी । कहा जाता है कि, जब उसने अपनी बाँहों में श्रीराम तथा लक्ष्मण को फँसाया था, तब श्रीराम ने उसकी बाँहों को काट दिया था । प्रस्तुत पाठ में इंटरनेट के व्यापक प्रभाव को दिखाने के लिए इन शब्दों का प्रयोग किया गया है ।

६. **<u>व्हिस्परिंग गैलरी :</u>**- यह विजयपुरा के विश्व विख्यात गोलगुंबज में है । इसकी वास्तुकला अनोखी है । इस गुंबज के एक छोर से धीमी आवाज में बातें करें तो वह विरुद्ध छोर में स्पष्ट सुनाई देती है । इस गुंबज की एक और विशेषता यह है कि यहाँ एक बार आवाज निकलने से यह सात बार प्रतिध्वनित होती है ।

<u>व्याकरण भाग</u>

<u>मुहावरें ।</u>

हिंदी मुहावरे हिंदी भाषा का आवश्यक अंग है । मुहावरों के बिना यह पूरी नहीं होती । कोई भी ऐसा वाक्यांश जो अपने साधारण अर्थ को छोडकर कोई विशेष किसी अर्थ विशेष को व्यक्त करता हो उसे व्याकरण की भाषा मुहावरा कहते हैं । १०वी कक्षा के किताब के मुहावरों का अर्थ नीचे दिए गए हैं -

पौ फटना	प्रभात होना ।
काम आना	काम में आना, इस्तेमाल होना ।
आँख खुलना	सच्चाई का पता चलना ।
आँखे दिखाना	धमकाना, डराना ।
आँखें चुराना	अपने आप को छिपाना
अक्ल का अंधा	मूर्ख ।
आस्तीन का साँप	कपटी मित्र ।
कान भरना	चुगली करना ।
ईद का चाँद होना	बहुत दिनों बाद मिलना ।
कान खडे होना	चौकन्न होना ।
हवा से बातें करना	रफतार तेज करना ।
बात का धनी	वचन का पक्का ।
रहत की साँस लेना	सुकून महसूस करना या समाधान होना ।
पेट पर लात मारना	उद्योग या रोजी छीनना ।
टस से मस न होना	अपनी बात पर अटल रहना ।
फूल नहीं समाना	बहुत खुश होना ।
आँच आना	बदनामी से बच जाना ।

Nabi Sir GHS Ganadhal

अँगुठा दिखा देना	साथ न देना । या साथ छोड देना ।
हलचल मचाना	शोर करना ।
हाथों के तोते उडना	आँखो के सामने कोई वस्तु गुम होना ।

प्रेरणार्थक क्रिया ।

क्रिया का वह रूप जिससे कर्ता स्वयं कार्य न कर, किसी दूसरे को कार्य कर्ने के लिए प्रेरित करता है, उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं । १०वी कक्षा के किताब के प्रेरणार्थक शब्दों के अर्थ नीचे दिए गए हैं -

लिखना - लिखाना - लिखवाना	बैठना - बिठाना - बिठवाना
मिलना - मिलाना - मिलवाना	देना - दिलाना - दिलवाना
चलना - चलाना - चलवाना	ठहरना - ठहराना - ठहरवाना
भेजना - भिजाना - भिजवाना	देखना - दिखाना - दिखवाना
खेलना - खिलाना - खिलवाना	लौटना - लूटाना - लूटवाना
देना - दिलाना - दिलवाना	उतरना - उतराना - उतरवाना
रोना - रुलाना - रुलवाना	पहनना - पहनाना - पहनवाना
धोना - धुलाना - धुलवाना	बनना - बनाना - बनवाना
खोलना - खुलाना - खुलवाना	गिरना - गिराना - गिरवाना
सीना - सिलाना - सिलवाना	लगना - लगाना - लगवाना
सीखना - सिखाना - सिखवाना	सीखना - सिखाना - सिखवाना
बाँटना - बँटाना - बँटवाना	करना - कराना - करवाना
माँझना - मँझाना - मँझवाना	हँसना - हँसाना - हँसवाना
जाँचना - जँचाना - जँचवाना	उडना - उडाना - उडवाना
पढना - पढाना - पढवाना	दौडना - दौडाना - दौडवाना
देखना - दिखाना - दिखवाना	ओढना - ओढाना - ओढवाना
सुनना - सुनाना - सुनवाना	जागना - जगाना - जगवाना
जगना - जगाना - जगवाना	जीतना - जिताना - जितवाना
भेजना - भिजाना - भिजवाना	

Nabi Sir GHS Gandhal

विलोम शब्द ।

किसी शब्द का विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं । या एक दूसरे के विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्द विलोम कहलाते हैं । १०वी कक्षा के किताब के विलोम शब्दों के अर्थ नीचे दिए गए हैं -

शाम x सुबह	उचित x अनुचित
खरीदना x बेचना	प्रिय x अप्रिय
बहुत x कम	संतोष x असंतोष
अच्छा x बूरा	स्वस्थ x अस्वस्थ
शिक्षित x अशिक्षित	होश x बेहोश
आवश्यक x अनावश्यक	खबर x बेखबर
गरीब x अमीर	चैन x बेचैन
रात x दिन	बुध्दिमान x बुद्धिहीन
संदेह x निसंदेह	शक्तिमान x शक्तिहीन
साफ x कचरा (गंदगी)	दयावान x दयाहीन
बेईमान x ईमानदारी	जन x निर्जन
विश्वास x अविश्वास	बल x निर्बल
सहयोग x असहयोग	गुण x निर्गुण
हानि x लाभ	आज x कल
पास x दूर	प्राचीन x आधुनिक
गम x दुःख	पुरूष x स्त्री
भीतर x बाहर	नारी x नर
चढना x उतरना	चढना x उतरना
उपयोग x अनौपयोग	समान x असमान
उपस्थीति x अनौपस्थीती	अज्ञान x ज्ञान
सीमित x असीमित	जीत x हार
तोड x जोड	
बहुत x कम	सज्जन x दुर्ज्जन

Nabi Sir GHS Gandhal

सफल x असफल	बहुत x कम
अच्छा x बुरा	नीचे x उपर
बडा x छोटा	मुश्किल x आसान
अपना x पराया	आगे x पीछे
पीछे x आगे	मजबूत x कमझोर
खरीदना x बेचना	लंबी x छोट्टी
लेना x देना	पास x दूर
आना x जाना	दोस्त x दुश्मन
शांति x अशांति	काटना x जोडना
गरीब x अमीर	आरोहण x अवरोहण
बढना x हठना	ठंडा x गर्म
स्थिर x अस्थिर	परिश्रम x आलस
मुमकिन x नामुमकिन	सामने x पीछे
वरदान x अभिशाप	सुंदर x कूरूप
दुरूपयोग x उपयोग	विदेश x स्वदेश
अनुपयुक्त x उपयुक्त	आदि x कम
आगमन x निर्गमन	सजीव x निर्जीव
रात x दिन	सदाचार x दुराचार
जवाब x सवाल	आयात x निर्यात
आयात x निर्यात	हानि x लाभ
आय x वेय	तोड x जोड
उल्टा x सिधा	थोडा x ज्यादा

संधि

"दो वर्णों या अक्षरों के मेल से होनेवाले विकार को संधि कहते हैं।"

संधि के निम्नलिखित तीन भेद हैं-

(I) स्वर संधि **(II) व्यंजन संधि** **(III) विसर्ग संधि**

Nabi Sir GHS Ganadhal

(I) *स्वर संधि:-* "जब दो स्वर आपस में मिलकर एक नया रूप धारण करते हैं, तब उसे स्वर संधि कहते हैं।

स्वर संधि के निम्नलिखित तीन भेद हैं-

(i) दीर्घ संधि (ii) गुण संधि (iii) वृद्धि संधि (iv) यण् संधि (v) अयादि संधि

(i) दीर्घ संधि:- "दो सवर्ण स्वर जब पास-पास आते हैं तो दोनों मिलकर उसी वर्ण का दीर्घ स्वर बन जाता हैं, तो उसे दीर्घ संधि कहते हैं।

क्र. सं.	**संधि**	**उदाहरण**
1	इ+इ=ई	पर्वत+आवली=पर्वतावली
2	अ+अ= आ	संग्रह+आलय=संग्रहालय
3	अ+अ= आ	जल+आशय=जलाशय
4	अ+अ= आ	समान+अधिकार=समानाधिकार
5	अ+आ=आ	धर्म+आत्मा=धर्मात्मा
6	आ+अ=आ	विद्या+अर्थी=विद्यार्थी
7	आ+आ+आ	विद्या+आलय=विद्यालय
8	इ+इ=ई	कवि+इंद्र=कवींद्र
9	इ+ई=ई	गिरी+ईश=गिरीश
10	ई+इ=ई	मही+इंद्र=महींद्र
11	ई+ई=ई	रजनी+ईश=रजनीश
12	उ+उ=ऊ	लघु+उत्तर=लघूत्तर
13	उ+ऊ=ऊ	सिंधु+ऊर्जा=सिंधु+ऊर्जा=सिंधूर्जा
14	ऊ+उ=ऊ	वधू+उत्सव=वधूत्सव
15	ऊ+ऊ=ऊ	भू+ऊर्जा=भूर्जा

(ii) **गुण संधि:-** "अ/आ से होने पर ए, उ/ऊ से होने पर ओ तथा ऋ से होने पर अर् हो जाता हैं, तो उसे गुण संधि कहते हैं।

क्र. सं.	**संधि**	**उदाहरण**
1	अ+इ=ए	गज+इंद्र=गजेंद्र
2	अ+ई=ए	परम+ईश्वर=परमेश्वर

Nabi Sir GHS Gonda

3	आ+इ=ए	महा+इंद्र=महेंद्र
4	आ+ई=ए	रमा+ईश=रमेश
5	अ+उ=ओ	पर+उपकार=परोपकार
6	अ+उ=ओ	वार्षिक+उत्सव=वार्षिकोउत्सव
7	अ+ऊ=ओ	जल+ऊर्मि=जलोर्मि
8	आ+उ=ओ	महा+उत्सव=महोत्सव
9	आ+ऊ=ओ	महा+ऊर्मि=महोर्मि
10	अ+ऋ=अर	सप्त+ऋषि=सप्तर्षि
11	आ+ऋ=अर	महा+ऋषि=महर्षि

(iii) **वृद्धि संधि:-** "अ, आ का ए, ऐ से मेल होने पर ऐ तथा अ, आ का ओ, औ से मेल होने पर औ हो जाता हैं ते उसे वृद्धि संधि कहते हैं।

क्र. सं.	**संधि**	**उदाहरण**
1	अ+ए =ऐ	एक+एक=एकैक
2	अ+ऐ=ऐ	मत+ऐक्य=मतैक्य
3	आ+ए=ऐ	सदा+एव=सदैव
4	आ+ऐ=ऐ	महा+ऐश्वर्य=महैश्वर्य
5	अ+ओ=औ	परम+ओज=परमौज
6	अ+ओ=औ	वन+औषधि=वनौषधि
7	आ+ओ=औ	महा+ओजस्वी=महौजस्वी
8	आ+ओ=औ	महा+औषधि=महौषधि

(iv) **यण् संधि:-** "यदि इ, ई, उ, ऊ और ऋ के बाद कोई भिन्न स्वर आये तो इ-ई का य, उ-ऊ का व और ऋ का र हो जाता हैं तो उसे यण् संधि कहते हैं।"

क्र. सं.	**संधि**	**उदाहरण**

Nabi Sir GHS Gandhal

1	इ+अ=य	अति+अंत=अत्यंत
2	इ+अ=य	अति+अधिक=अत्यधिक
3	इ+आ=या	इति+आदि=इत्यादि
4	इ+उ=यु	प्रति+उपकार=प्रत्युपकार
5	उ+अ=व	मनु+अंतर=मन्वंतर
6	उ+आ=व	सु+आगत=स्वागत
7	ऋ+अ=र	पितृ+अनुमति=पित्रनुमति
8	ऋ+अ=र	पितृ+आज्ञा=पित्राज्ञा
9	ऋ+उ=र	पितृ+उपदेश=पित्रुपदेश
10		सहन+अनुभूति=सहानुभूति

(v) **अयादि संधि:-** "ए, ऐ और ओ औ से परे किसी भी स्वर के होने पर क्रमशः अय्, आय्, अव् और आव् हो जाता हैं तो उसे अयादि संधि कहते हैं।

क्र. सं.	**संधि**	**उदाहरण**
1	ए+अ=अय्	चे+अन=चयन
2	ए+अ =अय्	ने+अन = नयन
3	ऐ+अ =आय्	गै+अक=गायक
4	ऐ+इ=आय्	नै+इका=नायिका
5	ओ+अ=अव्	भो+अन=भवन
6	औ+अ=आव्	पौ+अन=पावन
7	औ+इ=आव्	नौ+इक=नाविक

(II) *व्यंजन संधि:-* "व्यंजन का व्यंजन से अथवा किसी स्वर से मेल होने पर जो परिवर्तन होता हैं तो उसे व्यंजन संधि कहते हैं।"

क्र. सं.	**संधि**	**उदाहरण**
1	क्+ग्=ग्ग	दिक्+गज=दिग्गज
2	+ =	जगत+मोहन=जगनमोहन
3	+ =	सत्+आचार=सदाचार
4	त्+ज=ज	सत्+जन=सज्जन
5	+ =	सत्+वाणी=सद्वाणी

Nabi Sir GHS Ganadhal

6	त्+द्=	अच्+अंत=अजंत
7	+ =	षट्+दर्शन=षड्दर्शन
8	+ =	वाक्+ जाल=वाग्जाल
9	त्+र=द्र	तत्+रूप=तद्रूप

(III)*विसर्ग संधि:-* "किसी स्वर या व्जंजन से मेल होने पर जो विकार होता हैं, तो उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

क्र. सं.	संधि	उदाहरण
1		निः+चिंत=निश्चिंत
2		निः+चय=निश्चय
3		निः+कपट=निष्कपट
4		निः+रस=नीरस
5		दुः+गंध=दुर्गंध
6		मनः+रथ=मनोरथ
7		पुरः+हित=पुरोहित

<u>समास</u>

- **दो या दो से अधिक पदों अथवा सब्दों के मिलन से ओ एक पद बनता है उसे समास कहते हैं ।**

  जैसे :- राजगृह, पंजाब, रोटी-कपडा-मकान आदि ।

- **समास के पहले शब्द को पूर्व पद तथा अंतिम या दूसरे शब्द को उत्तर पद कहते हैं ।**
- **समास छः(६) प्रकार के होते हैं ।**

  १. तत्पुरुष समास । २. कर्मधारय समास ३. द्विगु समास ।

  ४. द्वंद्व समास । ५. बहुव्रीहि समास । ६. अव्ययीभाव समास ।

I. तत्पुरुष समास :-

इस समास में दोनों पदों के बीच से विभक्ति प्रत्यय का लोप हो जाता है ।

Nabi Sir GHS Garhoda

जैसे :- को, के, द्वारा, के, लिए, से, का, की, के, पर, में ।

राजकुमार	राजा का कुमार	गगनचुंबी	गगन को चूमनेवाला
तुलसीकृत	तुलसी के द्वारा कृत	गुरुदक्षिणा	गुरु के लिए दक्षिणा
बंधनमुक्त	बंधन से मुक्त	दानवीर	दान में वीर
स्वर्गप्राप्त	स्वर्ग को प्राप्त	ग्रंथकार	ग्रंथ कि लिखनेवाला
चिडिमार	चिडियों को मरनेवाला	परलोकगमन	पलोक को गमन
अकालपिडित	अकाल से पीडित	सूरकृत	सूर के द्वारा कृत
शक्तिसंपन	शक्ति से संपन	रेखांकित	रेखा के द्वारा अंकित
अश्रुपूर्ण	अश्रु से पूर्ण	सत्याग्रह	सत्य के लिए आग्रह
राहखर्च	राह(रास्ता) के लिए खर्च	सभाभवन	सभा के लिए भवन
धनहीन	धन के हीन	जन्मांध	जन्म से अंधा
बंधनमुक्त	बंदन से मुक्त	पथभ्रष्ट	पथ से भ्रष्ट
प्रेमसागर	प्रेम का सागर	भूदान	भू (भूमि) का दान
जलधारा	जल की धारा	देशवासी	देश के वासी
आपबीती	आप पर बीती	कार्यकुशल	कार्य में कुशल
नरश्रेष्ठ	नरों में श्रेष्ठ		

II. कर्मधारय समास :-

इस समास में पूर्व पद प्रधान होता है और वह गुणवाचक विशेषण होता है । कभी-कभी उत्तर पद भी विशेषण होता है । दोनों पदों में एक विशेषण तथा दूसरा विशेष्य होता है ।

कनकलता	कनक के समान लता	चंद्रमुख	चंद्र के समान मुख
चरणकमल	कमल जैसे चरण	नीलागगन	नीला है जो गगन
सतधर्म	सत्य है जो धर्म	पीतांबर	पीला है जो अंबर
नीलकंठ	नीला है जो कंठ	करकमल	कमल रूपी चरण

- **पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य ।**

उदाहरण :-

पहला पद	दूसरा पद	समस्त पद	विग्रह
सत	धर्म	सदधर्म	सच्चा है जो धर्म
पीता	अंबर	पीतांबर	पीता(पीला) है जो अंबर
नील	कंठ	नीलकंठ	नील है जो कंठ

Nabi Sir GHS Gadadkal

- **पहला पद उपमान तथा दूसरा पद उपमेय हो ।**

पहला पद	दूसरा पद	समस्त पद	विग्रह
कनक	लता	कनकलता	कनक के समान लता
चंद्र	मुख	चंद्रमुख	चंद्र के समान मुख

- **पहला पद उपमेय तथा दूसरा पद उपमान हो ।**

पहला पद	दूसरा पद	समस्त पद	विग्रह
मुख	चंद्र	मुखचंद्र	चंद्रमा रूपी मुख
कर	कमल	करकमल	कमल रूपी कर

III. द्विगु समास :-

इस समास का पूर्व पद हमेशा संख्यावाचक होता है ।

चौरह	चार रास्तों का समूह	पंचवटी	पाँच चटों का समूह
त्रिवेणी	तीन वेणियों का समूह	पंजाब	पाँच नदियों का समूह
चौमासा	चार मासों का समूह	दुआना	दो आनों का समूह
सतसई	सात सौ दोहों का समूह	त्रिधारा	तीन धाराओं का समूह
शताब्दी	शत(सौ) वर्षों का समूह	बारहमासा	बारह मासों (महिनों) का समूह

IV. द्वंद्व समास :-

- इस समास में दोनों पद समान होते हैं ।
- इस समास को यदि विग्रह करें तो दोनो पदों के बीच में समुच्चय बोधक शब्द (और, या, तथा आदि) आते हैं ।

पति-पत्नी	पति और पत्नी	सुख-दुःख	सुख और दुःख
दाल-चावल	दाल और चावल	दो-चार	दो या चार
दिन-रात	दिन तथा रात	अच्छा-बुरा	अच्छा या बुरा
दाल-रोटी	दाल और रोटी	इधर-उधर	इधर और उधर
भला-बुरा	भला और बुरा	सीता-राम	सीता और राम
पाप-पुण्या	पाप अथवा पुण्या	सुबह-शाम	सुबह और शाम

V. बहुव्रीहि समास :-

इस समास में दोनों पद प्रधान नहीं होते हैं । जब समस्त पद बनता है तो किसी तीसरे अर्थ का अभास होता है ।

महात्मा	महान है जिसकी आत्मा	गांधीजी
नीलकंठ	नील है कंठ जिसका	शिव

Nabi Sir GHS Gandhial

चक्रपाणी	चक्र है पाणी (हाथ) में जिसके	विष्णु
दशानन	दस हैं आनन जिसके	रावण
घनश्याम	घन (मेघ) के समान श्याम रंग है जिसका	कृष्ण
श्वेतांबरी	श्वेत अंबर(कपडा) वाली	सरस्वती
लंबोदर	लंबा है उदर जिसका	गणेश
त्रिनेत्र	तीन हैं जिसके	शिव
वीणापाणी	वीणा है पाणी जिसके	सरस्वती

VI. अव्ययीभाव समास :-

अव्ययी का मतलब है अविकारी शब्द । इस समास का पूर्व पद अव्ययी होता है और वह समस्त पद को अविकारी बना देता है । (अकसर पूर्व पद उपसर्ग होता है)

आजन्म	जन्म से लेकर	भरपेट	पेट भर कर
यथास्थिति	जैसी स्थिति हो	अनदेखा	बिना देखे
बेहोश	होश के बिना	रातोंरात	रात ही रात
यथासंबव	जैसा संबव हो	अनजान	बिना जाने
बेदर्द	दर्द के बिना	बेखटके	खटक के बिना
अनदेखा	बिना देखे	भरसक	जितना हो सकता है

विराम चिह्न

"जब हम अपने भावों को भाषा के द्वारा व्यक्त करते हैं तब एक भाव की अभिव्यक्ति के बाद कुछ देर रूकते हैं यह रूकना ही विराम कहलाता हैं।"

इस विराम को प्रकट करने हेतु जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, विराम चिह्न कहलाते हैं।

हिंदी में निम्नलिखित विराम चिह्नों का प्रयोग होता हैं-

(1) अल्पविराम चिह्न --------------- (,)
(2) अर्धविराम चिह्न --------------- (;)
(3) पूर्णविराम चिह्न --------------- (|)
(4) अपूर्णविराम चिह्न --------------- (:)
(5) प्रश्नवाचक चिह्न --------------- (?)
(6) विस्मयादिबोधक चिह्न -------------- (!)
(7) निर्देशक चिह्न ------------- (_)

Nagji Sir GHS Gandhkal

(8) उद्धरण चिह्न ----------- (“ “)

(9) कोष्टक चिह्न --------------- ( )

(10) योजक चिह्न --------------- (-)

(11) विवरण चिह्न ---------------- (:-) (:)

(12) लाघव चिह्न ----------------- (0)

(13) हंस पद चिह्न ----------------- (^)

(1) अल्पविराम चिह्न (,)

"पढ़ते अथवा बोलते समय बहुत थोड़ा रुकने के लिए अल्प विराम-चिह्न का प्रयोग किया जाता है।"

जैसे- (i) सतीश, विवेक और रमेश खेलने के बाद घर चले गये।

(2) अर्धविराम चिह्न (;)

"जहाँ अल्प विराम की अपेक्षा कुछ ज्यादा देर तक रुकना हो वहाँ इस अर्ध-विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।"

जैसे- (i) खूब मन लगाकर पढ़; परीक्षा निकट आ गई है।

(3) पूर्णविराम चिह्न (।)

"जहाँ वाक्य पूर्ण होता है वहाँ पूर्ण विराम-चिह्न का प्रयोग किया जाता है।"

जैसे- (i) मोहन एक अच्छा लड़का है। (ii) यह गाय है।

(4) अपूर्णविराम चिह्न (:)

"जहाँ वाक्य पूरा नहीं होता, बल्कि किसी वस्तु अथवा विषय के बारे में बताया जाता है, वहाँ अपूर्ण विराम-चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे- (i) श्री कृष्ण के अनेक नाम है: मोहन, गोपाल, गिरिधर आदि।

(5) प्रश्नवाचक चिह्न (?)

"प्रश्नवाचक वाक्यों के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।"

जैसे- (i) आपका नाम क्या है? (ii) क्या आप मैसूरु जा रहे हैं?

(6) विस्मयादिबोधक चिह्न (!)

"विस्मय, हर्ष, शोक, घृणा आदि भावों को दर्शानेवाले शब्द के बाद अथवा कभी-कभी ऐसे वाक्यांश या वाक्य के अंत में भी विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।"

जैसे- (i) वाह! (ii) कितना अच्छा! (iii) हाय! (iv) हाय हाय! (v) शाबश!

(7) निर्देशक चिह्न (-)

इसका प्रयोग विषय-विभाग संबंधी प्रत्येक शीर्षक के आगे, वाक्यों, वाक्यांशों अथवा पदों के मध्य विचार अथवा भाव को विशिष्ट रूप से व्यक्त करने हेतु, उदाहरण अथवा जैसे के बाद, उद्धरण के अंत में, लेखक के नाम के पूर्व और कथोपकथन में नाम के आगे किया जाता है।

जैसे- (i) अध्यापक ने कहा-"भाषा में लिखकर अभ्यास करना चाहिए।"

Nagi Sir GHS Ganadhal

(8) उद्धरण चिह्न (" ") (' ')

अन्य की उक्ति को बिना किसी परिवर्तन के ज्यों-का-त्यों रखा जाता है, तब वहाँ इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। इसके पूर्व अल्प विराम-चिह्न लगता है।

जैसे- (i) राम ने श्याम से कहा, मैं तुम्हारी मदद करूँगा।"

(ii) 'रामचरितमानस' गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित एक महाकाव्य है।

(9) कोष्टक चिह्न ( )

इसका प्रयोग पद (शब्द) का अर्थ प्रकट करने हेतु, क्रम-बोध और नाटक या एकांकी में अभिनय के भावों को व्यक्त करने के लिए किया जाता है।

जैसे- (i) राम के अनन्य भक्त (हनुमान) ने चुनौती स्वीकार की।

(10 योजक चिह्न (-)

समस्त किए हुए शब्दों में जिस चिह्न का प्रयोग किया जाता है, वह योजक चिह्न कहलाता है।

जैसे- (i) फल-फूल (ii) राम-रहीम

(11) विवरण चिह्न (:- और :)

वाक्यांशों के विषय में सूचना या निर्देश आदि देने के लिए विवरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे-(i) सांप्रदायिकता:-राष्ट्रीय एकता के लिए भयंकर खतरा

(ii) साहित्य:मानवता का दर्पण और दीपक

(12) लाघव चिह्न (o)

किसी बड़े शब्द को संक्षेप में लिखने के लिए उस शब्द का प्रथम अक्षर लिखकर उसके आगे शून्य लगा देते हैं।

जैसे- (i) पंडित=पंo (ii) डॉक्टर=डॉo (iii) प्रोफेसर=प्रोo

(13) हंसपद चिह्न (^)

वाक्य लिखते समय यदि गलती से कोई शब्द छूट जाए, तो उसे लिखने के लिए हंसपद अथवा त्रुटिपूरक चिह्न का प्रयोग किया जाता हैं।

जैसे- मामा जी

(i) कल मेरे ^आनेवाले हैं।

लिंग

"शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति अथवा स्त्री जाति का बोध होता हैं, तो उसे लिंग कहते हैं।"

हिंदी भाषा में लिंग के दे भेद होते हैं-

(I) पुल्लिंग (II) स्त्री लिंग

(I) **पुल्लिंग:-** "पुरुष जाती का बोध करानेवाले शब्द पुल्लिंग होते हैं।"

(II) **स्त्री लिंग:-** "स्त्री जाती का बोध करानेवाले शब्द स्त्री लिंग होते हैं।"

पाठ में आए हुए कुछ प्रमुख लिंग जो इस प्रकार हैं-

Nabi Sir GHS Gonadhal

पुल्लिंग	स्त्री लिंग	पुल्लिंग	स्त्री लिंग
कवि	कवयित्री	आदमी	औरत
लेखक	लेखिका	छात्र	छात्रा
युवक	युवती	आचार्य	आचार्या
बालक	बालिका	देव	देवी
मोर	मोरनी	नाना	नानी
नौकर	नौकरानी	बेटा	बेटी / बिटिया
मालिक	मालकिन	सुनार	सुनारिन
भिखारी	भिखारिन	नाई	नाइन
बच्चा	बच्ची	ठाकुर	ठकुराइन
बूढ़ा	बूढ़ी	सेवक	सेविका
श्रीमान	श्रीमती	सेठ	सेठानी
मयूर	मयूरी	शेर	शेरनी
कुत्ता	कुतिया	महान	महती
पति	पत्नी	भाग्यवान	भाग्यवती
पिता	माता	स्वामी	स्वामिनी
माँ	बाप	एकाकी	एकाकिनी
महिला	पुरुष	दाता	दात्री
नर	मादा	विधाता	विधात्री
भाई	बहन		

वचन

"शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध होता हैं, तो उसे वचन कहते हैं।

हिंदी भाषा में वचन के दो भेद होते हैं-

(1) एकवचन (2) बहुवचन

(1) **एकवचन:-** "जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द से उसके एक होने का पता चलता हैं, तो उसे एकवचन कहते हैं।"

(2) **बहुवचन:-** "जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द से उसके एक से अधिक होने का पता चलता हैं, तो उसे बहुवचन कहते हैं।"

पाठ में आए हुए कुछ वचन शब्द जो इस प्रकार हैं-

Nabi Sir GHS Ganadhal

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
खबर	खबरें	गमला	गमले
किताब	किताबें	घोसला	घोंसले
जगह	जगहें	संधि	संधियाँ
कोशिश	कोशिशें	मूर्ति	मूर्तियाँ
युग	युग	उपलब्धि	उपलब्धियाँ
दोस्त	दोस्त	कृति	कृतियाँ
कंप्यूटर	कंप्यूटर	नीति	नीतियाँ
रिश्तेदार	रिश्तेदार	संस्कृति	संस्कृतियाँ
जिंदगी	जिंदगियाँ	पद्धति	पद्धतियाँ
जानकारी	जानकारियाँ	कपड़ा	कपड़े
चिट्ठी	चिट्ठियाँ	चादर	चादर
जीवनशैली	जीवनशैलियाँ	बात	बातें
उँगली	उँगलियाँ	डिब्बा	डिब्बें
पूँछ	पूँछें	चीज़	चीज़ें
खिड़की	खिड़कियाँ	व्यवस्था	व्यवस्थाएँ
फूल	फूल	सेवा	सेवाएँ
पंजा	पंजे	पक्षी	पक्षियाँ
लिफाफा	लिफाफें	बच्चा	बच्चे
कौआ	कौए		

कारक

"संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य में अन्य शब्दों के साथ जाना जाता हैं, तो उसे कारक कहते हैं।"

हिंदी में कारक के निम्नलिखित आठ भेद है-

(1) कर्ता कारक (2) कर्म कारक (3) करण कारक (4) संप्रदान कारक

(5) अपदान कारक (6) संबंध कारक (7) अधिकरण कारक (8) संबोधन कारक

(1) कर्ता कारक (ने):-

कर्ता शब्द का अर्थ है- करने वाला। दूसरे शब्दों में, जिस रूप से क्रिया (कार्य) के करने वाले का बोध होता हैं, तो उसे कर्ता कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'ने' है।

उदाहरण- (i) रमेश ने सुरेश की सहायता की। (ii) बाज़ीगर ने अनेक चमत्कार दिखाये।

(2) कर्म कारक (को):-

क्रिया के कार्य का फल जिस पर पड़ता हैं, तो उसे कर्म कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'को' है।

उदाहरण- (i) मालिक ने नौकरों को वेतन दिया। (ii) लोगों ने चोर को पकड़ा।

(3) करण कारक (से):-

करण का अर्थ है- साधन। वाक्य की क्रिया को संपन्न करने के लिए जिस निर्जीव संज्ञा का प्रयोग साधन के रूप में किया जाता हैं, तो उसे करण कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'से' है।

उदाहरण- (i) किसान हल से खेत जोत रहा है। (ii) रमेश कलम से पत्र लिखता है।

(4) संप्रदान कारण (को, के लिए, हेतु, के द्वारा और के वास्ते):-

इससे क्रिया करने के उद्देश्य या प्रयोजन का बोनी होता हैं, तो उसे संप्रदान कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'को, के लिए, हेतु, के द्वारा और के वास्ते' है।

उदाहरण- (i) नेताजी ने गरीबों को कंबल बाँटे। (ii) माता ने बेटी के लिए एक अंगूठी खरीदी। (iii) नेहा शोभा के लिए पुस्तक लायी। (iv) बहनें अपनी रक्षा हेतु भाइयों को राखी बाँधती हैं।

(5) अपादान कारक (से):-

जब वाक्य की किसी संज्ञा के क्रिया के द्वारा अलग होने, तुलना होने या दूरी होने का भाव प्रकट होता हैं, तो उसे अपादान कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'से' है।

उदाहरण- (i) गंगा हिमालय से निकलती है। (ii) पेड़ से फल गिरा।

(6) संबंध कारक (का, की और के):-

शब्द के जिस रूप से किसी एक वस्तु का दूसरी वस्तु से संबंध प्रकट होता हैं, तो उसे संबंध कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'का, की और के' है।

उदाहरण-(i) सरोवर का पानी स्वच्छ होता है। (ii) शशि की माता खुश थी। (iii) सोहन के दादा निरक्षर थे।

(7) अधिकरण कारक (में और पर) :-

शब्द के जिस रूप से क्रिया के आधार का बोध होता हैं, तो उसे अधिकरण कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'में और पर' है।

उदाहरण- (i) रमेश के पिता मुंबई में रहते हैं। (ii) पेड़ पर अनेक पंछी बैठते हैं।

(8) संबोधन कारक ('अरे, हे, ओ, हो और वाह'):-

जिससे किसी को बुलाने या सचेत करने का भाव प्रकट होता हैं, तो उसे संबोधन कारक कहते हैं। संबोधन कारक में संज्ञा शब्दों के बाद संबोधन चिह्न (!) लगाया जाता है। इसका विभक्ति चिह्न 'अरे, हे, ओ, वाह और हो' है।

उदाहरण- (i) अरे! यह क्या हो गया? (ii) हे भगवान! अब मैं क्या करूँ।
(iii) ओ लड़के! ज़रा सुन तो। (iv) वाह! कितना अच्छा है।

Nabi Sir GHS Ganadhal

पर्यायवाची / समानार्थक शब्द

"जो शब्द एक-सा अर्थ बताते है, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते है।"

पाठ में आए हुए कुछ प्रमुख पर्यायवाची शब्द जो इस प्रकार है-

(1) *आयु* = वय, उम्र

(2) *विपुल* = अधिक, ज्यादा

(3) *स्फूर्ति* = उत्साह, उल्लास

(4) *संपदा* = संपत्ति, ऐश्वर्य, जायदाद

(5) *गौरव* = इज्जत, मान, सम्मान

(6) *उपचार* = चिकित्सा, इलाज

(7) *गात* = शरीर, देह

(8) *आहार* = खाना, भोजन

(9) विस्मय = अचरच, आश्चर्य

(10) *हिम्मत* = साहस, धैर्य

(11) *खोज* = तलाश, ढूँढ़

(12) पर्वत = अद्रि, पहाड़, गिरि

(13) *सागर* = सिंधु, रत्नाकर, समुद्र

(14) *आगर* = घर, गृह, भवन

(15) *जल* = पानी, नीर, वारी

(16) *आकाश* = आसमान, बानु, नभ

(17) *शाम* = संध्या, झुटमुट

(18) *माल* = चीज, वस्तु

(19) *दुनिया* = संसार, जगत्

(20) *बोझ* = वजन, भारी चीज

(21) *उम्मीद* = विश्वास, भरोसा

(22) *पेड़* = वृक्ष, तरू

(23) *पक्षी* = पंछी, खग

(24) *महिला* = स्त्री, औरत

(25) *तबीयत* = स्वस्थ, आरोग्य

'कि' और 'की' का प्रयोग

(I) 'कि' का प्रयोग: हिंदी व्याकरण में इनकी जानकारी अत्यंत आवश्यक है। व्याकरण की दृष्टि में 'कि' एक अव्यय (अविकारी) है, जिसका रूप कभी नहीं बदलता। 'कि' संयोजक या विभाजक अव्यय होने के कारण दो वाक्यों के बीच में ही प्रयोग होता है। दो वाक्यों को जोड़ने के लिए इस अव्यय का प्रयोग होता है।

उदाहरण: (1) राम ने कहा कि उसके पिताजी का नाम दशरथ है।

(2) पुलिस ने चोर को इतना पीटा कि वह बेहोश हो गया।

(3) बस रूकी भी नहीं था कि लोग उसकी ओर दौड़ पड़े।

(4) पिताजी मुझे पैसे देनेवाले ही थे कि चाचाजी ने कहा "उसे पैसा मत दो"।

(5) मैं बाहर जानेवाला ही था कि बारिश आ गयी।

(6) तुम चाय पिओगे कि काफी?

(7) राम आया कि कृष्ण?

(II) 'की' का प्रयोग: संज्ञा या सर्वनाम शब्द के बाद आने वाले अन्य संज्ञा शब्द के बीच 'की' का प्रयोग होता है। यह दोनों शब्दों को जोड़ने और उनके बीच संबंध स्थापित करने का कार्य करता है।

'की' का प्रयोग निम्नलिखित तीन स्तरों पर होता है-

(i) संबंध कारक का विकारी परसर्ग के रूप में

(ii) संबंध सूचक के पूर्व प्रयोग में

(iii) करना क्रिया के भूतकालिक रूप में

(i) संबंध कारक का विकारी परसर्ग के रूप में: जिससे एक वस्तु का दूसरी वस्तु से संबंध का बोध हो, उसे संबंध कारक कहते हैं। संबंध कारक विकारी परसर्ग (प्रत्यय) का, के, की में 'की' जो स्त्रीलिंग संज्ञा के पहले प्रयुक्त होता है।

जैसे- (1) भारत की राजधानी (2) शहर की लड़कियाँ (3) बेटे की लड़की
(4) मोहन की किताबें (5) पिताजी की किताब (6) घर की रोटियाँ
(7) आप की बातें

(ii) संबंध सूचक के पूर्व प्रयोग में: वाक्य में कुछ संबंध सूचक अव्यय के पूर्व 'की' विभक्ति आती है।

जैसे- (1) राम की ओर (2) उसकी तरफ़ (3) पेड़ की भाँति

(iii) करना क्रिया के भूतकालिक रूप में: 'करना' क्रिया का भूतकाल में स्त्रीलिंग एक वचन रूप होता है 'की'।

जैसे- (1) राम ने परीक्षा पास की। (2) मैं ने दिल्ली की यात्रा की। (3) उसने कोई गलती नहीं की।

रचना भाग

निबंध-1

पर्यटन

(1) **विषय प्रवेश:-** पर्यटन को देशाटन भी कहते हैं। इसे यात्रा भी कहते हैं। मानव स्वभाव से ही जिज्ञासु होता है। वास्तव में मानव की प्रगति का इतिहास उसकी जिज्ञासु प्रवृत्ति का ही परिणाम है। पर्यटक को घुमक्कड भी कहते हैं।

(2) **पर्यटन-एक उद्योग:-** आज पर्यटन एक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय उद्योग के रूप में विकसित हो चुका है। इस उद्योग के प्रसार के लिए देश-विदेश में पर्यटन मंत्रालय बनाये गये हैं।

(3) विकास का सूत्रधार:- पर्यटन मंत्रालय पर्यटन के विकास और संवर्धन एजेंसी का कार्य करता है। पर्यटन मंत्रालय, भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंध संस्थान, राष्ट्रीय जलक्रीड़ा संस्थान, राष्ट्रीय होटल प्रबंध और कैटरिंग टेक्नोलॉजी परिषद जैसे स्वायत्त संस्थाओं का भी प्रभाव वहन करता है।

(4) पर्यटन से लाभ:- पर्यटन से अनेक लाभ हैं- मानव का अनुभव बढ़ता है। ज्ञान-विज्ञान में महती वृद्धि होती है। औद्योगिक और व्यवसायिक उन्नती होती है।

Nabi Sir GHS Gangadhal

(5) पर्यटन-एक शौक:- पर्यटन शौक के अनेक प्रकार है। उनमें विभिन्न सांस्कृतिक स्थलों को देखना। दर्शनीय स्थानों को देखना। प्राकृतिक सौंदर्यों को आस्वादन करना। देश-विदेशों को घूमना आदि।

(6) उपसंहार:- पर्यटन हमारा बहुत बड़ा शिक्षक है। इसके द्वारा हमको अनेक प्रकार की प्रत्यक्ष जानकारी मिलती है। पर्यटन द्वारा हमारा आलस्य दूर होता है और हमको नई स्फूर्ति मिलती है।

निबंध-2

नागरिक के कर्तव्य

(1) विषय प्रवेश:- किसी राष्ट्र में रहनेवाले प्रत्येक नागरिक के कुछ-न-कुछ अधिकार और कर्तव्य अवश्य होते हैं। इन अधिकारों का लाभ उठाने के लिए उसे कुछ कर्तव्य का भी अनिवार्य के रूप में पालन करना पड़ता है। प्रत्येक राष्ट्र नागरिकों के जीवन, संपत्ति एवं अधिकारों की रक्षा की जिम्मेदारी अपने ऊपर लेता है।

(2) नागरिक-समाज और राष्ट्र:- नागरिक का अपने देश अपनी मातृभूमि से लगाव स्वाभाविक ही है। ये प्रेम विश्व के सभी आकर्षणों से बढ़कर है। इस देश के प्रति उसके कुछ दायित्व हैं, यदि वह इन दायित्वों का निर्वाह नहीं करता, तो वह राष्ट्रीय नहीं कहला सकता। राष्ट्रीय कर्तव्य का निर्वाह सिर्फ सेना में भर्ती होकर नहीं किया जा सकता, वरन् अपेक्षित दीन-दुःखियों, दलित जन, रोगी की सहायता करके भी हम राष्ट्र धर्म का निर्वाह कर सकते हैं।

(3) नागरिक के कर्तव्य अथवा नागरिकता के लक्षण:- प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह समय पर करों की अदायगी पूरी ईमानदारी से करें। आयकर संपत्तिकर या किसी प्रकार के सरकार की कर की अदायगी करें।

(4) नागरिक की पहचान:- नागरिक की पहचान उसके कर्मों से होता है न कि दिखावट से। जो समाज के हित के लिए, अपने राष्ट्र हित के कुछ सोचता रहता है।

(5) नागरिक के अधिकार:- समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के खिलाफ अधिकार, धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार, सांविधानिक अधिकार, सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकार।

Nabi Sir GHS Gandhal

(6) नागरिक और सरकार:- सरकार मानव जीवन समस्त संप्रदायों में शांति स्थापित करने की पूर्ण चेष्टा करती है। नागरिक जीवन में हमें अनेक सुविधाएँ राष्ट्र की ओर से प्राप्त होती हैं। भारत सरकार ने अपने नागरिकों को संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करने का अग्रसर प्रदान करता है।

(7) उपसंहार:- किसी देश के नागरिकों में अपने देश व समाज के प्रति तथा उसके जीवन में काम आनेवाली संस्थाओं के प्रति नागरिक बोध अवश्य होना चाहिए। वर्तमान समय में विसंगति है कि लोग अपने अधिकारों की बात तो करते हैं। किंतु कर्तव्य की बात भूल जाते हैं।

निबंध-3

बेरोज़गारी

(1) विषय प्रवेश:- आज हमारा भारत देश बेकारी समस्या के साथ गुजरा रहा है। हमारे देश में पढ़े-लिखे नौजवानों की कमी नहीं है। उसकी तुलना में नौकरों के अवसरों में कमी हुई है। यह एक ऐसी समस्या है जो देश की उन्नति में बाधक नहीं वरन् एक ऐसी भयंकर परिस्थितियों को भी जन्म दे सकती है, जिससे देश की वर्तमान सरकार ही धराशायी हो जाये। ये बेकारी की समस्या पढ़े-लिखे वर्ग के समक्ष ही नहीं है, अपितु किसानों, मजदूरों, व्यापारियों आदि सबके समक्ष हैं।

(2) बेरोज़गारी के प्रकार:-

(क) पूर्ण वर्ग:-

(ख) आंशिक वर्ग:- गतिशीलता से संबंधित अल्पकालिक बेरोजगारी जब कोई व्यक्ति जो बेहतर नौकरी पाने के लिए अपनी नौकरी छोड़ता है तो उसे आंशिक बेरोजगार माना जाता है।

(ग) शिक्षित वर्ग:- शिक्षित वर्ग जीविका के अभाव में शारीरिक और मानसिक दोनों व्याधियों का शिकार बनता जा रहा है। वह व्यावहारिकता से शून्य पुस्तकीय शिक्षा के उपार्जन में अपने स्वास्थ्य को तो गँवा ही देता है, साथ ही शारीरिक श्रम से विमुख हो अकर्मण्य भी बन जाता है। परंपरागत पेशे में उसे एक प्रकार की झिझक का अनुभव होता है।

(घ) अशिक्षित वर्ग:- बेरोजगारी में एक वर्ग तो उन लोगों का है, जो अशिक्षित या अर्द्धशिक्षित हैं और रोजी-रोटी की तलाश में भटक रहे हैं।

Nabi Sir GHS Ganadhal

(3) बेरोज़गारी के दुष्परिणाम:-

(i) अपराधों की वृद्धि, (ii) देश की प्रतिभा की अनुपयोगिता,

(iii) राष्ट्रीय साधनों का अपव्यय ।

(4) बेरोज़गारी के कारण:- बेरोज़गारी के कारण अनेक हैं। उनमें प्रमुख हैं-

(i) जनसंख्या में वृद्धि:- बढ़ती हुई जनसंख्या बेकारी का प्रमुख कारण है। हमारे देश में बढ़ती हुई जनसंख्या की तुलना में रोज़गारों के अवसरों में वृद्धि नहीं हुई है।

(ii) दोषपूर्ण शिक्षा-पद्धति:- हम जो शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, वह हमें इस योग्य नहीं बनाती कि हम उसका भविष्य में उपयोग कर रोज़गार प्राप्त कर सकें।

(iii) उद्योग-धंधों का अभाव:- आजकल बड़े पैमाने के उद्योगों में आधुनिक मशीनों का उपयोग होता है। मशीनें कम समय में अच्छा व मितव्यी काम करता है। एसे में लघु व कुटीर उद्योग-धंधों का बना माल, जो कि महँगा होता है, उसमें अधिक समय भी लगता है। भला वह मशीनों का मुकाबला किस तरह कर पायेगा।

(5) बेरोज़गारी दूर करने का उपाय :- बेरोज़गारी दूर करने के अनेक उपाय हैं। उनमें प्रमुख हैं-

(i) शिक्षा पद्धति में सुधार करना, (ii) उद्योग-धंधों का विकास करना, (iii) जनसंख्या वृद्धि पर रोकना,

(iv) अकर्मण्यता का अंत करना, (v) ग्राम विकास तथा कृषि सुधारना,

(vi) बेरोज़गारी हेतु सरकारी प्रयास रहना चाहिए।

(6) उपसंहार:- प्रत्येक व्यक्ति को रोज़गार पाने का अधिकार है। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह सभी को रोज़गार उपलब्ध करायें। सरकार द्वारा स्वरोज़गार हेतु उचित मार्गदर्शक, आर्थिक मदद, ग्राम पंचायत स्तर पर करनी चाहिए। लघु-कुटीर उद्योगों हेतु प्रेरित कर महात्मा गाँधी के ग्राम स्वरोज़गार के स्वप्न को साकार करना चाहिए।

निबंध-4

महँगाई

(1) विषय प्रवेश:- भारत आज अनेक समस्याओं से घिरा हुआ है। जिनमें महँगाई की समस्या विशेष भयंकर रूप धारण कर चुकी है। महँगाई अनेक समस्याओं से जुड़ी हैं। इससे मुक्ति पाने के लिए सरकार प्रयत्नशील तो है फिर भी यह नियंत्रण के बाहर है।

Nabi Sir GHS Gandhal

(2) जीवन की मूल आवश्यकताएँ:- जीवन की मूल आवश्यकताएँ- रोटी, कपड़ा, मकान आदि है। इन आवश्यक उपयोगी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होने के कारण आम आदमी का जीना दुर्भल हो गया है और उनके सामने रोटी की समस्या खड़ी हो गयी है।

(3) महँगाई के कारण:- देश के कुछ वर्षों में से कालाबाज़ार बहुत बढ़ गया है। जमाखोर वस्तुओं को बाहर नहीं निकालते। अमीर लोग इस अभाव को वस्तुएँ खरीदकर और भी दुर्गम बना देते हैं और वस्तुओं के दाम बढ़ते ही जाते हैं।

(4) महँगाई से उत्पन्न अपराध:- महँगाई का ही दुष्परिणाम है कि कुछ समय पहले जो दाल में हमें 20 रूपये प्रति किलो के हिसाब से मिलती थी। उसकी कीमत अब 100 रूपये प्रति किलो हो चुकी है।अनाज और सब्जियों की कीमतें बढ़ गयी है। महँगाई के कारण भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा मिलता है।

(5) महँगाई को दूर करने के उपाय:- मूल्य वृद्धि की समस्या को रोकना। उन सभी भावनाओं का समावेश कराना होगा, जिसमें नैतिकता रूपी मूल्य समाहित होते हैं। इसका समूल विनाश करने के लिए तो भ्रष्टाचार, मिलावट और कालाबाजी करनेवालों पर शासक वर्ग का कठोर नियंत्रण होना चाहिए।

(6) उपसंहार:- आवश्यक उपयोगी वस्तुओं के मूल्यों में निरंतर वृद्धि अर्थात् महँगाई किसी भी अर्थ व्यवस्था के लिए खतरनाक है। इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो अनेक कठिनाओं, बुराइयों और भ्रष्टाचार को प्रेरणा मिलती है। इस कारण देश की आर्थिक वृद्धि मंद पड़ जाएगी। मानव-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। अतः ममहँगाई पर नियंत्रण के लिए यथाशीघ्र कड़े से कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है।

निबंध-5

वन महोत्सव

(1) विषय प्रवेश:- मानव जीवित रहने के लिए वन्य संपदा की उतनी ही आवश्यकता है, जितनी की अन्य संपदाओं की। पौधे और जंतु दोनों ही वन के अंग है। यदि कोई एक अंग समाप्त हो जाएगा तो समूचा वन समाप्त हो सकता है।

(2) वृक्षों का उपयोग:- वृक्षों से अनेक उपयोग हैं। वे हैं-

(i) लकड़ी प्राप्ति, (ii) उद्योगों के लिए कच्चामाल, (iii) फलों की प्राप्ति,

(iv) रोज़गार की प्राप्ति,

(v) पशुओं चारा, (vi) इंदन प्राप्ति, (vii) पशु-पक्षियों का संरक्षण,

(viii) बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति, (ix) जलवायु, (x) वर्षा में सहायक,
(xi) भूमि कटाव पर रोक,
(xii) बाढ़ पर नियंत्रण, (xiii) राष्ट्र की सुरक्षा, (xiv) पर्यावरण को शुद्ध रखना।

(3) वृक्षों की उपयोगिता के बारे में वैज्ञानिकों का मत:- वैज्ञानिकों के मतानुसार स्वस्थ वातावरण के लिए 33% भूमि पर वन होना चाहिए। इससे पर्यावरण का संतुलन बना रहता है।

(4) वनों से प्राप्त होनेवाली विभिन्न वस्तुएँ, राष्ट्रीय आय के साधन:- वनों से अनेक वस्तुएँ प्राप्त होती हैं। उनमें प्रमुख हैं- गोंद, जड़ीबूटियाँ, रबड़, लाख, चमड़ा आदि।

इन वस्तुओं से चमड़ा उद्योग, दियासलाई उद्योग, फर्नीचर उद्योग। भारत के वन उत्पादन तथा इससे संबंधित कार्यों से लगभग 80 लाख लोगों को रोज़गार मिलता है।

(5) वनों का नाश:- वनों के नाश के कारण जल प्रदूषण, रासायनिक प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, वैचारिक प्रदूषण आदि उत्पन्न हो जाते हैं।

(6) वृक्षारोपण अथवा वन महोत्सव की परम्परा:- वन महोत्सव भारत सरकार द्वारा वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने के लिए प्रति वर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में आयोजित किया जाने वाला एक महोत्सव है। यह 1950 के दशक में पर्यावरण
संरक्षण और प्राकृतिक परिवेश के प्रति संवेदनशीलता को अभिव्यक्त करनेवाला एक आंदोलन था। 1950 में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, साहित्यकार एवं तत्कालीन कृषि मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने इसका सूत्रपात किया था।

(7) उपसंहार:- वनों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। वन किसी भी देश की आर्थिक प्रगति का आधार होते हैं। इसी संदर्भ में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने कहा है कि "एक उगता हुआ पेड़ प्रगतिशील राष्ट्र का प्रतीक है। किंतु भारत में वनों से जो आय प्राप्त होती है वह अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है। इस कारण हमारे वनों पर आधारित उद्योग भी पिछड़े हुए है।" अतः सरकार को वृक्षों की कटाई को रोकने के लिए कठोर कदम उठाने चाहिए। इसके साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ लगाकर इस कार्यक्रम में अपना सहयोग देना चाहिए।

निबंध-6

<u>जनसंख्या की समस्या</u>

(1) विषय प्रवेश: जनसंख्या की समस्या सामान्य रूप से विश्व की समस्या है। प्रति तीन सेकंड में बच्चे जन्म लेते हैं। परंतु भारत में यह समस्या विशेष रूप से विकट बन गई है। भारत क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सातवाँ देश है, परंतु जनसंख्या की दृष्टि से दूसरे स्थान पर है। यह केवल चीन से पीछे है। इस समय भारत की जनसंख्या 100 करोड़ से अधिक है। जनसंख्या वृद्धि की वर्तमान गति से अनुमान है कि सन् 2020 ई. तक भारत की जनसंख्या 100 करोड़ से कई गुना अधिक होगी।

(2) जनसंख्या में वृद्धि के कारण: जनसंख्या में वृद्धि के कई कारण हैं; यथा-

(i) विज्ञान की उन्नति के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सुविधाओं में उन्नति हुई है। फलतः जन्म लेनेवाले शिशुओं की मृत्यु दर में कमी हुई है तथा ओसत आयु में वृद्धि हुई है, यानी आजकल एक भारतवासी पहले की अपेक्षा अधिक समय तक जीवित रहता है।

(ii) प्राचीन मान्यताओं के अनुसार बच्चे भगवान की देन हैं। अतएव परिवार नियोजन जैसे उपायों को सामान्यतः अच्छी नज़र से नहीं देखा जाता।

(iii) यह भी एक दृष्टिकोण है कि अधिक बच्चे होने से काम करने के लिए तथा परिवार की रक्षा करने के लिए अधिक हाथ उपलब्ध होते हैं। उत्पादन की वृद्धि में जनशक्ति के महत्व को कौन नकार सकता है?

(iv) जनसंख्या वृद्धि को रोकने में सबसे अधिक बाधक तत्व है- अशिक्षा। अशिक्षित लोगों को इस बात का ज्ञान नहीं है कि छोटे परिवार के क्या फायदे हैं। दूसरा कारण है- अंधविश्वास तथा रूढ़िवादता। इसके अतिरिक्त भारतीय लोग संतान को ईश्वरीय देन समझते हैं तथा संतान को भाग्य के साथ जोड़ देते हैं।

(v) जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा किये जानेवाले उपायों के असफल होने का कारण ही यह है कि परिवार नियोजन अपनानेवाला वह वर्ग है, जिसके कम बच्चे होते हैं। जिनके अधिक बच्चे होते हैं, वे परिवार-नियोजन को अपनाते नहीं हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि भारत के लोग सामान्यतः परिवार-नियोजन सदृश उपचारों को अपनाने के प्रति विशेष उत्साह नहीं दिखाते हैं।

(3) परिणाम: जनसंख्या विस्फोट के दुष्परिणाम कई रूपों में दिखाई देते हैं। जनसंख्या के विस्फोट के कारण देश की प्रगति कुंठित होती है। कितने ही महत्वाकांक्षी कार्यक्रम बनाए जाएँ, वे अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते हैं। पिछली बारह पंचवर्षीय योजनाएँ भी अधिक जनसंख्या के कारण बौनी साबित हुई हैं। कितनी भी सुनियोजित एवं सुविचारित योजना बनाई जाए, वह कारगर नहीं होती है, क्योंकि जब तक योजना की अवधि पूरी होती होती

है, तब तक जनसंख्या इतनी अधिक हो जाती है कि योजना का सुफल उभर कर नहीं आ पाता है।

जनसंख्या विस्फोट के कारण बेकारी की समस्या में भी वृद्धि हुई है, क्योंकि जिस गति से जनसंख्या बढ़ी है उस गति से रोज़गार के साधनों में वृद्धि नहीं हुई है। नौकरियों की संख्या सीमित रहती है। अतः हमारे अनेक युवक-युवतियाँ बेरोज़गार बने रहते हैं।

बेरोज़गार युवक असामाजिक कार्यों में लिप्त हो जाते हैं, क्योंकि जीविकोपार्जन करके उन्हें अपनी आर्थिक आवश्यकताएँ तो पूरी करनी ही पड़ती हैं। यही कारण है कि हमारे देश में अनेक शिक्षित युवक आतंकवादी कार्यों तथा तस्करी में लिप्त दिखाई देते हैं।

जनसंख्या की वृद्धि के कारण अपराधों में वृद्धि हुई है तथा पर्यावरण प्रदूषण की समस्या उत्पन्न हो गई है। पर्यावरण प्रदूषण के फलस्वरूप बीमारियाँ फैलती हैं और समाज को स्वस्थ रखने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। वस्तुओं की मूल्य वृद्धि का एक प्रमुख कारण भी बढ़ती हुई जनसंख्या है। उत्पादन की तुलना में जब किसी वस्तु की माँग अधिक हो तो उस वस्तु के मूल्य में वृद्धि हो जाती है। जनसंख्या वृद्धि के कारण दिन-प्रतिदिन महँगाई बढ़ रही है।

(4) उपचार: हम सबका यह कर्तव्य है कि इस समस्या के निराकरण में पूरा योगदान दें। व्यक्तिगत रूप में परिवार को छोटे से छोटा रखने का प्रयास करें। हमें यह समझ लेना चाहिए कि अधिक बच्चों का पालन-पोषण बहुत कठिन होता है। बच्चों की संख्या जितनी कम होगी, उनकी देखभाल अधिक अच्छी तरह से कर सकेंगे।

हमारी सरकार तथा सामाजिक संस्थाओं को चाहिए कि सभाओं, गोष्ठियों, संचार-माध्यमों द्वारा छोटे परिवार से होनेवाले फायदों का प्रचार-प्रसार करें। कहने का तात्पर्य यह है कि परिवार को सीमित रखने की मानसिकता का प्रचार हर स्तर पर किया जाए,

जिससे जनसंख्या-नियंत्रण को जीवन का एक आवश्यक अंग मान लिया जाये।

(5) उपसंहार: हमारे देश के विकास में जनसंख्या की वृद्धि एक बहुत बड़ी बाधा है। यातायात, शिक्षा, रोज़गार आदि विविध क्षेत्रों में जनसंख्या की वृद्धि सिरदर्द बन गई है। इस समस्या से छुटकारा पाने का एक ही उपाय है- देश का प्रत्येक नागरिक इस समस्या का हल करने में सहायक हो। हमें निम्न पंक्तियाँ जन-जन तक पहुँचानी चाहिए-

"सुखमय जीवन का यह सार
दो बच्चों का हो परिवार।"

निबंध-7

नारी तुम केवल श्रद्धा हो

(1) विषय प्रवेश: भारत में नारी का स्थान पूजनीय है। इसलिए प्राचीन काल में यहाँ नारी के प्रति श्रद्धा एवं भक्ति की भावना थी। पुरुष के जीवन में वह माता के रूप में, बहन के रूप में तथा पत्नी के रूप में अपना योगदान देती है। नारी के बिना पुरुष का जीवन अधूरा माना जाता है। कहा गया है- "यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवताः" अर्थात्, "जहाँ नारी की पूजा होती है वहाँ भगवान का निवास होता है।" वेद-उपनिषद काल से नारी ने शास्त्र, गणित, खगोळ विज्ञान आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और कौशल को प्रमाणित किया है।

(2) विषय विस्तार: अनादिकाल से भारत में बहनेवाले पवित्र नदियों को गंगा, यमुना, कावेरी, नर्मदा जैसे स्त्रियों के नाम दिए हैं। कहीं-कहीं मातृप्रधान परिवार की स्वीकृति इस बात को प्रमाणित करती है कि सामाजिक क्षेत्र में भी नारी को मान-सम्मान प्राप्त हुआ है। लेकिन अज्ञान और रूढ़िग्रस्त अंधविश्वासों के कारण नारी का अनादर होने लगा। सुरक्षा के नाम पर उसकी स्वतंत्रता का हरण हुआ।

उसे मात्र विलास की वस्तु माना जाने लगा। बचपन में नारी को पिता के आश्रय में, उसके बाद पति के अधीन तथा अंत में अपने बच्चों के सहारे जीवन बिताना पड़ता था। लेकिन अब समय बदल गया है। नारी की स्थिति में बहुत बदलाव आये हैं। आज की नारी स्वतंत्र रूप से आगे बढ़कर पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला, साहित्य, संगीत और राजनीति आदि सभी क्षेत्रों में गणनीय प्रगति कल रही है।

भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद सरोजनी नायडू ने प्रथम महिमा राज्यपाल बनकर अपनी क्षमता का परिचय दिया। श्रीमती इंदिरा गाँधी ने प्रधानमंत्री बनकर भारत देश को प्रगति के पथ पर अग्रसित किया। अंतरिक्ष में प्रवेश करनेवाली प्रथम भारतीय महिला कल्पना चावला ने संसार को यह सिद्ध कर दिखाया है कि स्त्री अंतरिक्ष तक पहुँच सकती है। इसी प्रकार सुनिता विलियम्स ने भी अंतरिक्ष की यात्रा कर अपने साहस का परिचय दिया है। पी.टी. उषा, अश्विनी नाचप्पा, सानिया मिर्जा, साइना नेहवाल, मेरी कोम, ज्वाला गुट्टा आदि ने खेल-कूद के क्षेत्र में संसार भर में भारत का नाम रोशन किया है। अनेक महिलाएँ मुख्यमंत्री, जिलाध्यक्ष और उच्च अधिकारियों के रूप में प्रशासन का कार्य संभाल रही है।

(3) उपसंहार: आज केंद्र तथा राज्य सरकारों ने महिलाओं के लिए अनेक योजनाएँ बनाई हैं। उनके लिए आरक्षण दिया है। राज्य सरकार ने दसवीं कक्षा तक बालिकाओं को

निःशुल्क शिक्षा की योजना बनाई है। इसके अलावा अन्य कई सुविधाएँ भी दी जा रही हैं। आशा कर सकते हैं कि भारतीय नारी इन सुविधाओं से लाभान्वित होगी और अपने देश के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी।

निबंध-8

स्वच्छ भारत अभियान

* **प्रस्तावना** :- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत की स्वतंत्रता से पहले अपने समय के दौरान "स्वच्छता आजादी से अधिक महत्वपूर्ण है" कहा था। वे भारत के बुरे और गन्दी स्थिति से अच्छी तरह परिचित थे| उन्होंने भारत के लोगों को साफ-सफाई और स्वच्छता के बारे और इससे अपने दैनिक जीवन में शामिल करने पे बहोत जोर दिया था। हालांकि यह लोगो के कम रूचि के कारण असफल रहा। भारत की आजादी के कई वर्षों के बाद, सफाई के प्रभावी अभियान के रूप में इसे आरम्भ किया गया है और लोगो के सक्रिय भागीदारी चाहती है जिससे इस मिशन को सफलता मिले।

* **स्वच्छ भारत अभियान की महता** :- भारत के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने जून 2014 में संसद को संबोधित करते हुए कहा कि "एक स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया जाएगा जो देश भर में स्वच्छता, वेस्ट मैनेजमेंट और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए होगा। यह महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर 2019 में हमारे तरफ से श्रद्धांजलि होगी"। महात्मा गांधी के सपने को पूरा करने और दुनिया भर में भारत को एक आदर्श देश बनाने के क्रम में, भारत के प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी के जन्मदिन (2 अक्टूबर 2014) पर स्वच्छ भारत अभियान नामक एक अभियान शुरू किया। इस अभियान के पूरा होने का लक्ष्य 2019 है जो की महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती है|

इस अभियान के माध्यम से भारत सरकार वेस्ट मैनेजमेंट तकनीकों को बढ़ाने के द्वारा स्वच्छता की समस्याओं का समाधान करेगी। स्वच्छ भारत आंदोलन पूरी तरह से देश की आर्थिक ताकत के साथ जुड़ा हुआ है। महात्मा गांधी के जन्म की तारीख मिशन के शुभारंभ और समापन की तारीख है। स्वच्छ भारत मिशन शुरू करने के पीछे मूल लक्ष्य, देश भर में शौचालय की सुविधा देना, साथ ही दैनिक दिनचर्या में लोगों के सभी अस्वस्थ आदतो को समाप्त करना है। भारत में पहली बार सफाई अभियान 25 सितंबर 2014 में शुरू हुयी और इसका आरम्भ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सड़क की सफाई से की गयी|

* **उपसंहार** :- इस मिशन की सफलता परोक्ष रूप से भारत में व्यापार के निवेशकों का ध्यान आकर्षित करना, जीडीपी विकास दर बढ़ाने के लिए, दुनिया भर से पर्यटकों को ध्यान खींचना, रोजगार के स्रोतों की विविधता लाने के लिए, स्वास्थ्य लागत को कम करने, मृत्यु दर को कम है कि हमारे सिस्टम में रखे डाटा को बिना हमारी जानकारी के पासवर्ड होने के बावजूद भी इंटरनेट के द्वारा हैक कर लिया जाये। इंटरने से भी लाभ भी हैं और हानियाँ भी हैं, अब सिर्फ हम निर्भर होता है कि इसका इस्तेमाल कैसे करते हैं।

निबंध-9

इंटरनेट

प्रस्तावना :- आधुनिक समय में, पूरी दुनिया में इंटरनेट एक बहुत ही शक्तिशाली और दिलचस्प माध्यम बनता जा रहा है। ये एक नेटवर्कों का नेटवर्क है और कई सारी सेवाओं तथा संसाधनों का समूह है जो हमें कई प्रकार से लाभ पहुँचाता है। इसके इस्तेमाल से हमलोग कहीं से भी वर्ल्ड वाइड वेब तक पहुँच सकते है। ये हमें बड़ी तादाद में सुविधा मुहैया कराता है जैसे-ईमेल, सर्फिंग सर्च इंजन, सोशल मीडिया के द्वारा बड़ी हस्तियों से जुड़ना, वेब पोर्टल तक पहुँच, शिक्षाप्रद वेबसाइटों को खोलना, रोजमर्रा की सूचनाओं से अवगत रहना, विडियो बातचीत आदि। ये सभी का सबसे अच्छा दोस्त बनता है।

* **इंटरनेट की महता** :- आधुनिक समय में लगभग हर कोई इंटरनेट का इस्तेमाल विभिन्न उद्देश्यों के लिये कर रहा है। जबकि हमें अपने जीवन पर इससे पड़ने वाले फायदे-नुकसान के बारे में भी जानना चाहिये। विद्यार्थीयों के लिये इसकी उपलब्धता जितनी

लाभप्रद है उतनी ही नुकसानदायक भी क्योंकि बच्चे अपने माता-पिता के चोरी से इसके माध्यम से गलत वेबसाइटों का भी इस्तेमाल करते है जोकि उनके भविष्य को नुकसान पहुँचा सकता है। ज्यादातर माता-पिता इस खतरे को समझते है लेकिन कुछ इसे नज़रअंदाज कर देते है और खुलकर इंटरनेट का इस्तेमाल करते है। इसलिये घर में बच्चों द्वारा इंटरनेट का इस्तेमाल अभिवावकों की देखरेख में होनी चाहिये। अपने कम्प्यूटर सिस्टम में पासवर्ड और प्रयोक्ता नाम डाल कर अपने खास डाटा को दूसरों से सुरक्षित रख सकते है। इंटरनेट हमें किसी भी ऐप्लिकेशन प्रोग्राम के द्वारा अपने दोस्त, माता-पिता और शिक्षकों को किसी भी क्षण संदेश भेजने की आजादी देता है। ये जान कर हैरानी होगी

कि उत्तरी कोरिया, म्यांमार आदि कुछ देशों में इंटरनेट पर पाबंदी है क्योंकि वो इसे बुरा समझते है।

* **<u>उपसंहार</u>** :- कभी-कभी इंटरनेट से सीधे-तौर पर कुछ भी डाउनलोड करने के दौरान, हमारे कम्प्यूटर में वाइरस, मालवेयर, स्पाइवेयर, और दूसरे गलत प्रोग्राम आ जाते है जो हमारे सिस्टम को नुकसान पहुँचा सकते है। ऐसा भी हो सकता है कि हमारे सिस्टम में रखे डाटा को बिना हमारी जानकारी के पासवर्ड होने के बावजूद भी इंटरनेट के द्वारा हैक कर लिया जाये। इंटरने से भी लाभ भी हैं और हानियाँ भी हैं, अब सिर्फ हम निर्भर होता है कि इसका इस्तेमाल कैसे करते हैं।

निबंध-10

<u>मेरा स्कूल पर निबंध</u>

तीन मंजिला प्रभावपूर्ण ढ़ंग से बना मेरा स्कूल बहुत शानदार है और जो शहर के बीचों-बीच स्थित है। ये मेरे घर से लगभग 3 किमी की दूरी पर है और मैं अपने स्कूल बस से जाता हूँ। मेरा स्कूल राज्य का सबसे अच्छा स्कूल है जहाँ मैं पढ़ता हूँ। ये बेहद शांतिपूर्ण और प्रदूषण से दूर स्थित है। स्कूल के दोनों तरफ सीढियाँ है जो हर मंजिल की तरफ ले जाता है। इसके पहले तल पर सुसज्जित और बड़ी पुस्तकालय; अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशाला और एक कंप्यूटर प्रयोगशाला है। इसके भू-तल पर स्कूल रंग-भवन है जहाँ सभी वार्षिक कार्यक्रम, मीटिंग, पीटीएम, नृत्य प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है।

प्रधानाचार्य कार्यालय, मुख्य कार्यालय, क्लर्क कमरा, स्टॉफ कमरा और सामूहिक पढ़ाई कक्ष भूतल पर स्थित है। स्कूल की कैंटीन, लेखन सामग्री की दुकान, चेस रुम और स्केटिंग हॉल भी भूतल पर ही स्थित है। मेरे स्कूल में प्रधानाचार्य के कार्यालय के सामने दो बॉस्केटबॉल कोर्ट है जबकि फुटबॉल मैदान इसके किनारे में है। मेरे स्कूल में मुख्य कार्यालय के सामने रंग-बिरंगे फूलों और सजावटी पेड़ों से भरा एक छोटा सा उद्यान है, जो पूरे स्कूल परिसर की सुंदरता को बढ़ा देता है। मेरे स्कूल में लगभग 2000 विद्यार्थीयों ने दाखिला लिया है । वो हमेशा अंतर-स्कूली प्रतियोगितों में अव्वल आते है।

मेरे स्कूल में पढ़ाई का तरीका बेहद रचनात्मक और प्रगतिशील है जो किसी भी कठिन विषयवस्तु को आसानी से समझने में मदद करता है। हमारे शिक्षक बहुत ईमानदारी से पढ़ाते है और सबकुछ व्यवहारिक तरीके से समझाते है। मेरा स्कूल हर कार्यक्रम में प्रथम आता है जैसे अंतर-स्कूली सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल क्रियाएँ आदि। मेरा स्कूल बहुत शानदार तरीके से

साल के सभी महत्वपूर्ण दिनों को मनाता है जैसे खेल दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, शिक्षक दिवस, बाल दिवस, अभिभावक दिवस, क्रिसमस डे, वार्षिक कार्यक्रम, नया साल, गाँधी जयंती आदि।

हमलोग पढ़ाई से अलग दूसरी क्रियाओं में भी भाग लेते है जैसे तैराकी, एनसीसी, स्कूल बैंड, स्कॉउटिंग, स्केटिंग, नृत्य, गाना आदि। स्कूल के नियम अनुसार गैर अनुशासित और दुर्व्यवहार करने वाले विद्यार्थीयों को उनके क्लास टीचर द्वारा दण्ड भी दिया जाता है। हमारे स्कूल प्रधानचार्य सभी कक्षा के बच्चों के चरित्र निर्माण, शिष्टाचार, नैतिक शिक्षा, अच्छे मूल्यों को रखना, दूसरों का सम्मान करना आदि के लिये रोज 10 मिनट की क्लास मीटिंग हॉल में लेते है। हमारा स्कूल का समय बेहद मजेदार और सुखद होता है क्योंकि हम लोग रोज बहुत सारा रचनात्मक और व्यवहारिक कार्य करते है। कहानी कहने का हमारा मौखिक आकलन, गीत, कविता पाठ, हिन्दी और अंग्रेजी में बातचीत आदि क्लास टीचर द्वारा रोज लिया जाता है। इसलिये मेरा स्कूल दुनिया का सबसे बेहतरीन स्कूल है ।

निबंध-11

कंप्यूटर पर निबंध ।

कंप्यूटर के आविष्कार ने बहुतों के सपनों को साकार किया है यहाँ तक कि हम अपने जीवन की कल्पना बिना कंप्यूटर के नहीं कर सकते। सामानयत: ये एक ऐसा डिवाइस है जिसका इस्तेमाल कई सारे उद्देश्यों के लिये किया जाता है जैसे- सूचनाओ को सुरक्षित रखना, ई-मेल, मैसेजिंग, सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग, गणना, डेटा प्रौसेसिंग आदि। डेस्कटॉप कंप्यूटर को कार्य करने के लिये सीपीयू, यूपीएस, कीबोर्ड, और MOUSE की जरुरत पड़ती है जबकि लैपटॉप में ये सबकुछ पहले से मौजूद रहता है। बड़ी मेमोरी के साथ ये एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है जो कोई भी डेटा को सुरक्षित रख सकता है। 21वीं सदी में कंप्यूटर की आधुनिक दुनिया में हमलोग जा रहे है।

इससे पहले की पीढ़ीयों के कंप्यूटर बेहद सीमित कार्य करते थे जबकि आधुनिक समय के कंप्यूटर ढ़ेर सारे कार्यों को अंजाम दे सकता है। चार्ल्स बेबेज ने पहला मेकैनिकल कंप्यूटर बनाया था जो आज के जमाने के कंप्यूटर से बहुत अलग था। कंप्यूटर के आविष्कार का लक्ष्य था एक

ऐसी मशीन को उत्पन्न करना जो बहुत तेजी से गणितीय गणना कर सके। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों के हथियारों की गति और दिशा का अनुमान तथा उनकी सही स्थिति का पता

लगाना था। आज के कंप्यूटर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक से युक्त है जो जीवन के हर क्षेत्र में मदद करते है।

नई पीढ़ी का कंप्यूटर अत्यधिक उन्नत होते है अर्थात छोटे, हल्के, तेज, और बहुत शक्तिशाली। आज के दिनों में इसका इस्तेमाल हर व्यवसाय में हो रहा है जैसे- परीक्षा, मौसम की भविष्यवाणी, शिक्षा, खरीदारी, ट्रैफिक नियंत्रण, उच्च स्तर की प्रोग्रामिंग, रेलवे टिकट बुकिंग, मेडिकल क्षेत्र, व्यापार आदि। इंटरनेट के साथ ये सूचना तकनीक का मुख्य आधार है और इसने साबित किया कि आज के समय में कुछ भी असंभव नहीं है। इंसानों के लिये कंप्यूटर के सैकड़ों फायदे है तो साइबर अपराध, अश्लील वेबसाइट, जैसे नुकसान भी शामिल है जिसकी पहुँच हमारे बच्चों और विद्यार्थीयों तक आसानी से हो जाती है। कुछ उपायों के द्वारा हम इसके नकारात्मक प्रभावों से बच सकते है।

आज मानव बिरादरी की कंप्यूटर तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ती जा रही है। कोई भी अपने जीवन की कल्पना बिना कंप्यूटर के नहीं कर सकता, क्योंकि इसने हर जगह अपने पैर पसार लिये है और लोग इसके आदि बन चुके है। ये किसी भी दर्जे के विद्यार्थी के फायदेमंद है। वो इसका इस्तेमाल प्रोजेक्ट बनाने के लिये, कविता सीखने के लिये, कहाँनियों के लिये, परीक्षा संबंधी नोट्स डाउनलोड करने के लिये, सूचना इकट्ठा करना आदि के लिये बेहद कम समय में कर सकते है। ये विद्यार्थीयों के कौशल विकास में बढ़ौतरी के साथ नौकरी पाने में सहायक भी होता है।

निबंध-12

भारत के राष्ट्रीय ध्वज पर निबंध ।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज़ को तिरंगा झंडा भी कहा जाता है। 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा के सम्मेलन के दौरान इसे पहली बार आधिकारिक रुप से अंगीकृत किया गया। अंग्रेजी हुकुमत से भारत की स्वतंत्रता के 24 दिन पहले ही इसे अंगीकृत किया गया। इसे पिंगाली वैंकया द्वारा डिज़ाइन किया गया था। एक बराबर अनुपात में, ऊर्द्धवाकार में केसरिया, सफेद और हरे रंग की पट्टी के साथ डिज़ाइन किया गया था। इसमें सबसे ऊपर की पट्टी में केसरिया, बीच में सफेद और सबसे नीचे की पट्टी में गाढ़ा हरा रंग है। हमारे तिरंगे झंडे की लंबाई और चौड़ाई 3:2 के अनुपात में है। तिरंगे के मध्य सफेद पट्टी में 24 तीलियों के साथ एक अशोक चक्र है। सारनाथ के अशोक स्तंभ से अशोक चक्र को लिया गया है (अशोक की लॉयन कैपिटल राजधानी)।

हम सभी के लिये हमारे राष्ट्रीय ध्वज़ का बहुत महत्व है। सभी रंगों की पट्टियाँ, पहिया और तिरंगे में इस्तेमाल होने वाले कपड़े का खास महत्व है। भारतीय ध्वज़ कोड इसके इस्तेमाल और फहराने के नियम को निर्धारित करता है। भारत की आजादी के 52 वर्ष के बाद भी इसे आम लोगों के द्वारा प्रदर्शन या फहराने की इज़ाज़त नहीं थी हालाँकि बाद में नियम को बदला गया (ध्वज़ कोड 26 जनवरी 2002 के अनुसार) और इसको घर, कार्यालय और फैक्टरी में कुछ खास अवसरों पर इस्तेमाल करने की छूट दी गयी। राष्ट्रीय ध्वज़ को राष्ट्रीय अवसरों पर फहराया जाता है जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि। भारतीय ध्वज़ को सम्मान और आदर करन के लिये तथा विद्यार्थियों को प्रेरणा देने के लिये इसे स्कूल और शिक्षण संस्थानों (कॉलेज, विश्वविद्यालय, खेल कैंप, स्कॉऊट कैंप आदि) में भी फहराया जाता है।

स्कूल और कॉलेज में झंडा रोहण के दौरान विद्यार्थी प्रतिज्ञा लेते हैं और राष्ट्र-गान गाते हैं। सरकारी और निजी संगठन भी किसी भी अवसर या कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज़ को फहरा सकते हैं। किसी भी सांप्रदायिक और निजी फायदे के लिये ऱाष्ट्रीय ध्वज़ को फहराने की सख्त मनाही है। किसी को भी ख़ादी के अलावा किसी दूसरे कपड़े से बने तिरंगे को फहराने की अनुमति नहीं है ऐसा करने पर जेल और अर्थदंड की व्यवस्था है। राष्ट्रीय ध्वज़ को किसी भी मौसम में सूर्योदय से सूर्यास्त के बीच में फहराया जा सकता है। इसे जमीन से स्पर्श कराने या पानी में डुबाने, तथा जानबूझकर अपमान करने की सख्त मनाही है। कार, बोट, ट्रेन या हवाई जहाज जैसे किसी भी सवारी के बगल, पिछले हिस्से, सबसे ऊपर या नीचे को ढकने के लिये इसका प्रयोग नहीं होना चाहिये।

निबंध-13

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर निबंध

पूरे भारत में लड़कियों को शिक्षित बनाने और उन्हें बचाने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ नाम से लड़कियों के लिये एक योजना की शुरुआत की। इसका आरंभ हरियाणा के पानीपत में 22 जनवरी 2015, गुरुवार को हुआ। पूरे देश में हरियाणा में लिंगानुपात 775 लड़कियाँ पर 1000 लड़कों का है जो बेटीयों की दयनीय स्थिति को दर्शाता है इसी वजह से इसकी शुरुआत हरियाणा राज्य से हुई। लड़कियों की दशा को सुधारने के लिये पूरे देश के 100 जिलों में इसे प्रभावशाली तरीके से लागू किया गया है, सबसे कम स्त्री-पुरुष अनुपात होने की वजह से हरियाणा के 12 जिलों (अंबाला, कुरुक्षेत्र, रिवारी, भिवानी, महेन्द्रगण, सोनीपत, झज्जर, रोहतक, करनाल, यमुना नगर, पानीपत और कैथाल) को चुना गया।

लड़कियों की दशा को सुधारने और उन्हें महत्व देने के लिये हरियाणा सरकार 14 जनवरी को 'बेटी की लोहड़ी' नाम से एक कार्यक्रम मनाती है। इस योजना का उद्देश्य लड़कियों को सामाजिक और आर्थिक रुप से स्वतंत्र बनाना है जिससे वो अपने उचित अधिकार और उच्च शिक्षा का प्रयोग कर सकें। आम जन में जागरुकता फैलाने में ये मदद करता है साथ ही महिलाओं को दिये जाने वाले लोक कल्याणकारी सेवाएँ की कार्यकुशलता को भी बढ़ाएगा। अगर हम 2011 के सेंसस रिपोर्ट पर नजर डाले तो हम पाएँगे कि पिछले कुछ दशकों से 0 से 6 वर्ष के लड़कियों की संख्या में लगातार गिरावट हो रही है। 2001 में ये 927/1000 था जबकि 2011 में ये और गिर कर 919/1000 पर आ गया। अस्पतालों में आधुनिक लक्षण यंत्रों के द्वारा लिंग पता करने के बाद गर्भ में ही कन्या भ्रूण की हत्या करने की वजह से लड़कियों की संख्या में भारी कमी आयी है। समाज में लैंगिक भेदभाव की वजह से ये बुरी प्रथा अस्तित्व में आ गयी।

जन्म के बाद भी लड़कियों को कई तरह के भेदभाव से गुजरना पड़ता है जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, खान-पान, अधिकार आदि दूसरी जरुरतें है जो लड़कियों को भी प्राप्त होनी चाहिये। हम कह सकते हैँ कि महिलाओं को सशक्त करने के बजाय अशक्त किया जा रहा है। महिलाओं को सशक्त बनाने और जन्म से ही अधिकार देने के लिये सरकार ने इस योजना की शुरुआत की। महिलाओं के सशक्तिकरण से सभी जगह प्रगति होगी खासतौर से परिवार और समाज में। लड़कियों के लिये मानव की नकारात्मक पूर्वाग्रह को सकारात्मक बदलाव में परिवर्तित करने के लिये ये योजना एक रास्ता है। ये संभव है कि इस योजना से लड़कों और लड़कियों के प्रति भेदभाव खत्म हो जाये तथा कन्या भ्रूण हत्या का अन्त करने में ये मुख्य कड़ी साबित हो। इस योजना की शुरुआत करते हुए पीएम मोदी ने चिकित्सक बिरादरी को ये याद दिलाया कि चिकित्सा पेशा लोगों को जीवन देने के लिये बना है ना कि उन्हें खत्म करने के लिये।

निबंध-14

स्वच्छता पर निबंध

स्वच्छता एक क्रिया है जिससे हमारा शरीर, दिमाग, कपड़े, घर, आसपास और कार्यक्षेत्र साफ और शुद्ध रहते है। हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिये साफ-सफाई बेहद जरुरी है। अपने आसपास के क्षेत्रों और पर्यावरण की सफाई सामाजिक और बौद्धिक स्वास्थ्य के लिये बहुत जरुरी है। हमें साफ-सफाई को अपनी आदत में लाना चाहिये और गंदगी को हमेशा के लिये हर जगह से हटा देना चाहिये क्योंकि गंदगी वह जड़ है जो कई बीमारियों को जन्म देती है। जो रोज नहीं नहाता, गंदे कपड़े पहनता हो, अपने घर या आसपास को वातावरण को गंदा रखता है

तो वो हमेशा बीमार रहता है। गंदगी से आसपास के क्षेत्रों में कई तरह के कीटाणु, बैक्टेरिया वाइरस तथा फंगस आदि पैदा होते है जो बीमारियों को जन्म देते है।

जिन लोगों की गंदी आदतें होती है वो भी खतरनाक और जानलेवा बीमारियों को फैलाते है। संक्रमित रोग बड़े क्षेत्रों में फैलाते है और लोगों को बीमार करते है कई बार तो इससे मौत भी हो जाती है। इसलिये, हमें नियमित तौर पर अपने स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिये। हम जब भी कुछ खाने जाएँ तो अपने हाथों को साबुन से धो लें। हमें अपने शरीर और चेहरे को तीव्र नहाने से बचाना चाहिये। अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिये हमें बिल्कुल साफ-सुथरे कपड़े पहनने चाहिये। स्वच्छता से हमारा आत्म-विश्वास बढ़ता है और दूसरों का भी हम पर भरोसा बनता है। ये एक अच्छी आदत है जो हमें हमेशा खुश रखेगी। ये हमें समाज में बहुत गौरान्वित महसूस कराएगी।

हमारे स्वस्थ जीवन शैली और जीवन के स्तर को बनाए रखने के लिये स्वच्छता बहुत जरुरी है। ये व्यक्ति को प्रसिद्ध बनाने में अहम रोल निभाती है। पूरे भारत में आमजन के बीच स्वच्छता को प्रचारित व प्रसारित करने के लिये भारत की सरकार द्वारा कई सारे कार्यक्रम और सामाजिक कानून बनाए गये और लागू किये गये है। हमें बचपन से स्वच्छता की आदत को अपनाना चाहिये और पूरे जीवन भर उनका पालन करना चाहिये। एक व्यक्ति अच्छी आदत के साथ अपने बुरे विचारों और इच्छाओं को खत्म कर सकता है।

घर या अपने आसपास में संक्रमण फैलने से बचाने और गंदगी के पूर्ण निपटान के लिये हमें ध्यान रखना चाहिये कि गंदगी को केवल कूड़ेदान में ही डाले। साफ-सफाई केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि ये घर, समाज, समुदाय, और देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी है। हमें इसके महत्व और फायदो को समझना चाहिये। हमें भारत को स्वच्छ रखने की कसम खानी चाहिये कि न तो हम खुद से गंदगी करेंगे और किसी को करने देंगे।

निबंध-15

बेरोजगारी पर निबंध

बेरोजगारी एक गंभीर मुद्दा है। कई कारक हैं जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। इनमें से कुछ में उचित शिक्षा की कमी, अच्छे कौशल और हुनर की कमी, प्रदर्शन करने में असमर्थता, अच्छे रोजगार के अवसरों की कमी और तेजी से बढ़ती आबादी शामिल है। आगे देश में बेरोजगारी स्थिरता, बेरोजगारी के परिणाम और सरकार द्वारा इसे नियंत्रित करने के लिए किए गए उपायों पर एक नज़र डाली गई है।

- भारत में बेरोजगारी से संबंधित आकंडे ।

भारत में श्रम और रोजगार मंत्रालय देश में बेरोजगारी के रिकॉर्ड रखता है। बेरोजगारी के आंकड़ों की गणना उन लोगों की संख्या के आधार पर की जाती है जिनके आंकड़ों के मिलान की तारीख से पहले 365 दिनों के दौरान पर्याप्त समय के लिए कोई काम नहीं था और अभी भी रोजगार की मांग कर रहे हैं। वर्ष 1983 से 2013 तक भारत में बेरोजगारी की दर औसत 7.32 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक 9.40% थी और 2013 में यह रिकॉर्ड 4.90% थी। वर्ष 2015-16 में बेरोजगारी की दर महिलाओं के लिए 8.7% हुई और पुरुषों के लिए 4.3 प्रतिशत हुई।

- बेरोजगारी के परिणाम ।

बेरोजगारी की वजह से गंभीर सामाजिक-आर्थिक मुद्दे होते है। इससे न केवल एक व्यक्ति बल्कि पूरा समाज प्रभावित होता है। नीचे बेरोजगारी के कुछ प्रमुख परिणामों की व्याख्या की गई हैं:

- गरीबी में वृद्धि

यह कथन बिल्कुल सत्य है कि बेरोजगारी दर में वृद्धि से देश में गरीबी की दर में वृद्धि हुई है। देश के आर्थिक विकास को बाधित करने के लिए बेरोजगारी मुख्यतः जिम्मेदार है।

- अपराध दर में वृद्धि

एक उपयुक्त नौकरी खोजने में असमर्थ बेरोजगार आमतौर पर अपराध का रास्ता लेता है क्योंकि यह पैसा बनाने का एक आसान तरीका है। चोरी, डकैती और अन्य भयंकर अपराधों के तेजी से बढ़ते मामलों के मुख्य कारणों में से एक बेरोजगारी है।

- श्रम का शोषण

कर्मचारी आम तौर पर कम वेतन की पेशकश कर बाजार में नौकरियों की कमी का लाभ उठाते हैं। अपने कौशल से जुड़ी नौकरी खोजने में असमर्थ लोग आमतौर पर कम वेतन वाले नौकरी के लिए व्यवस्थित होते हैं। कर्मचारियों को प्रत्येक दिन निर्धारित संख्या के घंटे के लिए भी काम करने के लिए मजबूर किया जाता है।

- राजनैतिक अस्थिरता

रोजगार के अवसरों की कमी के परिणामस्वरूप सरकार में विश्वास की कमी होती है और यह स्थिति अक्सर राजनीतिक अस्थिरता की ओर जाती है।

- मानसिक स्वास्थ्य

बेरोजगार लोगों में असंतोष का स्तर बढ़ता है जिससे यह धीरे-धीरे चिंता, अवसाद और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में बदलने लगती है।

- कौशल का नुकसान

लंबे समय के लिए नौकरी से बाहर रहने से जिंदगी नीरस और कौशल का नुकसान होता है। यह एक व्यक्ति के आत्मविश्वास काफी हद तक कम कर देता है।

- बेरोजगारी को कम करने के लिए सरकारी पहल

भारत सरकार ने बेरोजगारी की समस्या को कम करने के साथ-साथ देश में बेरोजगारों की मदद के लिए कई तरह के कार्यक्रम शुरू किए है। इनमें से कुछ में इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम (IRDP), जवाहर रोज़गार योजना, सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम (DPAP), स्व-रोजगार के लिए प्रशिक्षण, नेहरू रोज़गार योजना (NRY), रोजगार आश्वासन योजना, प्रधान मंत्री की समन्वित शहरी गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम (PMIUPEP), रोजगार कार्यालयों, विदेशी देशों में रोजगार, लघु और कुटीर उद्योग, रोजगार गारंटी योजना और जवाहर ग्राम समृद्धि योजना का विकास आदि शामिल हैं।

इन कार्यक्रमों के जरिए रोजगार के अवसर प्रदान करने के अलावा सरकार शिक्षा के महत्व को भी संवेदित कर रही है और बेरोजगार लोगों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रही है।

- निष्कर्ष

बेरोजगारी समाज में विभिन्न समस्याओं का मूल कारण है। हालांकि सरकार ने इस समस्या को कम करने के लिए पहल की है लेकिन उठाये गये उपाय पर्याप्त प्रभावी नहीं हैं। इस समस्या के कारण विभिन्न कारकों को प्रभावी और एकीकृत समाधान देखने के लिए अच्छी तरह से अध्ययन किया जाना चाहिए। यह समय है कि सरकार को इस मामले की संवेदनशीलता को पहचानना चाहिए और इसे कम करने के लिए कुछ गंभीर कदम उठाने चाहिए।

निबंध-16

योग पर निबंध

बिना किसी समस्या के जीवन भर तंदरुस्त रहने का सबसे अच्छा, सुरक्षित, आसान और स्वस्थ तरीका योग है। इसके लिए केवल शरीर के क्रियाकलापों और श्वास लेने के सही तरीकों का नियमित अभ्यास करने की आवश्यकता है। यह शरीर के तीन मुख्य तत्वों; शरीर, मस्तिष्क और आत्मा के बीच संपर्क को नियमित करना है। यह शरीर के सभी अंगों के कार्यकलाप को

नियमित करता है और कुछ बुरी परिस्थितियों और अस्वास्थ्यकर जीवन-शैली के कारण शरीर और मस्तिष्क को परेशानियों से बचाव करता है। यह स्वास्थ्य, ज्ञान और आन्तरिक शान्ति को बनाए रखने में मदद करता है। अच्छे स्वास्थ्य प्रदान करने के द्वारा यह हमारी भौतिक आवश्यकताओं को पूरा करता है, ज्ञान के माध्यम से यह मानसिक आवश्यकताओं को पूरा करता है और आन्तरिक शान्ति के माध्यम से यह आत्मिक आवश्यकता को पूरा करता है, इस प्रकार यह हम सभी के बीच सामंजस्य बनाए रखने में मदद करता है।

सुबह को योग का नियमित अभ्यास हमें अनगिनत शारीरिक और मानसिक तत्वों से होने वाली परेशानियों को दूर रखने के द्वारा बाहरी और आन्तरिक राहत प्रदान करता है। योग के विभिन्न आसन मानसिक और शारीरिक मजबूती के साथ ही अच्छाई की भावना का निर्माण करते हैं। यह मानव मस्तिष्क को तेज करता है, बौद्धिक स्तर को सुधारता है और भावनाओं को स्थिर रखकर उच्च स्तर की एकाग्रता में मदद करता है। अच्छाई की भावना मनुष्य में सहायता की प्रकृति के निर्माण करती है और इस प्रकार, सामाजिक भलाई को बढ़ावा देती है। एकाग्रता के स्तर में सुधार ध्यान में मदद करता है और मस्तिष्क को आन्तरिक शान्ति प्रदान करता है। योग प्रयोग किया गया दर्शन है, जो नियमित अभ्यास के माध्यम से स्व-अनुशासन और आत्म जागरुकता को विकसित करता है।

योग का अभ्यास किसी के भी द्वारा किया जा सकता है, क्योंकि आयु, धर्म या स्वस्थ परिस्थितियों परे है। यह अनुशासन और शक्ति की भावना में सुधार के साथ ही जीवन को बिना किसी शारीरिक और मानसिक समस्याओं के स्वस्थ जीवन का अवसर प्रदान करता है। पूरे संसार में इसके बारे में जागरुकता को बढ़ावा देने के लिए, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने, संयुक्त संघ की सामान्य बैठक में 21 जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के रुप में मनाने की घोषणा करने का सुझाव दिया था, ताकि सभी योग के बारे में जाने और इसके प्रयोग से लाभ लें। योग भारत की प्राचीन परम्परा है, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी और योगियों के द्वारा तंदरुस्त रहने और ध्यान करने के लिए इसका निरन्तर अभ्यास किया जाता है। निक जीवन में योग के प्रयोग के लाभों को देखते हुए संयुक्त संघ की सभा ने 21 जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस या विश्व योग दिवस के रुप में मनाने की घोषणा कर दी है।

हम योग से होने वाले लाभों की गणना नहीं कर सकते हैं, हम इसे केवल एक चमत्कार की तरह समझ सकते हैं, जिसे मानव प्रजाति को भगवान ने उपहार के रुप में प्रदान किया है। यह शारीरिक तंदरुस्ती को बनाए रखता है, तनाव को कम करता है, भावनाओं को नियंत्रित

करता है, नकारात्मक विचारों को नियंत्रित करता है और भलाई की भावना, मानसिक शुद्धता, आत्म समझ को विकसित करता है साथ ही प्रकृति से जोड़ता है।

पत्रलेखन

1. अपने प्रधानाध्यपक को प्रमाण पत्र के लिए आवेदन-पत्र लिखिए।

प्रेषक, **दिनांक: 07-06-2017**

जगदीश
10वीं कक्षा
श्री मोराजी देसाई
छात्रावास पाठशाला
आलूरु-सिद्धापुर
सोमवारपेटे तालुका

कोडगु जिला

सेवा में,

प्रधानाध्यपक
श्री मोराजी देसाई
छात्रावास पाठशाला
आलूरु-सिद्धापुर
सोमवारपेटे तालुका
कोडगु जिला

पुज्य गुरुजी,

विषय: प्रमाण पत्र हेतु।

आपसे निवेदन है कि मेरे पिताजी का तबादला मैसूरु में हो गया है। उनके साथ मुझे भी जाना होगा। अतः अनुरोध करता हूँ कि मुझे १०वीं कक्ष उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र, पाठशाला छोड़ने का प्रमाण पत्र तथा चरित्र प्रमाण पत्र देने की कृपा करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी छात्र
(जगदीश)

Nabi Sir GHS Ganadhal

2. अपनी बहन की शादी के लिए चार दिनों की छुट्टी माँगते हुए अपने प्रधानाध्यपक के नाम एक छुट्टी पत्र लिखिए।

प्रेषक, **दिनांक: 23-08-2017**

जगदीश ,
दसवीं कक्षा
श्री मोराजी देसाई छात्रावास पाठशाला
आलूरु-सिद्धापुर, सोमवारपेटे तालुका,
कोडगु जिला |

सेवा में,

प्रधानाध्यपक
श्री मोराजी देसाई छात्रावास पाठशाला,
आलूरु-सिद्धापु, सोमवारपेटे तालुका,
कोडगु जिला |

पुज्य गुरुजी,

विषय: छुट्टी के प्रार्थना पत्र।

उपर्युक्त विषयानुसार आप से सविनय निवेदन है कि मैं अपने बहन की शादी में शामिल होने के लिए बेंगलूरु जा रहा हूँ। इसलिए आप दिनांक 23-02-2016 से 26-02-2016 तक चार दिनों की छुट्टी देने की कृपा करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी छात्र
(जगदीश)

3. अपनी पढ़ाई की प्रगति के बारे में अपनी माता के नाम पत्र लिखिए।

प्रेषक, दिनांक: 21-08-2017

अरिंदम्,श्री मोराजी देसाई
छात्रावास पाठशाला, आलूरु-सिद्धापुर
सोमवारपेटे तालुका,कोडगु जिला |

सेवा में,

Nabi Singh GHS Ganadhal

रमा, भरत निवास घर सं. 288
नेताजी मार्ग, कलबुरगि

पूज्य माताजी,
सादर प्रणाम।

मैं यहाँ आपके आर्शीर्वाद से कुशल हूँ। आपका पत्र मिला। आप मेरी आगामी परीक्षाओं के परिणाम को लेकर चिंतित न हों। मैं नियमित रूप से कठिन परिश्रम कर रहा हूँ। आपका भी चिंतित होना स्वाभाविक ही है। परन्तु, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी सम्मानजनक परिणाम प्राप्त कर पाऊँगा। मैं अपने कार्य व प्रयास में नियमित हूँ और सभी विषयों को समान महत्व दे रहा हूँ। विद्यालय में सभी विषयों के पाठ्यक्रम पूरे हो चुके हैं। मैं घर पर उन्हें दुहरा रहा हूँ। थोड़ा भी संदेह होने पर तुरंत अध्यापकों से संपर्क कर लेता हूँ।

पिताजी को मेरा प्रणाम, छोटी बहन वनिता को ढेर सारा प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
(अरिंदम्)

4. पुस्तक मँगवाने के लिए पुस्तक-विक्रेता को एक पत्र लिखिए।

प्रेषक, दिनांक: 21-12-2017

अरिंदम्,
श्री मोरार्जी देसाई, छात्रावास पाठशाला, आलूरु-सिद्धापुर
सोमवारपेटे तालुका, कोडगु जिला

सेवा में,
व्यवस्थापक महोदय
रचना प्रकाशन, शास्त्रीनगर जालंधर

आदरणीय महोदय।

विषय: पुस्तक मँगवाने के लिए।

नीचे लिखी पुस्तकें वी.पी.पी. द्वारा भेजने की कृपा करें।

क्र. सं.	**पुस्तक का नाम**	**लेखक**	**प्रतियाँ**
1	हिंदी व्याकरण	कामता प्रसाद गुरु	1
2	बृहत् हिंदी कोश	कालिका	1

		प्रसाद	
3	भाषा विज्ञान	भोलानाथ तिवारी	1
4	हिंदी साहित्य का इतिहास	डॉ नगेंद्र	1

मैं आश्वासन देता हूँ कि मैं वी.पी.पी. अवश्य छुड़ा लूँगा।

सधन्यवाद

आपका विश्वासी
(अरिंदम्)

5.अपनी अस्वस्थता का कारण बताते हुए चार दिनों की छुट्टी के लिए अपने प्रधानाध्यपक के नाम एक छुट्टी पत्र लिखिए।

प्रेषक, **दिनांक: 23-08-2017**

अ.ब.क,
दसवीं कक्षा
सरकारी प्रौढशाला गाणधाल,
ता॥ देवदुर्ग, जि॥ रायचूरु ।

सेवा में,
प्रधानाध्यपक
सरकारी प्रौढशाला गाणधाल,
ता॥ देवदुर्ग, जि॥ रायचूरु ।

पुज्य गुरुजी,

विषय: छुट्टी के प्रार्थना पत्र।

मुझे तबियत ठीक न होने के कारण डाॅक्टर ने आराम करने की सलहा दि है। इसलिए आप दिनांक 23-02-2017 से 26-02-2017 तक चार दिनों की छुट्टी देने की कृपा करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी छात्र
(जगदीश)

Nabi Sir GHS Gangadhal

साधना परीक्षा -१

आधार-पत्रक के लिए प्रश्न-पत्र का अभिकल्प
Question Paper Design for Blue Print

1. उद्देश्यों की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Objectives :-

80 MARKS		
उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
स्मरण रखना	16	20%
समझना	32	40%
अभिव्यक्ति	29	36.25%
रसग्रहण	03	3.75%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
स्मरण रखना	4	20%
समझना	8	40%
अभिव्यक्ति	6	30%
रसग्रहण	2	10%
कुल	**20**	**100%**

2. विषय-वस्तु की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Contents :-

100 MARKS		
विषय-वस्तु	अंक	प्रतिशत
गद्य	32	40%
पद्य	20	25%
व्याकरण	08	10%
रचना	16	20%
पूरक वाचन	04	05%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
विषय-वस्तु	अंक	प्रतिशत
गद्य	9	45%
पद्य	5	25%
व्याकरण	2	10%
रचना	4	20%
कुल	**20**	**100%**

Nabi Sir GHS Gandhal

3. प्रश्न-प्रकार की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Types of Question :- **100 MARKS**

प्रश्न-प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठ १. बहुविकल्पीय [व्याकरण] . २. अनुरूपता . ३. जोडकर लिखना	08 04 04	08 04 04	10% 5% 5%
अति लघूत्तर	14	14	17.5%
लघूत्तर 2 अंकवाले . 3 अंकवाले	11 04	22 12	27.5% 15%
दीर्घोत्तर 4 अंकवाले	04	16	20%
कुल	**49**	**80**	**100%**

20 MARKS

प्रश्न-प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठ १. बहुविकल्पीय [व्याकरण] . २. जोडकर लिखना	02 02	02 02	10% 10%
अति लघूत्तर	3	3	15%
लघूत्तर 2 अंकवाले . 3 अंकवाले	3 01	6 3	30% 15%
दीर्घोत्तर 4 अंकवाले	01	4	20%
कुल	**12**	**20**	**100%**

4. कठिनता की स्तर की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Difficulty Level :-

100 MARKS		
स्तर	अंक	प्रतिशत
सरल	24	30%
सामान्य	40	50%
कठिन	16	20%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
स्तर	अंक	प्रतिशत
सरल	6	30%
सामान्य	10	50%
कठिन	4	20%
कुल	**20**	**100%**

Nabi Sir GHS Gandhal

रूपणात्मक परीक्षा – 1 (2017-18)

कक्षा : 10 वीं विषय : तृतीय भाषा हिन्दी अंक : 20

खण्ड "क"[गद्य, पद्य]

I. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक – एक वाक्य में लिखिए । 3 x 1 = 3

1. भारत माँ के हाथ में क्या-क्या है ?
2. लेखक चिजें खरीदने कहाँ गये थे ?
3. गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था?

II. 4. स्तंभ क के वाक्यांशों के साथ स्तंभ ख के सही वाक्यांशों को जोड़कर लिखिए । 2 x 1 = 2

क	ख
अ) एक सेब भी खाने	गिल्लू की समाधि है ।
आ) सोनजुही लता के नीचे	के लिए दे दिया ।
	गिल्लू खेलता था ।
	लायक नहीं ।

III. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए । 3 x 2 = 6

5. दूकानदार ने लेखक से क्या कहाँ?
6. भारत माँ के प्रकृति-सौंदर्य का वर्ण कीजिए ।
7. दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है?

IV. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर तीन – चार वाक्यों में लिखिए । 1 x 3 = 3

8. गिल्लू के कार्य कलाप के बारे में लिखिए ।

खण्ड "ख" [व्याकरण]

V. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए चर – चार विकल्प दिये गये हैं, उनमें सही उत्तर चुनकर लिखिए । 2 x 1 = 2

9. 'खरीदना' इसका विलोम शब्द है -

अ) लेना आ) माँगना इ) बेचना ई) भेजना

10. 'वारि' का पर्यायवाची शब्द है –

अ) हवा आ) अग्नि इ) विद्युत ई) जल

खण्ड "ग" [रचना]

VI. 11. अपनी पढ़ाई के बारे में बताते हुए अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए । 1 x 4 = 4

Nabi Sir GHS Ganadhal

आधार पत्रक FA - 1

समय : 40 मिनट | **दसवीं कक्षा तृतीय भाषा हिन्दी [61 H]** | **अंक : 20**

विषय-वस्तु	स्मरण रखना					समझना					अभिव्यक्ति					रसग्रहण					कुल प्रश्न	कुल अंक
	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.		
	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक		
गद्य भाग :-																						
1. काश्मीर सेब	(1)1		(1)2			(1)1*															3	4
2. गिल्लू	(1)1					(1)1*			(1)3												3	5
पद्य भाग :-																						
3. मातृभमि						(1)1												(1)2			2	3
4. अभिनव मनुष्य														(1)2							1	2
व्याकरण भाग :-																						
व्याकरण						(2)2															2	2
रचना भाग :-																						
पत्र लेखन															(1)4						1	4
कुल योग	(3)4					(6)8					(2)6					(1)2					12	20

सूचना :- १. कोष्ठक के अंदर प्रश्नों की संख्या और बाहर अंक इंगित हैं ।

२. * चिन्ह जोडकर लिखने के प्रश्न के संकेत हैं ।

Nabi Sir GHS Gandhinagar

साधना परीक्षा -२

आधार-पत्रक के लिए प्रश्न-पत्र का अभिकल्प

Question Paper Design for Blue Print

5. उद्देश्यों की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Objectives :-

80 MARKS		
उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
स्मरण रखना	16	20%
समझना	32	40%
अभिव्यक्ति	29	36.25%
रसग्रहण	03	3.75%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
स्मरण रखना	4	20%
समझना	8	40%
अभिव्यक्ति	6	30%
रसग्रहण	2	10%
कुल	**20**	**100%**

6. विषय-वस्तु की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Contents :-

100 MARKS		
विषय-वस्तु	अंक	प्रतिशत
गद्य	32	40%
पद्य	20	25%
व्याकरण	08	10%
रचना	16	20%
पूरक वाचन	04	05%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
विषय-वस्तु	अंक	प्रतिशत
गद्य	8	40%
पद्य	5	25%
व्याकरण	2	10%
रचना	4	20%
पूरक वाचन	1	05%
कुल	**20**	**100%**

Nabi Sir GHS Gandhal

7. प्रश्न-प्रकार की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Types of Question :- **100 MARKS**

प्रश्न-प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठ १. बहुविकल्पीय [व्याकरण] . २. अनुरूपता . ३. जोडकर लिखना	08 04 04	08 04 04	10% 5% 5%
अति लघूत्तर	14	14	17.5%
लघूत्तर 2 अंकवाले . 3 अंकवाले	11 04	22 12	27.5% 15%
दीर्घोत्तर 4 अंकवाले	04	16	20%
कुल	**49**	**80**	**100%**

20 MARKS

प्रश्न-प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठ १. बहुविकल्पीय [व्याकरण] . २. अनुरूपता	02 02	02 02	10% 10%
अति लघूत्तर	3	3	15%
लघूत्तर 2 अंकवाले . 3 अंकवाले	3 01	6 3	30% 15%
दीर्घोत्तर 4 अंकवाले	01	4	20%
कुल	**12**	**20**	**100%**

8. कठिनता की स्तर की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Difficulty Level :-

100 MARKS		
स्तर	अंक	प्रतिशत
सरल	24	30%
सामान्य	40	50%
कठिन	16	20%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
स्तर	अंक	प्रतिशत
सरल	6	30%
सामान्य	10	50%
कठिन	4	20%
कुल	**20**	**100%**

Nabi Sir GHS Gandhal

रूपणात्मक परीक्षा – 2 (2017-18)

कक्षा : 10 वीं   विषय : तृतीय भाषा हिन्दी   अंक : 20

खण्ड "क"

[गद्य, पद्य]

I. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक – एक वाक्य में लिखिए । 3 x 1 = 3

4. तुलसीदास जी का बचपन का नाम क्या था ?
5. इंटरनेट-क्रांति का असर किस पर पडा है ?
6. पृत्वी और सूर्य में कितना फासला है ?

II. 4. स्तंभ क के वाक्यांशों के साथ स्तंभ ख के सही वाक्यांशों को जोड़कर लिखिए। 2 x 1 = 2

अ) पं राजकिशोर : मालिक :: अमरसिंह :

आ) दया : धर्म का मूल :: पाप :

III. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए । 3 x 2 = 6

5. बसंत का पैर देखकर डाक्टर ने क्या कहा?
6. इंटरनेट का मतलब क्या है ?
7. शम्सुद्दीन अकबरों के वितरण का कार्य कैसे करते थे ?

IV. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर तीन – चार वाक्यों में लिखिए । 1 x 3 = 3

8. भावार्थ लिखिए :-

तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक ।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ॥

खण्ड "ख"

[व्याकरण]

V. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए चार – चार विकल्प दिये गये हैं, उनमें सही उत्तर चुनकर लिखिए । 2 x 1 = 2

9. 'काम आना' इस मुहावरे का अर्थ है -

अ) काम करना सीखना आ) काम में आना इ) नौकरी मिलना ई) कम पड़ना

10. 'सुविधानुसार' यह इस समास का उदाहरण है –

अ) अव्ययीभव आ) तत्पुरुष इ) कर्मधारय ई) द्विगु

खण्ड "ग"

[रचना]

VI. 11. निबंध लिखिए 1 x 4 = 4

इंटरनेट (अर्थ, विस्तार, लाभ, हानी, उपसंहार)

अथवा

अपनी पाठशाला में मनाए गये स्वतंत्र दिवस का वर्णन करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए ।

Nabi Sir GHS Ganadhal

Nabi Sir GHS Ganadhal

आधार पत्रक FA - 2

समय : 40 मिनट | **दसवीं कक्षा तृतीय भाषा हिन्दी [61 H]** | **अंक : 20**

विषय-वस्तु	स्मरण रखना					समझना					अभिव्यक्ति					रसग्रहण					कुल प्रश्न	कुल अंक
	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.		
	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक		
गद्य भाग :-																						
1. मेरा बचपन									(1)3												1	3
2. बसंत की सच्चाई	(1)#		(1)2																		2	3
3. इंटरनेट क्रांति							(1)1						(1)2								2	3
पद्य भाग :-																						
4. तुलसी के दोहे	(1)1#						(1)1											(1)2			3	4
पूरक वाचन :-																						
5. शनिस बसे सुंदर ग्रह							(1)1														1	1
व्याकरण भाग :-																						
व्याकरण						(2)2															2	2
रचना भाग :-																						
निबंध															(1)4						1	4
कुल योग	(3)4					(6)8					(2)6					(1)2					12	20

सूचना :- १. कोष्ठक के अंदर प्रश्नों की संख्या और बाहर अंक इंगित हैं ।

२. # अनुरूपता के प्रश्न के संकेत हैं ।

Nabi Sir GHS Gandhi

आधार-पत्रक के लिए प्रश्न-पत्र का अभिकल्प

Question Paper Design for Blue Print

1. उद्देश्यों की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Objectives :-

80 MARKS		
उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
स्मरण रखना	16	20%
समझना	32	40%
अभिव्यक्ति	29	36.25%
रसग्रहण	03	3.75%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
स्मरण रखना	4	20%
समझना	8	40%
अभिव्यक्ति	6	30%
रसग्रहण	2	10%
कुल	**20**	**100%**

2. विषय-वस्तु की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Contents :-

100 MARKS		
विषय-वस्तु	अंक	प्रतिशत
गद्य	32	40%
पद्य	20	25%
व्याकरण	08	10%
रचना	16	20%
पूरक वाचन	04	05%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
विषय-वस्तु	अंक	प्रतिशत
गद्य	8	40%
पद्य	5	25%
व्याकरण	2	10%
रचना	4	20%
पूरक वाचन	1	05%
कुल	**20**	**100%**

3. प्रश्न-प्रकार की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Types of Question :- **100 MARKS**

Nabi Sir GHS Ganadhal

प्रश्न-प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठ १. बहुविकल्पीय [व्याकरण] . २. अनुरूपता . ३. जोडकर लिखना	08 04 04	08 04 04	10% 5% 5%
अति लघूत्तर	14	14	17.5%
लघूत्तर 2 अंकवाले . 3 अंकवाले	11 04	22 12	27.5% 15%
दीर्घोत्तर 4 अंकवाले	04	16	20%
कुल	**49**	**80**	**100%**

20 MARKS

प्रश्न-प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठ १. बहुविकल्पीय [व्याकरण] . २. जोडकर लिखना	02 02	02 02	10% 10%
अति लघूत्तर	7	7	35%
लघूत्तर 2 अंकवाले . 3 अंकवाले	3 01	6 3	30% 15%
दीर्घोत्तर 4 अंकवाले			
कुल	**15**	**20**	**100%**

४. कठिनता की स्तर की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Difficulty Level :-

100 MARKS		
स्तर	अंक	प्रतिशत
सरल	24	30%
सामान्य	40	50%
कठिन	16	20%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
स्तर	अंक	प्रतिशत
सरल	6	30%
सामान्य	10	50%
कठिन	4	20%
कुल	**20**	**100%**

Nabi Sir GHS Gandhal

रूपणात्मक परीक्षा – 3 (2017-18)

कक्षा : 10 वीं विषय : तृतीय भाषा हिन्दी अंक : 20

खण्ड "क" [गद्य, पद्य]

7. **निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक – एक वाक्य में लिखिए ।** 3 x 1 = 3

1. दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले किससे हुई?
2. बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है?
3. सत्य का रूप कैसे होता है ?

8. **4. स्तंभ क के वाक्यांशों के साथ स्तंभ ख के सही वाक्यांशों को जोड़कर लिखिए ।** 2 x 1 = 2

क	ख
अ) हाथी	पल – पल ।
आ) जीवन	पैर ।
	अनुपम धन ।
	हड्डियाँ ।

9. **निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।** 3 x 2 = 6

5. रोबोदीप ने रोबोनिल से क्या कहा?
6. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए?
7. बिछेंद्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए?

10. **निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर तीन – चार वाक्यों में लिखिए ।** 1 x 3 = 3

8. सम्मेलन में लेखक को कौन-से अनुभव हुए? संक्षेप में लिखिए ।

खण्ड "ख" [व्याकरण]

11. **निम्नलिखित प्रश्नों के लिए चर – चार विकल्प दिये गये हैं, उनमें सही उत्तर चुनकर लिखिए ।**2 x 1 = 2

9. 'मोर' इसका अन्य लिंग रूप है -

अ) मोरन आ) मोरनी इ) मोराइन ई) मोरिन

10. 'सज्जन' यह इस संधि का उदाहरण है –

अ) दीर्घ आ) गुण इ) व्यंजन ई) विसर्ग

खण्ड "ग" [रचना]

12. **11. कन्नड़ या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए** 4 x 1 = 4

1. स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ ।
2. तालाब में एक बहुत बड़ी मछली तैर रही थी ।
3. मुझे लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है ।
4. कुछ दिन और गुज़र गए ।

Nabi Sir GHS Ganadhal

Nabi Sir GHS Ganadhal

आधार पत्रक FA - 3

समय : 40 मिनट — **दसवीं कक्षा तृतीय भाषा हिन्दी [61 H]** — **अंक : 20**

विषय-वस्तु	स्मरण रखना					समझना					अभिव्यक्ति					रसग्रहण					कुल प्रश्न	कुल अंक
	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.		
	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक		
गद्य भाग :-																						
1. ईमानदारों के सम्मेलन में									(1)3												1	3
2. दुनिया में पहला मकान	(1)1*						(1)1														2	2
3. रोबोट													(1)2								1	2
4. महिला की साहस गाथा			(1)2																		1	2
पद्य भाग :-																						
5. समय की पहचान		(1)1				(1)1*												(1)2			3	4
पूरक वाचन :-																						
6. सत्य की महिमा							(1)1														1	1
व्याकरण भाग :-																						
व्याकरण						(2)2															2	2
रचना भाग :-																						
अनुवाद												(4)4									4	4
कुल योग	(3)4					(6)8					(5)6					(1)2					15	20

सूचना :- १. कोष्ठक के अंदर प्रश्नों की संख्या और बाहर अंक इंगित हैं ।

२. * चिन्ह जोडकर लिखने के प्रश्न के संकेत हैं ।

Nabi Sir GHS Gandhal

आधार-पत्रक के लिए प्रश्न-पत्र का अभिकल्प

Question Paper Design for Blue Print

4. उद्देश्यों की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Objectives :-

80 MARKS		
उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
स्मरण रखना	16	20%
समझना	32	40%
अभिव्यक्ति	29	36.25%
रसग्रहण	03	3.75%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
स्मरण रखना	4	20%
समझना	8	40%
अभिव्यक्ति	6	30%
रसग्रहण	2	10%
कुल	**20**	**100%**

2. विषय-वस्तु की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Contents :-

100 MARKS		
विषय-वस्तु	अंक	प्रतिशत
गद्य	32	40%
पद्य	20	25%
व्याकरण	08	10%
रचना	16	20%
पूरक वाचन	04	05%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
विषय-वस्तु	अंक	प्रतिशत
गद्य	8	40%
पद्य	5	25%
व्याकरण	2	10%
रचना	4	20%
पूरक वाचन	1	05%
कुल	**20**	**100%**

3. प्रश्न-प्रकार की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Types of Question :- **100 MARKS**

प्रश्न-प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठ १. बहुविकल्पीय [	08	08	10%
व्याकरण] .	04	04	5%

Nabi Singh GHS Gandhal

२. अनुरूपता . ३. जोडकर लिखना	04	04	5%
अति लघूत्तर	14	14	17.5%
लघूत्तर 2 अंकवाले . 3 अंकवाले	11 04	22 12	27.5% 15%
दीर्घोत्तर 4 अंकवाले	04	16	20%
कुल	**49**	**80**	**100%**

20 MARKS

प्रश्न-प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठ १. बहुविकल्पीय [व्याकरण] . २. अनुरूपता	02 02	02 02	10% 10%
अति लघूत्तर	7	7	5%
लघूत्तर 2 अंकवाले . 3 अंकवाले	3 01	6 3	30% 15%
दीर्घोत्तर 4 अंकवाले			
कुल	**15**	**20**	**100%**

5. कठिनता की स्तर की दृष्टि से अंकभार - Weightage to Difficulty Level :-

100 MARKS		
स्तर	अंक	प्रतिशत
सरल	24	30%
सामान्य	40	50%
कठिन	16	20%
कुल	**80**	**100%**

20 MARKS		
स्तर	अंक	प्रतिशत
सरल	6	30%
सामान्य	10	50%
कठिन	4	20%
कुल	**20**	**100%**

\

Nabi Sir GHS Ganadhal

रूपणात्मक परीक्षा – **4** (2017-18)

कक्षा : **10** वीं | विषय : तृतीय भाषा हिन्दी | अंक : **20**

खण्ड "क"[गद्य, पद्य]

13. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक – एक वाक्य में लिखिए । 3 x 1 = 3

4. विजयपुरा नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान कौन – सा है ?

5. रामू ने किस विषय का गृह-कार्य नहीं किया था ?

6. संभाषण का विषय क्या था ?

14. 4. स्तंभ क के वाक्यांशों के साथ स्तंभ ख के सही वाक्यांशों को जोड़कर लिखिए। 2 x 1 = 2

अ) एच एम टी : हिन्दुस्तान मशीन टूल्स :: आइ टी आई :

आ) टोली का नाम : बाल - शक्ति :: टोली का मुखिया :

15. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए । 3 x 2 = 6

5. कर्नाटक के किन साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है ?

6. गाँव को आदर्श गाँव कैसे बनाया जा सकता है ?

7. असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि क्या संदेश देते हैं ?

16. निम्न पद्यभाग की पूर्ति कीजिए । 1 x 3 = 3

8. गोरे नन्द --

--बलबीर ॥

खण्ड "ख" [व्याकरण]

17. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए चर – चार विकल्प दिये गये हैं, उनमें सही उत्तर चुनकर लिखिए ।2 x 1 = 2

9. यह सीता की किताब है । इस वाक्य में प्रयुक्त कारक का नाम है -

अ) कर्ता आ) संप्रदान इ) पदान ई) संबंध

10. रामू ! दिखाओ तो गणित की कॉपी । इस वाक्य मे प्रयुक्त विराम चिह्न है _

अ) विस्मयादिबोधक और अल्प विराम आ) विस्मयादिबोधक और पूर्ण विराम

इ) विस्मयादिबोधक और अर्ध विराम ई) विस्मयादिबोधक और प्रश्नावचक

खण्ड "ग" [रचना]

18. 11. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों का उत्तर लिखिए। 4 x 1 = 4

यह सही है कि इन दोनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह और भोले-भोले श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ तथा फरेब का रोजगार करने वाले फल फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसे स्थिति में जीवन के मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है। सदा मनुष्य-बुद्धि नई परिस्थितियों का सामने करने के लिए नए सामाजिक विधि निषेधों को बनाती है, उनके ठीक न साबित होने पर उन्हें बदलती हैं।

1. आजकल किनका बोल बाला है ?

2. सच्चाई किनके हिस्से का पर्याय मानी जाने लगी है ?

Nabi Sir GHS Ganadhal

3. किनके बारे में लोगों की आस्था डाँवाडोल है **?**

4. नवीन सामाजिक विधि निषेध किस के लिए बनते है **?**

Nabi Sir GHS Ganadhal

आधार पत्रक FA - 4

समय : 40 मिनट | दसवीं कक्षा तृतीय भाषा हिन्दी [61 H] | अंक : 20

विषय-वस्तु	स्मरण रखना					समझना					अभिव्यक्ति					रसग्रहण					कुल प्रश्न	कुल अंक
	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.	व.नि.	अ.ल.	ल. उ.		दी. उ.		
	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक		
गद्य भाग :-																						
1. कर्नाटक संपदा	(1)#						(1)1	(1)2													3	4
2. बाल शक्ति						(1)#	(1)1						(1)2								3	4
पद्य भाग :-																						
3. सूर श्याम				(1)3																	1	3
4. कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती																		(1)2			1	2
पूरक वाचन :-																						
5. नागरिक के कर्तव्य							(1)1														1	1
व्याकरण भाग :-																						
व्याकरण						(2)2															2	2
रचना भाग :-																						
अपठित गद्य												(4)4									4	4
कुल योग	(2)4					(7)8					(5)6					(1)2					15	20

सूचना :- १. कोष्ठक के अंदर प्रश्नों की संख्या और बाहर अंक इंगित हैं ।

२. # अनुरूपता के प्रश्न के संकेत हैं ।

Nabi Sir GHS Ganadhal

-: धन्यवाध :-

Nabi Sir GHS Ganadhal

Nabi Sir GHS Ganadhal